पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार, 2 सितंबर 2025 | वर्ष – 35 | अंक –124 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 4.00 रु.

'वोटर अधिकार यात्रा' से लोग हुए जागरूक — पृष्ठ 3
■ आरएसएस : दोरंगी चाल के सौ साल
■ शहरी जीवन की चुनौती : जन-स्वास्थ्य, पशु कल्याण और संतुलित सह-अस्तित्व — पृष्ठ 4
■ चीन-भारत रिश्तों के नई ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद
■ एससीओ के नेताओं ने थ्येनचिन घोषणा पत्र किया जारी — पृष्ठ 9
हम यहां जीत-हार गिनने नहीं, बल्कि ट्रॉफी उठाने आए हैं : मनप्रीत — पृष्ठ 10

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही

छह तीव्रता वाले भूकंप के बाद 800 से अधिक की मौत, हजारों घायल

- नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था भूकंप का केंद्र
- रविवार आधी रात आए भूकंप से सोते लोगों को बचने का मौका नहीं मिला
- पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से कई गांव तबाह
- भूकंप की गहराई आठ किलोमीटर थी, भारी मात्रा में नुकसान पहुंचाया

काबुल,1 सितम्बर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 11:47 बजे छह तीव्रता वाले भूकंप ने तबाही मचा दी है। पाकिस्तान सीमा के पास पूर्वी अफगानिस्तान में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर भले 6.0 रही लेकिन इससे जान–माल की बड़े पैमाने पर हानि हुई है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता के अनुसार इस शक्तिशाली भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 800 से अधिक हो गई है, जिनमें से अधिकांश सुदूर कुनार प्रांत में हैं। इसके अलावा हजारों घायल हो गए हैं। भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है। रविवार रात आए भूकंप ने अफगानिस्तान में जारी मानवीय संकट को और बढ़ा दिया है। देश पहले से ही व्यापक गरीबी, खाद्यान्न की कमी और एक अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा प्रणाली से जूझ रहा है जो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और विदेशी सहायता बंद होने से और भी बदतर हो गई है।

> **इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं, और हम घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है : नरेंद्र मोदी**

भूकंप के बाद भूस्खलन से सड़कें बंद

एनवाईटी की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। भूकंप के बाद लैंडस्लाइड हुई, जिससे कई सड़कें बंद हो गई। सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि भूकंप से देश के कुछ पूर्वी प्रांतों में गंभीर जान–माल का नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। यह पहाड़ी इलाका है। इन इलाकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल है, जिससे बचाव और राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है। इन इलाकों में सरकार लोगों को बाहर निकालने के लिए हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रही है।

वैश्विक संस्थाओं ने बढ़ाये मदद के हाथ

अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप के बाद अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं सहायता पहुंचाने एवं राहत–बचाव कार्यों में तेजी ला रही हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि करते हुए कहा है कि उसके कर्मचारी प्रभावित प्रांतों में स्थानीय सहायता कर्मियों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान में मदद कर रहे हैं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने एक्स पर लिखा हमारी टीमें वहां मौजूद हैं और आपातकालीन सहायता और जीवन रक्षक सहायता पहुंचा रही हैं। हमारी संवेदनाएं प्रभावित समुदायों के साथ हैं। इस भूकंप से हुयी तबाही के बारे में अधिकारियों ने कहा है कि जैसे–जैसे बचावकर्मी दूरदराज के गांवों में जाकर राहत एवं बचाव अभियान चलाएंगे तभी असली स्थिति का पता चलेगा कि इससे जानमाल का कितना नुकसान ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सात अक्टूबर 2023 में मारे गए थे चार हजार लोग

इससे पहले अफगानिस्तान में 7 अक्टूबर 2023 को 6.3 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया था। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में 4 हजार मौतों का दावा किया था, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 1500 मौतों की पुष्टि की थी। वहीं 2022 में पूर्वी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें लगभग 1 हजार लोग मारे गए थे और हजारों लोग घायल हुए थे। अफगानिस्तान में ताकतवर भूकंपों का इतिहास रहा है। भूकंप के लिहाज से हिंदूकुश पर्वतमाला एक्टिव माना जाती है, जहां हर साल भूकंप आते हैं। अफगानिस्तान, भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स के बीच में स्थित है। ये फॉल्ट लाइन अफगानिस्तान के हेरात तक जाती है। प्लेट्स में हलचल होने पर भूकंप आता है।

आंखों के सामने घर ढहते और लोगों को मदद के लिए चीखते हुए देखा

पूर्वी अफगानिस्तान पहाड़ी इलाका है। यह दूरदराज के इलाकों में फैला है। भूकंप के कारण संचार व्यवस्था बिगड़ गई है। एक जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी आंखों के सामने घर ढहते और लोगों को मदद के लिए चीखते हुए देखा। नर्गल के माजा दारा इलाके में रहने वाले सादिकुल्लाह ने बताया कि उसकी नींद एक तेज धमाके से खुली, जो किसी बड़े तूफान के आने जैसा लग रहा था। वह दौड़कर अपने बच्चों के पास ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

इस माह मिलेगा 60 हजार टन अतिरिक्त यूरिया

किसानों के लिए मुख्यमंत्री की बड़ी पहल

रायपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर किसानों के हित में एक बड़ी राहत मिल रही है। भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए 60 हजार टन अतिरिक्त यूरिया का आबंटन स्वीकृत किया है। इसमें सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह में 20 हजार टन, द्वितीय सप्ताह में 35 हजार टन और शेष 5 हजार टन की आपूर्ति माह के अंत तक सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसानों की हर आवश्यकता पर राज्य सरकार संवेदनशील है और यह अतिरिक्त आबंटन उनकी खरीफ फसलों को सुरक्षित रखने में सहायक होगा।

मार्कफेड अधिकारियों ने बताया कि चालू खरीफ सीजन के लिए 28 अगस्त की स्थिति में सहकारी क्षेत्र में 3 लाख 91 हजार 79 मीट्रिक टन और निजी क्षेत्र में 3 लाख 11 हजार 563 मीट्रिक टन, इस तरह कुल 7 लाख 2 हजार 642 मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण किया गया है। इसके विरुद्ध 6 लाख 38 हजार 599 मीट्रिक टन यूरिया किसानों को वितरित किया जा चुका है। इसमें 3 लाख 42 हजार 444 मीट्रिक टन सहकारी क्षेत्र और 2 लाख 96 हजार 155 मीट्रिक टन निजी क्षेत्र से वितरण शामिल है। यह आँकड़ा पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुए 6 लाख 17 हजार 798 मीट्रिक टन वितरण से अधिक है, जो इस बार की बेहतर आपूर्ति व्यवस्था का प्रमाण है।

प्रदेश में किसानों के लिए नैनो खाद की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। सहकारी क्षेत्र में 1 लाख 78 हजार 919 और निजी क्षेत्र में 1 लाख 12 हजार 140, इस तरह कुल 2 लाख 91 हजार 59 बॉटल नैनो यूरिया का भंडारण हुआ है। इसी प्रकार सहकारी क्षेत्र में 1 लाख 58 हजार 809 और निजी क्षेत्र में 79 हजार 810, कुल 2 लाख 38 हजार 619 बॉटल नैनो डीएपी

■ **चालू खरीफ सीजन में अब तक 6.39 लाख टन यूरिया वितरित, गत वर्ष इसी अवधि में हुआ था 6.17 लाख टन का वितरण**

संग्रहित किया गया है। अब तक किसानों को 2 लाख 32 हजार 652 बॉटल नैनो यूरिया और 1 लाख 85 हजार 136 बॉटल नैनो डीएपी वितरित किया जा चुका है।

प्रदेश में चालू खरीफ सीजन के लिए भारत सरकार ने 14.62 लाख टन रासायनिक खाद का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके विरुद्ध सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में 15.64 लाख टन का भंडारण कर लिया गया है। भंडारण के आधार पर किसानों को अब तक 13.19 लाख टन खाद वितरित किया गया है। यह व्यवस्था बताती है कि समितियों और निजी क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं और किसानों को किसी तरह की कठिनाई नहीं होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों को खाद की आपूर्ति उनकी समयबद्ध जरूरतों के अनुरूप प्राथमिकता से की जा रही है। अब तक निर्धारित लक्ष्य का 98 प्रतिशत यूरिया किसानों तक पहुँच चुका है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि किसानों को मौसम और फसल की आवश्यकताओं के अनुरूप पर्याप्त खाद की आपूर्ति लगातार जारी रहेगी और उनकी उपज सुरक्षित रहेगी।

इस संबंध में गत दिनों कृषि मंत्री रामविचार नेताम और राज्य के सांसदों ने भी केंद्रीय उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से भेंट कर छत्तीसगढ़ के किसानों की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार से लगातार संपर्क किया गया और किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त 60 हजार टन यूरिया का आबंटन स्वीकृत किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में सहकारी सोसायटियों और निजी विक्रेताओं के माध्यम से खाद का वितरण सुव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। किसान समितियों में आसानी से खाद उपलब्ध करा पा रहे हैं और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इससे खेती–किसानी प्रभावित ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सार संक्षेप

कश्मीर के पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

श्रीनगर। कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास सोमवार को भारतीय सेना ने आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि सुबह करीब 5:3 बजे बालाकोट के जनरल एरिया में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए तुरंत फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद आतंकियों ने भी ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है।

पीओके में पाक सेना का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में सोमवार तड़के सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच सैन्यकर्मी मारे गए। मृतकों में दो अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, एमआई-17 हेलिकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था, जिसमें उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई।

जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति आवास छोड़ा

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अब दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित अभय चौटाला के फार्महाउस में रहेंगे। सोमवार शाम 6 बजे उन्होंने इस्तीफे के 42 दिन बाद उपराष्ट्रपति आवास छोड़ा। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रमुख अभय चौटाला ने बताया कि हमारे परिवार के धनखड़ जी से पुराने रिश्ते हैं। हमने उनसे हमारे घर में रहने की अपील की, जो उन्होंने मान ली।

सीबीआई से जुड़े 7 772 भ्रष्टाचार के मामले अदालतों में लंबित

केंद्रीय सतर्कता आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सीबीआई की जांच से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के मामले देशभर की विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। इनमें से 379 मामले तो 20 साल से भी पुराने हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 1,506 मामले तीन साल से कम समय से लंबित हैं, जबकि 791 मामले तीन से पांच साल से अदालतों में अटके पड़े हैं। चिंता का विषय यह है कि कुल लंबित मामलों में से 2,660 मामले 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार के 2,281 मामले दस से बीस साल तक और 379 मामले बीस साल से भी ज्यादा समय से लंबित हैं। सीवीसी ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि 31 दिसंबर, 2024 तक 2,660 मामले दस साल से अधिक समय से लंबित हैं। सिर्फ मुकदमे ही नहीं, बल्कि अपील और पुनरीक्षण याचिकाओं की संख्या भी बड़ी है। देशभर के हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई और आरोपियों की ओर से दाखिल कुल 13,100 अपील लंबित हैं। इनमें से 606 अपील 20 साल से ज्यादा समय से अटकी हैं।

श्रम बल की कमी से जांच में देरी–सीवीसी ने स्वीकार किया कि जांच पूरी करने में देरी हो रही है। देरी की वजह के तौर पर अत्यधिक काम का दबाव, श्रम बल की कमी, विदेशों से सूचना मिलने में देरी और मुकदमा चलाने की मंजूरी मिलने में देरी को बताया गया।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड मंजूर नहीं : मोदी

एससीओ की बैठक में प्रधानमंत्री ने जोर-शोर से उठाया आतंकवाद का मुद्दा

बीजिंग, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। यहां पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा की गई। मोदी ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद को विकास की राह में बड़ी बाधा करार देते हुए कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभी सदस्य देशों को इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड छोड़कर मानवता के खिलाफ इस साझा चुनौती का एकजुट होकर विरोध करने के अपने दायित्व को निभाना होगा। मोदी ने सोमवार को यहां शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्र प्रमुखों के 25 वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतंकवाद के मुद्दे पर पूरी मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी देश के विकास का आधार होते हैं लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

भारत–रूस के संबंध बहुआयामी : पुतिन

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि हमारे बीच बहुआयामी संबंध हैं। आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। सोमवार की बैठक से भारत–रूस संबंधों को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रूस और भारत के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात के बाद मोदी दिल्ली रवाना हुए।

आतंकियों को सजा देना जरूरी : एससीओ

एससीओ के घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है। इस साल 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओ के घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था।

1335 लेक्चरर और हेड मास्टर बने प्रिंसिपल

रायपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। स्कूल शिक्षा विभाग में बड़े स्तर पर प्रमोशन आदेश आज जारी किया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने इसकी जानकारी दी है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि 1335 लेक्चर और हेड मास्टर का प्रमोशन कर उन्हें प्रिंसिपल बनाया गया है। इसके साथ ही प्रमोशन के बाद ट्रांसफर आदेश भी जारी किया गया है।

जारी आदेश के मुताबिक अलग–अलग मिडिल स्कूलों के लेक्चरर, लेक्चरर एलबी और हेड मास्टर को हायर सेकंडरी स्कूल के प्रिंसिपल के पद पर पदोन्नति दी गई है। लोक सेवा आयोग में पदोन्नति समिति की बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री के अनुमोदन के आधार पर आदेश जारी किया गया। काउंसिलिंग के जरिए प्रमोशन की स्थिति के अनुसार 1335 प्रमोशन पाने वाले प्रिंसिपल में से 1222 ने जॉइनिंग दे दी है। शेष 113 में से 20 पदोन्नत प्राचार्य काउंसिलिंग में अनुपस्थित रहे। 20 ने ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

एक सितम्बर के बाद भी मतदाता सूची में सुधार पर रोक नहीं

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बिहार में मसौदा मतदाता सूची तैयार करने के लिए पूर्व निर्धारित समय सीमा एक सितम्बर के बाद भी राज्य के निवासियों के दावे या आपत्तियां स्वीकार करने की चुनाव आयोग को सोमवार अनुमति दे दी। इस साल जून में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत बिहार में मसौदा मतदाता सूची तैयार करने का शुरू किया गया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अनुमति देते हुए चुनाव आयोग की इस दलील पर गौर किया कि नामांकन (इस साल निर्धारित विधानसभा चुनाव) की अंतिम तिथि से पहले दायर किए गए सभी दावों या आपत्तियों पर विचार किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल और एआईएमआईएम द्वारा दावे और आपत्तियां दायर करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने के लिए दायर आवेदनों पर विचार करते हुए यह अनुमति दी। बिहार एसआईआर मामले मे राष्ट्रीय जनता दल और बाकियों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं है उनकी मदद के लिए वॉलंटियर्स नियुक्त होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों और हटाए गए मतदाताओं को दावे दायर करने में मदद के लिए पैरा लीगल वॉलंटियर्स नियुक्त किए हैं।

लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन 30 तक

रायपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन के आदेशानुसार आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र के लिये 01 सितंबर से 30 सितंबर 2025 के मध्य की अवधि में आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगें। इस तिथि के पूर्व एवं पश्चात प्राप्त आवेदन–पत्रों पर विचार नही किया जाएगा। निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र के साथ नोटराइज्ड शपथ–पत्र संलग्न होना अनिवार्य है। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला से मिली जानकारी के अनुसार लेखा प्रशिक्षण सत्र नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारी अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में के आवेदन पत्र भेज सकते है। यह आवेदन शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, नगर घड़ी चौक रायपुर को 30 सितंबर तक कार्यालयीन समय ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

हिमाचल प्रदेश आपदा प्रभावित राज्य घोषित

मुख्यमंत्री सुखविंदर ने विधानसभा में किया ऐलान

शिमला,1 सितम्बर (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण हो रहे व्यापक नुकसान को देखते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान राज्य को आपदा प्रभावित घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि इस भयावह आपदा से प्रदेश गंभीर संकट में है और वर्तमान में उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रभावित लोगों का पुनर्वास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राहत और पुनर्वास के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी प्रभावित क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण कर रहे हैं। आवश्यक संसाधनों को तत्काल मुहैया करवाया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर एयरफोर्स के हेलीकॉप्टरों की मदद ली जाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए वायुसेना के दो विमान भी तैनात किए गए हैं। मौसम अनुकूल होते ही राहत और बचाव कार्यों में और तेजी लाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में 21 अगस्त से मॉनसून फिर से सक्रिय हो गया है। इसके बाद से प्रदेश में लगातार बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। इससे चम्बा, कुल्लू, लाहौल स्पीती, मंडी, शिमला, कांगड़ा और हमीरपुर जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

वोटर अधिकार यात्रा | बिहार में समापन समारोह में भाजपा पर बोला हमला

देश को पता चलने जा रही वोट चोरी की सच्चाई : राहुल

पटना,1 सितम्बर (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार के पटना में भाजपा पर करारा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा के लोग काले झंडे दिखाते हैं, भाजपा के लोग अच्छी तरह सुन लीजिए, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, बीजेपी के लोग तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है, वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता चलने जा रही है।

राहुल गांधी ने कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नही रहेगी। राहुल ने बिहार के लोगों को उत्साह से वोटर अधिकार यात्रा में भाग लेने और देश की राजनीति को नई दिशा देने के लिए धन्यवाद दिया।

राहुल ने मोदी को भी घेरा–*राहुल गांधी ने कहा कि हाइड्रोजन बम के बाद मोदीजी अपना चेहरा इस देश को नहीं दिखा पाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में एक नया नारा चला है वोट चोर गद्दी छोड़ जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। राहुल ने पीएम मोदी की चीन यात्रा पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर गद्दी छोड़। राहुल गांधी ने बिहार में सोमवार को समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नही हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ो फर्जी वोट भाजपा और चुनाव आयोग कि मिलीभगत से जोड़े गए हैं।*

युवाओं से किया आह्वान–*बिहार के युवाओं को मैं कहना चाहता हूं, वोट चोरी का मतलब अधिकार की चोरी, आरक्षण की चोरी, रोजगार की चोरी, शिक्षा की चोरी, लोकतंत्र की चोरी, युवाओं के भविष्य की चोरी। यह आपकी* ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

25वीं राज्य स्तरीय चार दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ भव्य आगाज

राष्ट्रगान की बैंड धुन पर संभागवार खिलाड़ियों के दल ने अलग अलग पोशाक में अपने ध्वज के साथ किया शानदार मार्चपास्ट

शुभारंभ अवसर पर आकर्षक वेशभूषा में छात्र छात्राओं ने दी लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति

गौरेला पेंड्रा मरवाही 01 सितम्बर (देशबन्धु)। फिजिकल कॉलेज खेल मैदान पेंड्रा में 25 वीं राज्य स्तरीय चार दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी की चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। राष्ट्रगान की बैंड धुन पर प्रदेश के पांचों संभाग बस्तर, दुर्ग, रायपुर, सरगुजा और बिलासपुर संभाग के खिलाड़ियों के दल ने अलग अलग पोशाक में अपने ध्वज के साथ शानदार मार्चपास्ट किया। शुभारंभ अवसर पर आकर्षक वेशभूषा में छात्र छात्राओं ने लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में तीन खेल विधाए-जिमनास्टिक, ताइक्कांडो और क्रिकेट शामिल है।

कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी के मार्गदर्शन में 1से 4 सितंबर तक चलने वाले इस खेल प्रतियोगिता में 675 खिलाड़ी एवं 50 कोच-मैनेजर भाग ले रहे हैं। जिमनास्टिक में 14, 17 एवम 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका, ताइक्कांडो में 14, 17 एवम 19 वर्ष आयु वर्ग की बालिका और क्रिकेट में 19 वर्ष के बालक शामिल हैं। जिमनास्टिक का आयोजन गुरुकुल जिमनास्टिक हॉल गौरेला में, ताइक्कांडो का आयोजन अटल सभागार जनपद स्कूल पेंड्रा में और क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन फिजिकल कॉलेज मैदान पेंड्रा में किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सुश्री समीरा पैकरा ने कहा कि फिजिकल कॉलेज मैदान में चार दिवसी राज्य स्तरीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ हो रहा है। यहां छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से प्रतिभावान खिलाड़ी आये हैं। हमारे खिलाड़ी काफी देर से धूप में तप रहे हैं, इसी तपन से खरा सोना बनकर अपनी खेल प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन करेंगे और आने वाले समय में देश-दुनिया में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने सभी खिलाड़ियों को ऊर्जा के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया और अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रतियोगिता का विधिवत् उद्घाटन और ध्वजोत्तोलन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी ने सभी प्रतिभागियों को सच्चे खिलाड़ी भावना के साथ भाग लेने की शपथ दिलाई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि गौरव का विषय है कि जीपीएम जिले को राज्य स्तरी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के आतिथ्य का अवसर मिला है। मां नर्मदा के आंचल में बसे जीपीएम जिला का वातावरण खेल और शिक्षा के लिए उत्कृष्ट रहा है। इसीलिए राज्य स्तरीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता का लगातार अवसर मिल रहा है। जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे ने स्वागत भाषण दिया किया। जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी ने खेल प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। उदघाटन समारोह में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूर्णिमा पैकरा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गौरेला मुकेश दुबे एवं उपाध्यक्ष श्रीमती रोशनी शर्मा, जनपद अध्यक्ष मरवाही श्रीमती जानकी खुसरो, जनपद उपाध्यक्ष पेंड्रा निशांत तिवारी, राकेश चतुर्वेदी, अखिलेश नामदेव, तापस शर्मा, प्रभारी अपर कलेक्टर अमित बेक, डिप्टी कलेक्टर देवेंद्र सिरमौर, जिला खेल अधिकारी श्रीमती सीमा डेविड सहित गणमान्य नागरिक, कोचेस, मैनेजर एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नकली शराब बनाने वाले अंतर्राज्यीय माफिया पुलिस की गिरफ्त में

मुंगेली पुलिस ने पकड़ा 35 हजार लीटर स्पिरिट, ट्रक और कार जब्त

मुंगेली 01 सितम्बर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में चल रहे अभियान "ऑपरेशन बाज" के तहत नकली शराब बनाने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। थाना फास्टरपुर पुलिस ने साइबर सेल की टीम के साथ मिलकर 4 तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम दाबो के पास एक टैंकर में भारी मात्रा में स्पिरिट भरी हुई है, जिसका उपयोग नकली शराब बनाने के लिए किया जा रहा है। इस आधार पर की गई कार्रवाई में ट्रक क्रमांक डब्लू 09 भ्भ् 5348 और आल्टो कार यूपी 91 जे 7125 को घेराबंदी कर जब्त किया गया। मौके से 35,000 बल्क लीटर स्पिरिट, फर्जी स्टीकर, होलोग्राम, शराब की बोतलों के ढक्कन और अन्य सामग्री बरामद की गई, जिसकी कुल कीमत लगभग 46 लाख 68 हजार रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपियों में रामगोपाल यादव (राजगढ़, म.प्र.), मलखान सिंह (हमीरपुर, उ.प्र.), महेन्द्र अनुरागी (महोबा, उ.प्र.) और भगवत सिंह बुंदेला (छतरपुर, म.प्र.) शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

जांच में पता चला कि आरोपी भोपाल से बिलासपुर स्पिरिट की तस्करी कर रहे थे। वे स्पिरिट को छोटे ड्रमों में भरकर फर्जी लेबलिंग और होलोग्राम लगाकर अवैध शराब तैयार कर बेचते थे।

आरोपियों के खिलाफ थाना फास्टरपुर में अपराध क्रमांक 44/2025 दर्ज कर आबकारी एक्ट, ट्रेडमार्क एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी भगवत सिंह और महेन्द्र अनुरागी के खिलाफ पूर्व में भी आबकारी एक्ट और अन्य धाराओं के तहत आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी फास्टरपुर गिरिजाशंकर यादव, साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक सुशील कुमार बंछोर सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अफगानिस्तान में ...

गया और उनमें से तीन को बचा पाया। वह अपने परिवार के बाकी सदस्यों को लेने के लिए वापस लौटने ही वाला था कि कमरा उसके ऊपर गिर गया।

जलालाबाद एक चहल-पहल वाला व्यापारिक शहर

पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ अपनी निकटता और दोनों देशों के बीच एक प्रमुख सीमा पार होने के कारण जलालाबाद एक चहल-पहल वाला व्यापारिक शहर है। नगरपालिका के अनुसार इसकी आबादी लगभग 3,00,000 है, लेकिन इसका महानगरीय क्षेत्र कहीं अधिक बड़ा माना जाता है। इसकी अधिकांश इमारतें कम ऊंचाई वाली हैं, जो ज्यादातर कंक्रीट और ईंटों से बनी हैं। इसके बाहरी इलाकों में मिट्टी की ईंटों और लकड़ी से बने घर हैं। कई घरों की गुणवत्ता घटिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने बताया कि बचाव अभियान जारी है। कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल इलाके में पहुंच गए हैं। जमान ने कहा कि कई इलाकों से हताहतों की संख्या की सूचना नहीं मिल पाई है। मौतों और घायलों की सूचना मिलने पर संख्या में बढ़ोतरी की आशंका है।

वैश्विक संस्थाओं ने बढ़ाये ...

हुआ है। अभी मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। कुनार और नांगरहार का इलाका ऊबड़-खाबड़ और दुर्गम है। सीमित सड़क नेटवर्क और विषम भौगोलिक स्थिति के कारण राहत कार्य धीमे हैं। इस क्षेत्र में अधिकांश घर मिट्टी, पत्थर और कीचड़ से बने हैं जो भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं।

इस माह मिलेगा ...

होने के बजाय और मजबूती पा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसानों ने सरकार और प्रशासन की इस पहल पर संतोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि समय पर यूरिया और अन्य खाद उपलब्ध होने से बुवाई और फसल प्रबंधन का काम सुचारू रूप से हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि खाद, बीज और सिंचाई जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से खरीफ सीजन में किसानों को समुचित राहत मिलेगी और छत्तीसगढ़ कृषि उत्पादन में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड ...

भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। हाल ही में, पहलगाम में हमने आतंकवाद का सबसे बुरा रूप देखा। मैं उन मित्र देशों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जो इस दु:ख की घड़ी में हमारे साथ खड़े रहे। वहीं, रूसी राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी एक ही कार में बैठकर द्विपक्षीय बातचीत के लिए पहुंचे। इस बैठक में पुतिन की आगामी भारत यात्रा पर चर्चा की गई। कई रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि मीटिंग से पहले दोनों नेताओं ने 45 मिनट तक कार में बैठकर सीक्रेट बातचीत की थी। रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात के बाद मोदी दिल्ली रवाना हुए।

यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का रास्ता खोजना होगा : मोदी

चीन के तियानजिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हम यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर लगातार चर्चा कर रहे हैं। हम शांति के लिए हाल के सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक रूप से आगे बढ़ेंगे। संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता खोजना होगा। यह पूरी मानवता का आह्वान है। मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि मुझे हमेशा लगता है कि आपसे मिलना एक यादगार अनुभव रहा है। हमें कई विषयों पर जानकारी का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला है। हम निरंतर संपर्क में रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच नियमित रूप से कई उच्च-स्तरीय बैठकें हुई हैं। 140 करोड़ भारतीय इस वर्ष दिसंबर में होने वाले हमारे 23वें शिखर सम्मेलन के लिए आपका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी की गहराई और व्यापकता को दर्शाता है। पुतिन ने कहा कि मैं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी अलास्का बैठक का विवरण द्विपक्षीय बैठकों के दौरान नेताओं को बताऊंगा। मैं मास्को के इस रुख को दोहराता हूं कि यूक्रेन में संकट किसी आक्रमण के कारण नहीं, बल्कि कीव में पश्चिमी सहयोगियों द्वारा समर्थित तख्तापलट के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अलास्का शिखर सम्मेलन में बनी सहमति यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने दोहराया, यूक्रेन में संकट आक्रमण के कारण नहीं, बल्कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों के तख्तापलट की वजह से आया है। पुतिन ने एक नए यूरेशियन सुरक्षा ढांचे को आकार देने में एससीओ के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि यह पुराने यूरोकेंद्रित और यूरो-अटलांटिक मॉडलों की जगह लेगा। एससीओ के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, पुतिन ने कहा कि एससीओ वैश्विक मामलों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रहा है और सदस्य देश व्यापार में राष्ट्रीय मुद्राओं का अधिकाधिक उपयोग कर रहे हैं। विदित हो कि रूस नवंबर में एससीओ के शासनाध्यक्षों की बैठक की मेजबानी करेगा। दिल्ली रवाना होने से पहले मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में यूक्रेन युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने की अपील मोदी ने की और साथ ही भारत और रूस के रिश्तों को खास बताया। मोदी का चीन दौरा इसलिए खास रहा क्योंकि इस दौरे से भारत और चीन के रिश्तों में गरमाहट लौटी है और दोनों देश विवाद सुलझाने पर सहमत हुए। साथ ही एससीओ शिखर सम्मेलन के घोषणा पत्र में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई, जो भारत की कूटनीतिक जीत है। अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच पीएम मोदी के चीन दौरे पर पूरी दुनिया की निगाहें थीं।

1335 लेक्चरर ...

पदोन्नति लेने से इंकार किया। वहीं, 2 ने स्कूल चयन से इंकार किया। इसके अलावा 71 ऐसे पद थे, जिसमें कुछ रिटायर हो चुके हैं, वहीं कुछ मृत भी हो चुके हैं। इसके अलावा निलंबित और अन्य श्रेणी में शामिल रहने वाले भी हैं।

लेखा प्रशिक्षण के लिए ...

में प्राप्त हो जाना चाहिए। लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर इसी प्रकार केवल सचिवालय, वन विभाग के ऐसे स्टेनो जो केम्प कलर्क के रूप में कार्य करते हो तथा संचालनालय कोष,लेखा एवं पेंशन के स्टेनोग्राफर को छोड़कर अन्य विभागों के स्टेनोग्राफर्स प्रवेश के पात्र नही है। मानक आवेदन पत्र पर ही आवेदन स्वीकार किये जायेंगें। आवेदन जिस सत्र के प्रशिक्षण हेतु किया गया है, उस सत्र के लिये ही मान्य होगा। पूर्व प्रचलित आवदेन पत्र स्वीकार नही किये जायेगें। आवेदन पत्र के साथ अन्य आवश्यक सुसंगत दस्तावेज संलग्न होना चाहिए। आवेदन का निर्धारित प्रारूप एवं निर्देश संभाग के समस्त जिला कोषालयों के सूचना पटल पर अवलोकन किये जा सकते हैं।

देश को पता चलने...

जमीन, आपका राशन कार्ड लेकर अडाणी-अंबानी को दे देंगे। महात्मा गांधी की हत्या करने वाली शक्ति संविधान की हत्या करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। हमने बिहार की यात्रा की। बिहार के सारे के सारे युवा खड़े हो गए। छोटे-छोटे बच्चे जीप के पास आते थे, कहते थे वोट चोर, गद्दी छोड़। महाराष्ट्र में हमसे चुनाव चोरी किया गया था। तकरीबन एक करोड़ नए वोटर लोकसभा चुनाव के बाद जोड़े जाते हैं। जितना हमें लोकसभा में मिला, उतना विधानसभा में गया। नए सारे वोट भाजपा के खाते में चले गए। क्योंकि, चुनाव आयोग और भाजपा ने मिलकर वोट चोरी की। हमने साफ दिखाया कि एक क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर थे। हमने डाटा के साथ दिखाया। चुनाव आयोग हमें वोटर लिस्ट नहीं देती। सीसीटीवी नहीं दिखाती। चार महीने, 16-17 घंटे काम कर हमने देश के सामने सबूत रखा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार सुरक्षित नहीं रहेगा तो दूसरे अधिकार, रोजगार शिक्षा और युवाओं का भविष्य भी सुरक्षित नही रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार अडानी, अम्बानी और अमीरो को फायदा पहुंचाने के लिए गरीबो की जमीन और नागरिक अधिकार छीन लेगी।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, PHUPE RAM PATRE S/O INDAL PRASAD PATRE resident of QTR NO-482/484/2A/6,BALCO TOWENSHIP KORBA (C.G.) have changed my old name PHUPE RAM PATRE S/O INDAL PRASAD PATRE so in future I should be recognized by my new name that is PUHUP RAM PATRE S/O INDAL PRASAD PATRE in all Government and other documents.

PUHUP RAM PATRE
QTR NO-482/484/2A/6,BALCO TOWENSHIP KORBA (C.G.)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
विवाह प्र. क्र. 202/ब-121/2024-2025
ग्राम- चांपा तहसील- चांपा

// ईश्तहार //

आवेदक श्री प्रशांत घोरे उम्र 32 वर्ष पिता स्व. श्री वसंतराम घोरे जाति मोची निवासी ग्राम चांपा तहसील व थाना चांपा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) एवं आवेदिका कु. बबली पटेल उम्र-28 वर्ष पिता स्व. श्री रामकुमार पाटेल जाति मरार निवासी कोटाडबरी चांपा तहसील व थाना चांपा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

बनाम

छत्तीसगढ़ शासन

आम जनता ग्राम चांपा तहसील चांपा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री प्रशांत घोरे उम्र 32 वर्ष पिता स्व. श्री वसंतराम घोरे जाति मोची निवासी ग्राम चांपा तहसील व थाना चांपा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) एवं आवेदिका कु. बबली पटेल उम्र-28 वर्ष पिता स्व. श्री रामकुमार पाटेल जाति मरार निवासी कोटाडबरी चांपा तहसील व थाना चांपा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत आशयित विवाह की सूचना आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः इस संबंध में किसी को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह अपनी दावा/ आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 17.09.2025 को 11.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.08.2025 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विवाह अधिकारी, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

विज्ञापन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रतापपुर उपवनमण्डल के वनपरिक्षेत्र प्रतापपुर अन्तर्गत सर्किल टुकुडांड के ग्राम चाचीडांड हाई स्कूल के समीप सड़क मार्ग पर अवैध रूप से कोयला लोड कर अवैध परिवहन के आरोप में पिकप वाहन जप्त कर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 12221/24 दिनांक 06.04.2020 जारी किया गया। जप्त वाहन के संबंध में जिला परिवहन अधिकारी धमतरी द्वारा जानकारी प्रस्तुत कर उल्लेख किया गया है कि उक्त वाहन क्रमांक C.G.05-4619 हीरो होण्डा (मोटर सायकल) के रूप में पंजीबद्ध है, जिसके वाहन स्वामी श्री भवानी सिन्हा आ. श्री योगेश्वर सिन्हा, निवासी-अर्जुनी, जिला धमतरी (छ.ग.) है।

अतः उक्त जप्त वाहन को शासन के पक्ष में राजसात की कार्यवाही वन विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु अंतिम अवसर देते हुए सूचित किया जाता है कि उक्त वाहन के संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को अपना पक्ष रखने हेतु विज्ञापन प्रकाशित के 15 दिवस के भीतर कार्यालय में जानकारी देना सुनिश्चित करें।

वनमंडलाधिकारी, सूरजपुर, वनमंडल सूरजपुर
जी- 252603158/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग बिलासपुर (छ.ग.)
नगर निगम टाऊन हाल के पीछे पिन- 495001 फोन नं. 07752-418657 Email-eebr.bilaspur@gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक3391/NIT-8/2025-26/ व.ले.लि. बिलासपुर, दिनांक 29.08.2025
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 09/09/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 15/09/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 16/09/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में) बैंक साल्वेंसी (रू. में)
8 T0011	सेतु उप संभाग जांजगीर के अन्तर्गत बजट वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में सम्मिलित रेलवे ओव्हर ब्रिज के सर्वेक्षण कार्य।	2.10 2100.00 31500.00

निविदा संबंधी शर्तें :-
(1) निविदा प्रपत्र की राशि 750/-
(2) कार्य के लिए निविदाकारों की श्रेणी-एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत ''द'' से ''अ'' तक
(3) कार्य पूर्णता की अवधि 04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
(4) विभागीय वेबसाईट www.pwd.cg.nic.in/ pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।
निविदा संबंधी अन्य जानकारी हेतु संभागीय कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)
जी-252603119/1

न्यायालय-तहसीलदार, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. 202502260100014 / अ-19 / 2022-23

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्राम सूरजपुर को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक संस्था उमनि एवं वरि. पुलिस अधीक्षक जिला-सूरजपुर (छ.ग.) के पत्र क्रमांक 20.02.2025 के माध्यम से ग्राम नवापारा सूरजपुर स्थित खसरा नंबर 2750/1 पुलिस कंट्रोल रूम के निर्माण हेतु भूमि आबंटन करने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत करने से जांच कार्यवाही पूर्ण कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। उक्त पत्र के तारतम्य में हल्का पटवारी नं. 11 रा.नि.मं. सूरजपुर तहसील सूरजपुर स्थित शासकीय सिंचाई विभाग के नाम पर दर्ज भूमि खसरा नं. 2750/1 रकबा 0.809 हे. में से रकबा 0.324 हे. भूमि को चयनित कर पुलिस कंट्रोल रूम के निर्माण हेतु प्रस्तावित किया गया है जिस पर भूमि आबंटन की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। अतएवं इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वह अपना आक्षेप दिनांक 04/09/2025 को इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
जी- 252603135/2

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO.021-10/PUBLICATION/4043 Korba West, dtd. 29.08.2025
(e-Bidding) TENDER NOTICE No. 1368/2025.

Online tenders are invited from experienced & prospective Firms for the following Works/Supply:

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc.	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	Rfx No. 8100045782	Assistance Service & daily Maint. of ORT -I & II by deploying peon on job basis under O/o ACE (O&M-I), HTPS, Korba West.	590/-	8,810/-	22.09.2025
2.	Rfx No. 8100045933	AMC to maintain the telemetry data speech 220/400 KV feeder carrier protection and industrial PA system installed at KW & HBHPS, Machadoli Bango.	590/-	6,735/-	22.09.2025
3.	Rfx No. 8100045985	Removal of un-used Power and control cable from trench and other places of PH-I, under S.E. (ET-I), HTPS, Korba West.	590/-	8,440/-	19.09.2025

NOTE:- 1. Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website **www.cspc.co.in–e-Bidding**. 2. Quantity as per tender schedule.
SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION
SUPERINTENDING ENGINEER (C-I) O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P) HTPS, CSPGCL, KORBA WEST

राजस्व मामले में नोटिस
न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
पु.प्र.क्र. 20180106060066/ 0601/ Rxm/ अ-27/2024-25
ग्राम-मधुवा तहसील-अकलतरा

पक्षकार :-
संतोष कुमार पिता गेंदराम
बनाम
1. कोमल सूर्यवंशी (मृत) वगैरह
प्रति,
अ. मीना पति कोमल, ब. सुशीला, स. शैलेन्द्र, द. सतरूपा, ई. कु. प्रीति सभी वारिसान स्व. कोमल सभी जाति सूर्यवंशी
2. पुनीराम पिसरान उमेंदराम, 3. मुन्नालाल पिसरान उमेंदराम, 4. राजू पिसरान उमेंदराम, 5. राजेन्द्र पिसरान उमेंदराम, 6. श्यामकुमार पिसरान उमेंदराम, 7. तिजा बाई बेवा उमेंदराम, 8. ज्ञान बाई बेवा दरशराम सभी जाति सूर्यवंशी निवासी मधुवा तहसील अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) 9. सौखीलाल पिता स्व. परसराम, 10. श्यामलाल पिता स्व. परसराम, 11. झूलबाई बेवा स्व. परसराम सभी जाति सूर्यवंशी हाल-मुकाम उरतुम तहसील सीपत जिला बिलासपुर (छ.ग.)

पुनरीक्षणकर्ता गण संतोष कुमार पिता गेंदराम जाति सतनामी एवं 06 अन्य सभी निवासी मधुवा तहसील अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) द्वारा न्यायालय तहसीलदार अकलतरा के राजस्व प्रकरण क्रमांक 20180106060066/अ-27/ 2017-2018 में पारित आदेश दिनांक 03.01.2025 के विरूद्ध पुनरीक्षण प्रस्तुत कर उक्त आदेश को निरस्त करने की मांग की गई है। आपको पक्षकार के रूप में संयोजित किया गया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 12/09/2025 को दिन के 11.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये सयम किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवानों प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सभी प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में आपकी उपसंजाति के लिए नियत दिनांक 12/09/2025 है वह इस वाद के निपटारे के लिए नियत है।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

आज दिनांक 12.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की सील मुद्रा लगा कर जारी किया गया।

सील — अतिरिक्त कलेक्टर, जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

जिला जल एवं स्वच्छता सरगुजा की ओर कार्यपालन अभियंता सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा एकीकृत पंजीयन व्यवस्था के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से साधारण नलकूप खनन कार्य हेतु पत्रक 'अ' (प्रतिशत दर)ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	सिस्टम क्रमांक	उपखण्ड	संख्या	लागत (रू.लाख में)
1	11 दिनांक 28.08.2025	174465	अम्बिकापुर	76 नग	102.60

बिड संबमिशन की अंतिम तिथि 18.09.2025 समय :- 17:30 बजे तक।
निविदा के सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल (**https://eproc.cgstate.gov.in**) में दिनांक 01.09.2025 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, अम्बिकापुर
जी- 252603124/2

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जरहागांव

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र. .../ ब-121/ 2024-25
ग्राम जरहागांव प.ह.नं. 08

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम जरहागांव वालों को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरगुणदास पिता स्व. जीवनदास जाति पनिका निवासी ग्राम जरहागांव तहसील जरहागांव, जिला मुंगेली छ.ग.द्वारा अपने भाई निर्गुण दास के मृत्यु दिनांक 29/08/1996 को ग्राम पंचायत जरहागांव में दर्ज करने हेतु आदेश जारी करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, अतः इस संबंध में जिस किसी को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 15/09/2025 को प्रातः 11 बजे तक मेरे न्यायालय तहसील जरहागांव में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

सील — कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जरहागांव

शपथ पत्र

मैं ललिता साहू उम्र-38 वर्ष पति-स्व. रितेश साहू निवासी-मकान नंबर 95/4 खरहरी कोरबा, जिला-कोरबा छ.ग. की होकर शपथपूर्वक निम्न कथन करती हूं कि:-
1/ मैं उक्त पते पर निवासरत् हूं। मेरा आधार नंबर 498790580009 है।
2/ मेरे नाम से नगर निगम कोरबा जोन बांकीमोगरा के द्वारा जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया है जिसका पंजीयन क्रमांक 201 जारी दिनांक 30/04/2011 है।
3/ मेरी पुत्री के नाम से जारी जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम त्रुटिवश दुर्गा एवं माता का नाम त्रुटिवश श्रीमती ललिता दर्ज हो गया है।
4/ मेरी पुत्री का वास्तविक एवं सही नाम दुर्गा साहू एवं माता का नाम ललिता साहू है जो कि मेरी पुत्री के नाम से जारी समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज है।
5/ मेरे नाम से जारी आधार कार्ड में मेरा वास्तविक एवं सही नाम ललिता साहू दर्ज है।
6/ मेरे आधार कार्ड में एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम दुर्गा साहू दर्ज है।
7/ मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसके त्रुटिवश दर्ज नाम दुर्गा को सुधार कर उसका सही नाम दुर्गा साहू एवं माता का सही नाम ललिता साहू दर्ज किया जाए।
8/ यह शपथ पत्र मेरे द्वारा उक्ताशय के समर्थन में निष्पादित है जिसे संबंधित कार्यालय/ विभाग में प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
ललिता साहू
मकान नंबर 95/4 खरहरी कोरबा, जिला-कोरबा छ.ग.

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल मोपका तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)

सूचना

क्रमांक/ क्यू / सीमांकन / रा.नि./ 2025
बिलासपुर, दिनांक 29/08/2025
प्रति,
1/ आवेदक विजय लक्ष्मी साहू पति भुनेश्वर साहू आवेदक के बताए अनुसार समीपस्थ भूमिस्वामी
2/ निला बाई
3/ मनोज कुमार सा. नागोराव स्कूल के पास, जूना बिलासपुर एवं अन्य सभी हितबद्ध पक्षकार।
विषय:-सीमांकन में उपस्थिति बाबत्
संदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर के ज्ञापन क्रमांक क्यू/ तह./ ना.तह./ वा./ 2025 बिलासपुर, दिनांक 02/06/2025

ग्राम लगरा प.ह.नं. 27 रा.नि.मं. मोपका तहसील व जिला-बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नं. 43/16 रकबा 0.0405 हेक्टेयर के सीमांकन हेतु आवेदक विजय लक्ष्मी साहू निवासी विकास नगर कुसमुंडा कोरबा के द्वारा छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 के प्रावधानों के तहत न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर को आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

संदर्भित न्यायालयीन आदेश के परिपालन में उपरोक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 10/09/2025 को समय 10.00 से 05.00 बजे के बीच में किया जाना है। आप उक्त नियत तिथि में अपनी भूमि संबंधित दस्तावेज के साथ मौके पर उपस्थित होवें एवं उक्त समय पश्चात् की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सील — राजस्व निरीक्षक, मोपका, बिलासपुर (छ.ग.)

NAME CHANGE

I, MOGAL KARIM RAO S/o MUGAL SHRINIVAS RAO, Resident of B-14, Naman Vihar, T.P.Nagar, Ward No-10, Korba, Chhattisgarh-495677, declare that name of my mother and my father has been wrongly written as MOGAL BABY RAO and MOGAL SRINIVAS RAO in my Class 10th Marksheet, Bearing Roll Number-12185200 and name of mine, my mother and my father has been wrongly written as M KARIM RAO, M BABY and M S N in my Class 12th Marksheet, Bearing Roll Number-2233304608. The actual name of mine, my mother and my father are MOGAL KARIM RAO, BABY RAO and MUGAL SHRINIVAS RAO.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SUNIL KUMAR YADAV S/o Late RAMESHWAR PRASAD YADAV, Resident of 82, B-Type, Ward No-8, Shivpur Churcha, P.O-Churcha Colly, District-Koriya, Chhattisgarh-497339, declare that name of my father has been wrongly written as RAMESHWAR YADAV in my Class 10th and 12th and Diploma in Mining Engineering Educational Documents and in my Service Records and Overman Certificate of Competency and Second Class Manager's Certificate of Competency. The actual name of my father is RAMESHWAR PRASAD YADAV which may be amended accordingly.

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी मत्स्य महासंघ मर्यादित
मुख्यालय का पता:- मछली पालन विभाग परिसर, तेलीबांधा थाने के पास, तेलीबांधा, रायपुर, पो.आ. रविग्राम पिन कोड- 492006, फोन 0771-4267693, Email: cgmatsyamahasangh@gmail.com

क्रमांक 570 / ममसं / तक. / जला. / 2025-26 रायपुर, दिनांक 29 / 08 / 2025

//मत्स्य पालन हेतु जलाशय आबंटन बाबत् संक्षिप्त सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छ.ग. राज्य सहकारी मत्स्य महासंघ मर्या, रायपुर के अधीनस्थ निम्नलिखित जलाशय को अनुबंध की तिथि से दस वर्ष की अवधि के लिए '' वार्षिक प्रतिफल राशि भुगतान '' के आधार पर मत्स्य पालन, मत्स्याखेट एवं मत्स्य विक्रय कार्य हेतु निम्नलिखित विवरण के अनुसार दिया जाना है :-

क्र.	जलाशय का नाम	औसत जलक्षेत्र (हे.)	जलाशय हेतु निर्धारित प्रारंभिक वार्षिक प्रतिफल राशि (रु. लाख में)
1.	दुलहरा, जिला- बिलासपुर	62.25	6.36

चयन की पात्रता एवं शर्ते- 1. जलाशय के आबंटन हेतु प्राथमिकता का क्रम निम्नानुसार होगा- (अ) स्थानीय प्राथमिक मछुआ सह. समिति / समितियां जिनके कार्यक्षेत्र में जलाशय आता हो। (ब) जलाशय के समीपस्थ अन्य मछुआ सहकारी समिति/ समितियां (स) मछुआ समूह (द) मछुआ व्यक्ति
टीप:- स्थानीय प्राथमिक मछुआ सहकारी समिति/ समितियों द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं करने अथवा उनके द्वारा निर्धारित अफसेट दर से कम दर प्रस्तावित किये जाने पर ही प्राप्त अन्य आवेदन पत्रों पर उपरोक्त वर्णित प्राथमिकता क्रमानुसार विचार किया जावेगा।
2. यदि एक से अधिक समितियां सम्मिलित होकर किसी एक समिति को अधिकृत कर जलाशय को मत्स्यापालन हेतु लेना चाहेगी तो सहकारी नियमों के तहत् पंजीकृत अपेक्स बॉडी के माध्यम से आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेगी।
3. जलाशय आबंटन के संबंध में विस्तृत विवरण, शर्तो आदि की जानकारी एवं आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारुप मत्स्य महासंघ मुख्यालय,रायपुर से दि. 29.09.2025 तक कार्यालयीन समय पर प्राप्त किये जा सकते हैं।
इस हेतु इच्छुक मछुआ सहकारी समिति / मछुआ समूह / मछुआ व्यक्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में निर्धारित प्रारुप में आवेदन पत्र दिनांक 30.09.2025 दिन मंगलवार तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।
उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा। प्रबंध संचालक

देश

उवाच

"राहुल गांधी काल्पनिक कहानियों में हीरो, लेकिन हकीकत में जीरो हैं। यह यात्रा मतदाता जागरूकता के बजाय भ्रम फैलाने और चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों को कमजोर करने की साजिश है, 'वोटर अधिकार यात्रा' काल्पनिक फिल्म जो पर्दे पर आने से पहले ही पिट गई: **मुख्तार अब्बास नकवी, वरिष्ठ नेता भाजपा**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	25	24
मुंबई	28	26
कोलकाता	32	31
चेन्नई	31	28

'वोटर अधिकार यात्रा' से लोग हुए जागरूक

राहुल गांधी के नेतृत्व में ऐतिहासिक यात्रा न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश को प्रभावित करेगी : अशोक गहलोत

- **राहुल गांधी ने जो मुहिम बिहार के सासाराम से छेड़ी है, इसमें सहयोग करने के लिए सामने आना होगा : अशोक गहलोत**
- **पूरा बिहार राहुल गांधी के साथ खड़ा है, और आगामी चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनेगी : अखिलेश प्रसाद सिंह**

पटना, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। बिहार की राजधानी पटना में सोमवार को वोटर अधिकार यात्रा के समापन पर कांग्रेसी नेताओं ने दावा किया है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में इस यात्रा से बिहार की जनता जागरूक हुई है और आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक की सरकार बनेगी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बिहार में इतिहास रचने जा रहा है। राहुल गांधी के नेतृत्व में ऐतिहासिक यात्रा न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश को प्रभावित करेगी। अगर लोकतंत्र को बचाना है, तो वोट के अधिकार की रक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा इसी पर आधारित है। उन्होंने दावा किया कि अगर वोट नहीं बचेगा तो आपका अधिकार खत्म हो जाएगा। आप रोजगार और महंगाई पर अपनी बात नहीं कह पाएंगे।

पूर्व सीएम ने बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने जो मुहिम बिहार के सासाराम से छेड़ी है, इसमें सहयोग करने के लिए सामने आना होगा। कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरा बिहार राहुल गांधी के साथ खड़ा है, और आगामी चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के मुद्दे पर पूरे बिहार में गुस्सा है। भाजपा ने जो साजिश रची है उसे कामयाब नहीं होने देंगे। आजादी के बाद जो अधिकार बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें दिया, वह किसी भी कीमत पर छीनने नहीं देंगे।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ पूरा बिहार साथ में है और महागठबंधन की सरकार बनने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को कई शिकायतें दी हैं, लेकिन आयोग जवाब नहीं दे रहा है। कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा कि यह यात्रा चुनाव के लिए नहीं, बल्कि वोट के अधिकार के लिए है। जिस तरह से इस अधिकार को छीना जा रहा है, वह सही नहीं है। हमें जो संविधान में हक मिला है, उसे छीनने नहीं देंगे। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि यह यात्रा अब बिहार तक सीमित नहीं है; यह एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन बन गया है। यह नई क्रांति का आगाज बन गई है, क्योंकि यह यात्रा %वन मैन वन वोट% के अधिकार की रक्षा के लिए हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर जो साजिश रची है, वह सफल नहीं होगी। देश और बिहार के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरा विपक्ष चट्टान की तरह खड़ा है। मतदाता अधिकार यात्रा' पर कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, चाहे युवा हों या किसान, सभी ने इस यात्रा का समर्थन किया है। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि यह यात्रा नहीं क्रांति है, इसका उदघोष बिहार से हुआ है। जननायक राहुल गांधी क्रांति लेकर आए हैं।

भाजपा किस्तों में लोकतंत्र को समाप्त करती जा रही है : खड़गे

पटना। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा जब से सत्ता में आई है, किस्तों में लोकतंत्र को समाप्त करती जा रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह रोज चोरी के नए-नए तरीके अपनाती है। पटना में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 15 दिन तक चली इस यात्रा ने पूरे देश को जगा दिया। इसमें भाजपा ने रुकावट डालने की कोशिशें की। हमारे कांग्रेस ऑफिस पर हमला हुआ। लेकिन, बिहार के लोगों ने यात्रा को पूरी तरह सफल बनाया। उन्होंने कहा कि देश में जब भी कमजोर तबकों के हुकूक पर खतरा पैदा होता है, राहुल गांधी उनकी आवाज बुलंद करते हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा', 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' और 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' और अब ये यात्रा इसी कड़ी का हिस्सा है। यहां हमें साफ दिख रहा है कि बिहार की जनता इस 'डबल इंजन की भ्रष्ट सरकार' को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेगी। उन्होंने एसआईआर की चर्चा करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष सही था, ये सर्वोच्च न्यायालय ने भी माना। हम लोग चाहते थे कि संसद में बिहार की 'वोट चोरी' पर चर्चा हो। सारा विपक्ष आंदोलन करता रहा, लेकिन ये लोग चुनाव आयोग को बचाते रहे, मगर चर्चा नहीं होने दी।

बिहार की तर्ज पर देशभर में निकाली जाएगी 'वोटर अधिकार यात्रा': संजय राउत

बिहार की राजधानी पटना में 'वोटर अधिकार यात्रा' के आखिरी दिन विपक्ष दलों के तमाम नेता पहुंचे। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने इस यात्रा को सफल बताते हुए दावा किया कि इस यात्रा का संदेश बिहार के कोने-कोने तक पहुंचा है और अब बिहार की तर्ज पर देशभर में ये यात्रा निकाली जाएगी। संजय राउत ने कहा, 'यात्रा का संदेश पूरे देश में फैलेगा। 'वोटर अधिकार यात्रा' हर राज्य में शुरू होगी। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में यह एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में, हमने वोटों की हेराफेरी के प्रभावों को व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया है। अब, इस क्रांतिकारी यात्रा का उद्देश्य देश भर में ऐसी प्रथाओं को रोकना है।

भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था समाप्त करना चाहती हैं : तेजस्वी यादव

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को यहां वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर पटना के डाक बंगला चौराहे पर लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट की चोरी करना चाहती है। उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है, लेकिन भाजपा यहां से ही लोकतंत्र समाप्त करना चाहती है। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एनडीए की डबल इंजन की सरकार होने के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार में एक इंजन अपराध में लगा और दूसरा इंजन भ्रष्टाचार में। बड़ी चालाकी से फर्जी वोट भी जोड़े जा रहे हैं।

बिहार का चुनाव सिर्फ प्रदेश का नहीं, देश के संकल्प का होगा : हेमंत सोरेन

पटना। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि बिहार में होने वाला विधानसभा चुनाव केवल प्रदेश का नहीं, देश का संकल्प होगा। यह चुनाव देश की दशा और दिशा तय करेगा। पटना में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन के मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने झारखंड की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य अब बदल रहा है। आज वहां महिलाओं के पलायन को आर्थिक मदद देकर रोक दिया गया है। उन्होंने भाजपा पर धन और बल के जरिए सत्ता में आने का आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी का भय दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे भी झूठे मामले में जेल में डाल दिया गया। अगर हम जेल नहीं गए होते, तो झारखंड में लोकसभा चुनाव में भाजपा का खाता नहीं खुलने देते।

'बिहार में सफल रही वोटर अधिकार यात्रा, जनता ने दिया पूरा साथ'

पटना। यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, और अविनाश पांडे का दावा है कि 'वोटर अधिकार यात्रा' सफल रही है। इनका कहना है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ पूरे बिहार की जनता खड़ी है, 16 दिनों में भरपूर प्यार मिला है, और बिहार में बदलाव तय है। बिहार के सासाराम से शुरू हुई 'वोटर अधिकार यात्रा' कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में शुरू हुई थी। यह यात्रा मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के विरोध में निकाली गई थी, जिसे विपक्ष ने 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए जन जागरूकता अभियान के रूप में प्रस्तुत किया।

वोटर अधिकार यात्रा भले समाप्त हो गई हो लेकिन यह लड़ाई समाप्त नहीं हुई है : मुकेश सहनी

पटना। विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने आज वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज वोटर अधिकार यात्रा भले समाप्त हो गई हो लेकिन यह लड़ाई समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर इस सरकार को उखाड़ फेंकना है, जो सरकार वोट चोरी से बनी है। वोटर अधिकार यात्रा के अंतिम दिन आज राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में पटना में यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में वीआईपी सहित सभी घटक दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि भाजपा के लोग पहले विधायक और सांसद खरीदते थे, लेकिन अब वोट की चोरी कर ही सरकार बनाने लगे। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई को अब गांव के बूथों तक ले जाना है, जिससे लोग अपने वोट की रक्षा करते हुए इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संघर्ष करें।

सार संक्षेप

भारत-नेपाल मित्रताः नेपाली सेना को दिए टारगेट प्रैक्टिस ड्रोन व उपकरण

नई दिल्ली। भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच रक्षा सहयोग और आपसी विश्वास को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। नेपाल से दोस्ती निभाते हुए भारतीय सेना ने टारगेट प्रैक्टिस ड्रोन और ग्राउंड सपोर्ट उपकरण नेपाली सेना को सौंपे हैं। इसके लिए बाकायदा एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। सेना के मुताबिक यह कार्यक्रम सोनौली के इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट पर आयोजित किया गया। भारतीय सेना ने यहां नेपाली सेना को छह टारगेट प्रैक्टिस ड्रोन दिए। खास बात यह है कि ये सभी ड्रोन स्वदेशी तकनीक से तैयार किए गए हैं। नेपाली सेना को दिए गए ये महत्वपूर्ण सैन्य उपकरण भारत में ही बनाए गए हैं। इस अवसर पर भारतीय सेना ने भरोसा दिया कि वह नेपाली सेना की क्षमता वृद्धि और आपसी सहयोग को लगातार समर्थन देती रहेगी। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहल दोनों मित्र देशों के बीच गहरे होते सैन्य संबंधों व भाईचारे की मिसाल है। गौरतलब है कि भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नेपाल की आधिकारिक यात्रा कर चुके हैं।

रांची में भाजपा महिला कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, कांग्रेस ऑफिस घेरने की कोशिश

रांची। बिहार में कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की। रैली की शक्ल में कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़ रही भाजपा महिला कार्यकर्ताओं को पुलिस और सुरक्षा बलों ने रांची यूनिवर्सिटी के गेट के पहले ही रोक दिया। इस दौरान पुलिस और महिला कार्यकर्ताओं के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई।

पांच हजार से ज्यादा लोगों के एकत्रित होने की अनुमति नहीं : कोर्ट

- **बॉम्बे हाईकोर्ट का सख्त आदेश, आंदोलन का अधिकार है लेकिन शहर का माहौल बिगड़ना नहीं चाहिए**
- **मराठा आंदोलन पर बॉम्बे हाईकोर्ट में स्पेशल सुनवाई, वकील ने राजनीतिक हस्तक्षेप पर जताई चिंता**

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इस मामले में वकील गुणरत्न सदावर्ते ने आरोप लगाया कि आंदोलन में राजनीतिक हस्तक्षेप साफ नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी के शरद पवार गुट के नेता प्रदर्शनकारियों को खाना-पानी ट्रक के जरिए पहुंचा रहे हैं। सदावर्ते ने बताया कि हाल ही में सुप्रिया सुले पर भी पानी की बोतल फेंकी गई और महिला रिपोर्टरों को भी परेशान किया गया।

उन्होंने कहा कि इसमें राजनीतिक मजबूरियां भी शामिल हैं। वे राजनीति और जाति को बीच में नहीं लाना चाहते, लेकिन कई विधायक और सांसद इस बात पर जोर दे रहे हैं कि प्रदर्शनकारियों को ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसी दौरान मराठा समुदाय की तरफ से कोर्ट में पेश हुए वकील आनंद काठे ने सदावर्ते की बातों पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने काठे को समझाया कि इस मामले में उनका कोई अधिकार नहीं है और उन्हें बीच में बोलने की अनुमति नहीं है। कोर्ट ने कहा कि 2024 के सरकारी नियम के अनुसार मराठा समुदाय को आरक्षण दिया गया है और अब सवाल यह है कि क्या उन्हें यह आरक्षण चाहिए या कोई अलग व्यवस्था चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा कि आंदोलन शांतिपूर्ण है लेकिन मुंबई के लोगों को परेशानी हो रही है। कोर्ट ने कहा कि 5,000 से ज्यादा लोगों के एकत्रित होने की अनुमति नहीं है और अगर इससे ज्यादा लोग आ रहे हैं तो पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा कि क्या मुंबई के लोगों की यह परेशानी तब तक चलेगी जब तक आंदोलनकारियों की मांगें पूरी नहीं होतीं।

वकील गुणरत्न सदावर्ते ने आंदोलन को मुख्यमंत्री के मराठा न होने से जोड़ा और कहा कि बीड हिंसा और आजाद मैदान पर पुलिस केस दर्ज न किए जाने पर भी सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने बताया कि कोर्ट के आसपास भी प्रदर्शनकारियों ने घेरा बनाया हुआ है। कोर्ट ने मराठा समुदाय के वकीलों से पूछा कि क्या ये सब शांतिपूर्ण तरीके से हो रहा है? जिस पर वकीलों ने माना कि कुछ और लोग भी शामिल हैं, जिन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

जम्मू : बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए पर्याप्त उपाय करने को केंद्र प्रतिबद्ध : अमित शाह

जम्मू, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा रखी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है। लोगों को लगातार हो रही बारिश की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जम्मू में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पीड़ितों से मुलाकात की। अमित शाह ने उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू के चक मंगू इलाके में बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों से मुलाकात की।

मोदी सरकार प्रभावित लोगों के साथ पूरी तरह खड़ी है और उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास करेगी : अमित शाह

इसे लेकर स्थानीय लोगों ने कहा कि आज उनकी गृहमंत्री से मुलाकात हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि उन्हें हर संभव राहत राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। चक मंगू के एक निवासी ने बताया कि गृहमंत्री आज हमारे इलाके में आए थे। उन्होंने सभी को राहत और पुनर्वास मुहैया कराने का भरोसा दिलाया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि जम्मू में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित चक मंगू गांव का दौरा किया। आपदा मोचन बल राहत एवं बचाव कार्य पूरे जोर-शोर से चला रहे हैं। साथ ही प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता भी प्रदान कर रहे हैं। मोदी सरकार प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए पर्याप्त उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है।

'युद्ध अभ्यास' के मोर्चे पर भारत-यूएस एक साथ

- **अमेरिका में दो हफ्ते तक चलेगा युद्धाभ्यास**

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका 'युद्ध अभ्यास' के मोर्चे पर एक साथ आए हैं। दोनों देशों की सेना एक महत्वपूर्ण युद्धाभ्यास को अंजाम देने जा रही है। भारत और अमेरिका का यह संयुक्त युद्धाभ्यास अमेरिका में आयोजित किया जा रहा है। इस युद्धाभ्यास में दोनों देशों की सेनाएं मानव रहित हवाई प्रणालियों के इस्तेमाल और इनसे निपटने के तरीकों समेत आधुनिक युद्ध का अभ्यास करेंगी।

'युद्ध अभ्यास 2025' में शामिल होने के लिए भारतीय सैन्य दल अमेरिका रवाना हो चुका है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारतीय सेना की एक टुकड़ी अमेरिका के अलास्का स्थित फोर्ट वेनराइट के लिए रवाना हुई है। यहां यह अभ्यास 1 से शुरू होकर 14 सितम्बर तक चलेगा। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारत और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास 2025' का यह 21वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस अभ्यास में शामिल भारतीय सैन्य दल में मद्रास रेजीमेंट की एक बटालियन से चयनित सैनिकों को रखा गया है। वहीं, अमेरिकी सेना की ओर से आर्टिक वुल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की 11वीं एयरबॉर्न डिवीजन के फर्स्ट बटालियन, 5वीं वीं इन्फैंट्री रेजीमेंट 'बॉबकैट्स' के जवान व अधिकारी भाग लेंगे। दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में सैनिक विभिन्न सामरिक युद्धाभ्यास और कौशलों का अभ्यास करेंगे। इनमें हेलीबोर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों एवं मानव रहित हवाई प्रणालियों का प्रयोग शामिल है।

संकट भूस्खलन से प्रभावित आवागमन से अभी भी फंसे हुए है सैकड़ों फलों से लदे ट्रक

कश्मीर हाइवे बंद होने से कश्मीर के बागवानी क्षेत्र को जबरदस्त नुकसान

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। कई दिनों तक पूरी तरह से स्थगित रहने के बाद, अधिकारियों ने आज श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवश्यक वाहनों की आंशिक आवाजाही की अनुमति दे दी, जबकि सैकड़ों फलों से लदे ट्रक अभी भी फंसे हुए हैं, जिससे कश्मीर के बागवानी क्षेत्र को भारी नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

एसएसपी ट्रैफिक एनएचडब्ल्यू राजा आदिल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उधमपुर-रामबन खंड में भूस्खलन से प्रभावित कई स्थानों पर बहाली का काम चल रहा है। उन्होंने सलाह दी कि हम यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले नियंत्रण कक्ष से मंजूरी का इंतजार करना होगा।

उधमपुर की उपायुक्त सलोनी राय, जिन्होंने बली नाला में स्थिति की समीक्षा की, ने कहा कि भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर मरम्मत कार्य में देरी हुई है। वे कहती थीं कि थोड़े समय के

- **फल मंडियां ऐसे माल से भरी पड़ी हैं जिनकी शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है**
- **बाग तोड़े गए फलों से भरे, जिन्हें भेजा नहीं जा सकता**

व्यवधान के बाद बहाली का काम फिर से शुरू हो गया। आज शाम से, आवश्यक भारी मोटर वाहनों की आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। पर इस सीमित राहत के बावजूद, फल उत्पादक चिंतित हैं। कश्मीर घाटी फल उत्पादक सह विक्रेता संघ के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर कहते थे कि बागोगोशा नाशपाती, गलामस्त और लाल घाला सेब ले जाने वाले 700-800 से ज्यादा ट्रक अभी भी फंसे हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि फल मंडियां ऐसे माल से भरी पड़ी हैं जिनकी शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है। बाग तोड़े गए फलों से भरे हैं जिन्हें भेजा नहीं जा सकता। जब तक फलों के ट्रकों को प्राथमिकता से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाती, उत्पादकों को अपूरणीय क्षति होगी।

एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मानी जाने वाली सोपोर फल मंडी के अध्यक्ष फयाज अहमद मलिक के बकौल, व्यापार लगभग ठप हो गया है। वे कहते थे कि रोजाना 100 से ज्यादा ट्रकों से घटकर अब मुश्किल से 20 रह गए हैं। बागोगोशा जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं इस देरी को बर्दाश्त नहीं कर पाएंगी। अगर राजमार्ग जल्द ही पूरी तरह से बहाल नहीं किया गया, तो बागवानी क्षेत्र को करोड़ों का नुकसान हो सकता है। जबकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कह रहे हैं कि राजमार्ग को खोलने में 20 से 25 दिनों का समय लगेगा और रेल यातायात सामान्य होने में भी इससे अधिक वक्त लगने की शंका है। दरअसल लखनपुर, जम्मू, उधमपुर, नगरोटा और काजीगुंड में ट्रकों और यात्री वाहनों सहित 2,000 से ज्यादा वाहन फंसे हुए हैं। इस बीच, उत्पादकों और व्यापारियों ने सरकार से फलों से लदे ट्रकों को प्राथमिकता से मंजूरी देने की अपील की है और चेतावनी दी है कि लगातार देरी से कश्मीर की सेब अर्थव्यवस्था चर्रमरा सकती है, जो घाटी भर में हजारों परिवारों का भरण-पोषण करती है।

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार 2 सितम्बर 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

वोट चोरी के खिलाफ पूरा विपक्ष एक साथ

बिहार में 17 अगस्त से शुरु हुई वोटर अधिकार यात्रा का समापन कार्यक्रम 1 सितंबर को पटना में हो गया। हालांकि इस समापन से एक नयी शुरुआत देश भर में हो चुकी है जिसमें अपने मताधिकार की रक्षा के लिए जनता स्वत:स्फूर्त खड़ी होती दिख रही है। पटना में समापन के मौके पर उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट में फर्जी मतदाताओं की पड़ताल के प्रकरण को दोहराते हुए कहा कि तब तो केवल एटम बम फटा था, लेकिन उससे भी ताकतवर होता है हाइड्रोजन बम, जो अब फूटने जा रहा है। निश्चित ही कांग्रेस पार्टी ने कई ऐसे और सबूत अब तक एकत्र कर लिए होंगे, जिनके सामने आने से बड़ा धमाका होने वाला है। दो दिन पहले गुजरात में कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने लोकसभा सीट नवसारी और विधानसभा सीट चोरयासी पर जांच का दावा किया है। उन्होंने बताया कि कुल मतदाताओं में करीब 30 हजार फर्जी हैं। जब दो सीटों पर इतनी बड़ी संख्या में फर्जी वोटर हैं, तब इस फर्जीवाड़े का दायरा और कितना बड़ा होगा, यह अनुमान लगाया जा सकता है। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव इसके अलावा लोकसभा चुनावों में भी मतदाता सूची में हेरफेर के इल्जाम श्री गांधी लगा चुके हैं, तो मुमकिन हैं अबकी बार इन्हीं से किसी चुनाव की गड़बड़ी फिर से सामने लाई जाएगी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बिहार में यात्रा समापन पर शामिल हुए और उन्होंने कहा कि वोट चोरी पहले से चल रही थी, पकड़ में अब आई है।

पटना में राहुल-तेजस्वी द्वय के साथ जेएमएम से हेमंत सोरेन, शिवसेना से संजय राउत, एनसीपी से जितेंद्र आव्हाड़, टीएमसी से युसूफ पठान, माकपा से एम ए बेबी, भाकपा से डी राजा और एनी राजा सभी समापन के मौके पर शामिल हुए। इससे पहले एम के स्टालिन, कनिमोझी, अखिलेश यादव, पप्पू यादव तो यात्रा में साथ चले भी हैं। इसके संकेत साफ हैं कि वोट चोरी या एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से नाम काटने का मुद्दा केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का मुद्दा बन चुका है और समूचा विपक्ष इसमें एक साथ भाजपा के खिलाफ खड़ा है। पूरा विपक्ष चुनाव आयोग पर धांधली के एक जैसे इल्जाम लगा रहा है। अभी आम आदमी पार्टी इसमें शामिल नहीं हुई, लेकिन वोट चोरी की शिकायत वह भी करती है और जब संसद से चुनाव आयोग तक विपक्ष का पैदल मार्च हुआ था, तब आप के सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए थे। भाजपा के लिए और नरेन्द्र मोदी की सत्ता के लिए यह अच्छे संकेत नहीं हैं कि विपक्ष पहले से ज्यादा ताकतवर और एकजुट दिखाई दे रहा है।

वैसे तो पूरी यात्रा के दौरान भारी हुजूम उमड़ा रहा, लेकिन समापन के मौके पर न केवल बिहार बल्कि देश के अलग-अलग जगहों से लोग अपने आप पहुंचे थे। गांधी मैदान से अंबेडकर प्रतिमा तक विपक्ष के काफिले को आगे बढ़ने में घंटों लगे क्योंकि तिल रखने की जगह भी नहीं थी। तिरंगे, हरे, लाल, नीले रंग के झंडों से पटना अटा पड़ा था और वहीं बहुत से लोगों ने काले कपड़ों में भी अपनी मौजदूगी दर्ज कराई। लेकिन उनका भी राहुल-तेजस्वी से बैर नहीं था, और न ही नरेन्द्र मोदी की तरह किसी को काले कपड़ों में आने से रोका गया। बल्कि 30 अगस्त को यात्रा के आखिरी दिन भोजपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के 4 कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए थे, तो उन्होंने उन युवकों को पास बुलाकर उनकी बात सुनी थी और बताया था कि श्री मोदी के लिए जो अपशब्द कहे गए, तब वो वहां नहीं थे, न किसी कांग्रेसी ने ऐसा कहा है।

हालांकि भाजपा अब इसे ही मुद्दा बनाने की कोशिश में थी। राहुल की सभा में बिजली काटना, ट्रैफिक जाम करवाना, ये सारे दांव भी भीड़ को रोक नहीं पाए, तो श्री मोदी की दिवंगत मां का मुद्दा खड़ा हो गया। पटना में सदाकत आश्रम पर लाठी डंडों के साथ हमले के बाद सोमवार को भी लखीमपुर खीरी में कांग्रेस मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तोड़-फोड़ मचाई और यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ। इधर राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान के फौरन बाद भाजपा ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें रविशंकर प्रसाद ने उन्हें विपक्ष के नेता की गरिमा का वास्ता दिया। राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाए कि दुनिया में आज तक हाइड्रोजन बम नहीं फूटा, राहुल गांधी इसे फोड़ने की बात कह रहे हैं। जिस हड़बड़ी में भाजपा ने ये प्रेस कांफ्रेंस की और ऐसा लगा कि बिना तैयारी के ही पूर्व कानून मंत्री पत्रकारों को संबोधित करने बैठे थे, उससे जाहिर हो रहा है कि बिहार का माहौल अब भाजपा को डराने लगा है।

वैसे भी चुनाव आयोग पर अब और नए आरोप सामने आए हैं। रविवार को पवन खेड़ा ने बताया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी की 89 लाख शिकायतें चुनाव आयोग को दी गई हैं। क्योंकि इससे पहले चुनाव आयोग ने अदालत में कहा था कि उसके पास शिकायतें नहीं आई हैं। कांग्रेस नेता ने बताया कि चुनाव अधिकारी बूथ एजेंटों से शिकायतें नहीं लेते और व्यक्तिगत शिकायत जमा करने कहते हैं, जो कि संभव नहीं है, क्योंकि लाखों लोग, जिनके नाम वोटर लिस्ट से कट चुके हैं वे चुनाव अधिकारी तक नहीं पहुंच सकते हैं। कांग्रेस ने कहा है कि बूथ एजेंटों ने सभी के आवेदन इकट्ठा कर, जिला अध्यक्षों के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी को जमा करवाए हैं। इस खुलासे से जाहिर है कि चुनाव आयोग तक शिकायत पहुंचाने की कोशिश राजनैतिक दल कर रहे हैं। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति परकला प्रभाकर ने चुनाव आयोग से सवाल किए हैं। क्योंकि पत्रकार श्रीनिवासन रमानी की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बिहार में एसआईआर के तहत तो 65 लाख वोट विभिन्न इलाकों से काटे गए हैं, उनके विश्लेषण पर गंभीर सवाल उठते हैं। जैसे 80 इलाकों में युवा मतदाताओं के मृत्यु के आंकड़े आश्चर्यजनक रूप से सामने आए हैं। 127 इलाकों में वोटर लिस्ट में नाम काटने में लिंगभेद देखा गया है, 1985 इलाके ऐसे हैं, जहां अतार्किक तौर पर मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। 937 इलाके तो ऐसे हैं, जहां सारे मतदाताओं को मृत बताया गया है, 5084 इलाकों में बड़ी संख्या में अनुपस्थित मतदाता दिखाए गए हैं। ऐसी ही कई और अनियमितताओं का खुलासा रिपोर्ट में किया गया है, जिसकी गहन जांच की जरूरत बताई गई है।

इन खबरों से जाहिर है कि वोट चोरी का मुद्दा अकेले राहुल गांधी नहीं उठा रहे हैं, उनके साथ कई लोग चुनाव आयोग से जवाबदेही की उम्मीद कर रहे हैं। भाजपा किस किस को जवाब देगी।

आरएसएस : दोरंगी चाल के सौ साल

आरएसएस के सरसंघचालक, मोहन भागवत ने हाल के दिल्ली के अपने तीन दिन के व्याख्यान के आखिरी दिन, सवालों के जवाब के बहाने से मथुरा और काशी के मंदिर-मस्जिद विवाद के सिलसिले में जो कुछ कहा, संघ की दोरंगी चाल का शास्त्रीय उदाहरण है। भागवत ने अयोध्या, मथुरा और काशी के प्रसंगों को आपस में जोड़ते हुए, चार बातें कहीं, जिनमें ऊपर से देखने पर अंतर्विरोध दिखाई देता है, हालांकि जैसा कि हम आगे देखेंगे, यह वास्तविक अंतर्विरोध नहीं बल्कि आरएसएस की दोरंगी चाल का ही मामला है।

भागवत ने पहली बात यह कही कि आरएसएस ने, अयोध्या में राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद में, मस्जिद की जगह पर ही मंदिर बनाने के आंदोलन में हिस्सा लिया था। उन्होंने न सिर्फ इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने दावा किया बल्कि आंदोलन को शीर्ष तक 'लेकर जाने' जाने का भी दावा किया। इशारा इस आंदोलन को, अयोध्या में बाबरी मस्जिद की जगह पर ही राम मंदिर निर्माण में कामयाबी तक पहुंचाने की ओर था।

भागवत ने दूसरी बात यह कही कि आरएसएस का 'आंदोलन में उतरना' अयोध्या प्रकरण के लिए ही था। अब काशी और मथुरा प्रकरणों में आरएसएस, आंदोलन में नहीं उतरेगा। लेकिन, इसके बाद उन्होंने 'हिंदुओं की भावनाओं' की दुहाई देकर, न सिर्फ काशी तथा मथुरा में मस्जिदों पर हिंदू-दावेदारियों का अनुमोदन कर दिया बल्कि यह कहकर इन मस्जिदों को भी मंदिरों में तब्दील करने के आंदोलनों के लिए आरएसएस के समर्थन के दरवाजे खोलने का भी ऐलान कर दिया कि हिंदू होने के नाते आरएसएस के स्वयंसेवक और उसके साथ जुड़े संगठन भी, इन आंदोलनों में शामिल हो सकते हैं। यही भागवत की तीसरी बात थी, जिसका आशय यह है कि आरएसएस, औपचारिक रूप से तो इन आंदोलनों की अगुआई नहीं करेगा, लेकिन उसकी सेनाएं इन आंदोलनों में हिस्सा लेने के लिए स्वतंत्र होंगी।

भागवत सामान्य रूप से अब काशी तथा मथुरा की मस्जिदों के मंदिरों में परिवर्तन की मांग के आंदोलनों के लिए, आरएसएस की कतारों के लिए दरवाजे खोलने पर ही नहीं रुक गए। उन्होंने मुसलमानों के सामने, हिंदुओं के आग्रह को देखते हुए, इन दोनों मस्जिदों पर अपना दावा 'छोड़ देने' की मांग भी रख दी। और यह मांग की जा रही थी, 'भाईचारे' की खातिर! मुसलमानों से कहा जा रहा था कि कुल तीन धार्मिक स्थलों का ही तो सवाल है, 'भाईचारे' की खातिर कम से कम इतनी कुर्बानी तो वे दे ही सकते हैं! यह मांग तो बिल्कुल उचित या रीजनेबल है। जैसे इस मांग के रीजनेबल होने की ही पुष्टि करने के लिए, भागवत ने इसी सिलसिले में अपनी चौथी बात कही—हर जगह मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने की हमें जरूरत नहीं है। यह आखिरी बात, संघ प्रमुख पहले भी एक से ज्यादा मौकों पर कह चुके थे और उसे ही एक बार और दोहरा रहे थे।

एक ही विषय में और एक साथ कही गयीं, आरएसएस के मुखिया की उक्त चार बातों को जोड़कर देखा जाए तो क्या अर्थ निकलता है? क्या यह कि राम मंदिर के आंदोलन के विपरीत, काशी की ज्ञानवापी और मथुरा की ईदगाह मस्जिद के मामले में, आरएसएस आंदोलन का हिस्सा नहीं बनेगा, जैसी कि कई दैनिकों तथा समाचार चैनलों ने सुर्खी लगायी है। बेशक, प्रकटत: यह कहा जा रहा था, लेकिन इसके साथ ही कुछ और भी कहा जा रहा था, जो इसका विरोधी अर्थ दे रहा था। यह स्पष्ट किया जा रहा था कि आरएसएस की सेनाएं उक्त मस्जिदों को मंदिरों में तब्दील करने के आंदोलनों में शामिल होंगी। इतना ही नहीं, आरएसएस की ओर से उक्त आंदोलनों को न सिर्फ उचित ठहराया जा रहा था बल्कि मुसलमानों को ही समझाया जा रहा था कि उनका उक्त धार्मिक स्थलों पर अपना दावा 'छोड़ देना' ही उचित या रीजनेबल होगा।

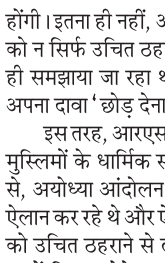

राजेंद्र शर्मा

याद दिला दें कि अयोध्या मामले में अदालती फैसले के बाद आरएसएस की ओर से बार-बार यह कहा गया था कि वह अब और ऐसे किसी आंदोलन को समर्थन नहीं देगा। इसके बावजूद, पिछले साल के दौरान न सिर्फ आरएसएस समर्थित ग्रुपों/ व्यक्तियों ने काशी और मथुरा के विवादों को बहुत बढ़ा दिया था, बल्कि पिछले साल के आखिरी तथा इस साल के शुरू के महीनों में संभल की शाही मस्जिद से लेकर, अजमेर शरीफ की दरगाह तक, आधा दर्जन से ज्यादा मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर 'नये विवाद' छेड़े जा चुके थे, जो तब तक सुर्खियों में बने रहे, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने उन पर अंकुश नहीं लगा दिया।

इस तरह, आरएसएस मुखिया एक ही सांस में एक साथ, मुस्लिमों के धार्मिक स्थलों पर, हिंदू दावेदारी के आंदोलनों से, अयोध्या आंदोलन के बाद खुद को अलग रखने का भी ऐलान कर रहे थे और ऐसे हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक आंदोलनों को उचित ठहराने से लेकर, आरएसएस के स्वयंसेवकों के उनमें हिस्सा लेने तक का अनुमोदन भी कर रहे थे। दूसरे शब्दों में आरएसएस प्रकटत: दिखावा तो इसका कर रहा था कि अयोध्या प्रकरण बहुत हुआ, अब वह इस तरह के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक आंदोलनों का हिस्सा नहीं बनेगा, जिनसे समाज में विभाजन बढ़ता है। पर वास्तविक व्यवहार में वह इन्हीं बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक आंदोलनों को बढ़ावा देने के रास्ते पर चल रहा था।

वास्तव में यही दोरंगापन, उनके यह कहने के भी पीछे देखा जा सकता है कि, हरेक मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने की जरूरत नहीं है! भागवत अगर हरेक मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने की प्रवृत्ति को सचमुच देश और समाज के लिए नुकसानदेह मानते होते, तो उन्हें धार्मिक स्थल कानून के पालन का समर्थन करने से किस ने रोका था, जो अयोध्या मामले को छोड़कर, अन्य धार्मिक स्थलों को लेकर ठीक ऐसी ही मांगों पर रोक लगाने के लिए, बनाया गया था और बाकायदा देश का वैध कानून है। सच्चाई यह है कि भागवत और उनके संगठन के इस तरह के बयान, अपनी मूल भूमिका को बनाए रखते हुए, आम लोगों के बीच, जिनका अभी उस हद तक सांप्रदायीकरण नहीं किया जा सका है, स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए दिखावे के लिए ही होते हैं और उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना जा सकता है।

याद दिला दें कि अयोध्या मामले में अदालती फैसले के बाद आरएसएस की ओर से बार-बार यह कहा गया था कि वह अब और ऐसे किसी आंदोलन को समर्थन नहीं देगा। इसके बावजूद, पिछले साल के दौरान न सिर्फ आरएसएस समर्थित ग्रुपों/ व्यक्तियों ने काशी और मथुरा के विवादों को बहुत बढ़ा दिया था, बल्कि पिछले साल के आखिरी तथा इस साल के शुरू के महीनों में संभल की शाही मस्जिद से लेकर, अजमेर शरीफ की दरगाह तक, आधा दर्जन से ज्यादा मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर 'नये विवाद' छेड़े जा चुके थे, जो तब तक सुर्खियों में बने रहे, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने उन पर अंकुश नहीं लगा दिया। ये सारे 'नये विवाद' आरएसएस प्रमुख के यह कहने के बाद छेड़े गए थे कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने की जरूरत नहीं है।

यह दोरंगापन, जिसे आरएसएस की स्थापना के सौ साल होने के मौके पर आयोजित अपने विशेष समारोही और प्रचाराकांक्षी व्याख्यान में भागवत ने एक प्रकार से प्रमुखता से प्रदर्शित किया है, इस सौ साल की यात्रा में आरएसएस की मुख्य पहचान ही बना रहा है। सभी जानते हैं कि सौ साल पहले, जब आरएसएस की स्थापना हुई थी, उसके पीछे असली मकसद हिंदू-जागरण के नाम पर, सामाजिक रूप से ऊंचे तबकों के पीछे, निचले तबकों को गोलबंद करना था, ताकि मुसलमानों के खिलाफ एक प्रहारक शक्ति खड़ी की जा सके। लेकिन, आरएसएस यह काम हिंदू-राष्ट्रवाद का स्वांग धरकर करता था, जबकि उसके सारे काम, वस्तुगत रूप से भी और मनोगत रूप से भी, ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ देश में चल रही राष्ट्रवाद की प्रबल लहर के खिलाफ थे।

हैरानी की बात नहीं है कि अपनी स्थापना के बाद, देश को आजादी मिलने तक, दो दशक से ज्यादा में आरएसएस ने न सिर्फ राष्ट्रीय आंदोलन से सचेत रूप से अपने आप को अलग रखा था, उसकी पूरी ताकत राष्ट्रीय आंदोलन और उसके मुख्य आधार के रूप में हिंदू-मुस्लिम एकता को कमजोर करने पर ही लगी रही थी। और देश के आजाद होने के बाद, अपनी सांप्रदायिक विभाजनकारी मुहिम को, पूरे भारत पर काबिज होने के रूप में परवान चढ़ाने के लिए, आरएसएस के विचार परिवार के ही लोगों ने, हिंदू-मुस्लिम एकता के सबसे मुखर प्रतीक, महात्मा गांधी की हत्या कर दी। इसके बाद ही, पहली बार सरदार पटेल द्वारा देश के गृहमंत्री की हैसियत से आरएसएस पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात सभी जानते हैं। बाद में यह पाबंदी हटाई जरूर गयी, लेकिन आरएसएस से इसका वचन लेने के बाद ही कि वह देश की राजनीति से दूर रहेगा तथा एक सांस्कृतिक संगठन के रूप में ही काम करेगा और देश के संविधान के अनुसार काम करेगा। लेकिन, आरएसएस ने ईमानदारी से पटेल से किए गए वादों को पूरा करने के बजाए, इसे बाकायदा एक दोरंगी चाल के मौके में तब्दील कर लिया। पहले जनसंघ तथा बाद में भाजपा के रूप में राजनीतिक मोर्चा खोलकर, उसके माध्यम से आरएसएस ने बढ़ते पैमाने पर सीधे राजनीति करना भी जारी रखा और राजनीति से दूर रहने का पाखंड करना भी।

2014 के बाद से मोदी निजाम में भागवत और उनके आरएसएस ने सांस्कृतिक संगठन का अपना चोला ज्यादा से ज्यादा उतार दिया है और व्यवहार में अन्य साधनों से नहीं बल्कि बढ़ते पैमाने पर सीधे-सीधे राजनीतिक साधनों से राजनीति करना शुरू कर दिया है। इसके बावजूद, अपने मूल स्वभाव के अनुरूप आरएसएस ने अपने गैर-राजनीतिक होने का स्वांग भी पूरी तरह से छोड़ा नहीं है, जैसा कि भागवत ने अपने व्याख्यान में भी संकेत दिया। लेकिन, इस स्वांग की हकीकत भी उन्होंने खुद ही भाजपा के अध्यक्ष के चुनाव में लग रही देरी पर, अपनी इस तंजिया टिप्पणी से उजागर कर दी कि आरएसएस अगर भाजपा के लिए फैसले कर रहा होता, तो इस चुनाव में इतनी देरी नहीं लगती। क्या यह इसी की शिकायत नहीं थी कि भाजपा के अध्यक्ष के चुनाव में आरएसएस की ही क्यों नहीं चल रही।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

शहरी जीवन की चुनौती : जन-स्वास्थ्य, पशु कल्याण और संतुलित सह-अस्तित्व

■ अरुण डनायक

सुप्रीम कोर्ट ने किसी याचिका पर नहीं, बल्कि अपने स्तर परस्वत: संज्ञान लिया। वजह थी दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या, इनके काटने की घटनाओं और रेबीज़ जैसी घातक बीमारी से मौतों में इज़ाफ़ा। अदालत के सामने रखे गए आंकड़े चौंकाने वाले थे—2024 में देशभर में 37 लाख से अधिक कुत्ता काटने के मामले दर्ज हुए, दिल्ली में रोज़ औसतन 2000 घटनाएं, और वैश्विक रेबीज़ मौतों में भारत की हिस्सेदारी 36प्रतिशत। सुप्रीम कोर्ट ने दो सप्ताह के अन्दर जो फैसला सुनाया उस पर दो मत उभरे—एक, इसे जनता के लिए राहतकारी मानने वाला; दूसरा, इसे बेजुबानों पर क्रूरता कहने वाला।

शहरी और ग्रामीण भारत में केवल आवारा कुत्ते ही नहीं, बल्कि आवारा गाय, भैंस, बकरी, सुअर, बंदर, यहां तक कि मधुमक्खियों और कबूतरों तक ने जनजीवन को प्रभावित किया है। शहरों में गाय और भैंस सड़क पर बैठकर यातायात बाधित करती हैं। अचानक बीच सड़क पर दौड़ पड़ना, वाहनों से टकराना, या कूड़े के ढेर से प्लास्टिक खाना, यह आम दृश्य है। ग्रामीण इलाकों में खेतों में घुसकर फसल चौपट करने की समस्या भी गंभीर है। मधुमक्खियां एक ओर परागण और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं, लेकिन कभी-कभी झुंड बनाकर बाजार, स्कूल या सरकारी दफ्तर में घुस आती हैं और डंक मारने से गंभीर हादसे हो जाते हैं। कबूतर बालकनियों, छतों और सरकारी इमारतों में स्थायी ठिकाना बना चुके हैं। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, भोपाल और जयपुर जैसे शहरों में कबूतरों की बढ़ी हुई संख्या अब उनकी पहचान बन गई है। इनका मल न केवल इमारतों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि दमा, एलर्जी और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का कारण भी बनता है।

समस्या के समाधान के लिए संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। जन-सुरक्षा और पशु-कल्याण को एक साथ साधना असंभव नहीं है। इसके लिए कुछ ठोस कदम जैसे नगर निगमों को पर्याप्त फंड, स्टाफ और उपकरण देकर आवारा पशुओं की नसबंदी और टीकाकरण उठाने होंगे, बड़े निजी संस्थानों, एनजीओ और पशु कल्याण संगठनों को इस कार्य में शामिल किया जाए।

गाय, भैंस और कुत्ते तो सभ्यता के आरंभ से ही मनुष्य के साथी रहे हैं, पर कबूतरों का योगदान भी उल्लेखनीय है। माना जाता है कि 776 ईसा पूर्व में पहले ओलंपिक के परिणाम और नेपोलियन की वाटरलू में हार की खबर सबसे पहले कबूतरों ने ही पहुंचाई थी। भारत में अकबर के समय वे संदेशवाहक और कबूतरबाजी मनोरंजन दोनों के साधन थे, और आधुनिक फिल्मों में भी उनकी इसी क्षमता पर कई गीत रचे गए हैं।

ये सभी समस्याएं वर्षों से हैं, लेकिन इन्हें हल करने के बजाय हमने सहने की आदत डाल ली है—जब तक कोई हादसा न हो, तब तक व्यवस्था 'सक्रिय' नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट का कुत्तों पर स्वत: संज्ञान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल है—क्या बाकी समस्याएं कम गंभीर हैं?

न्यायपालिका का यह दायित्व है कि वह नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करे, लेकिन जब ऐसे मुद्दों पर अदालत को स्वत: संज्ञान लेना पड़ता है, तो यह कहीं न कहीं कार्यपालिका की निष्क्रियता का संकेत भी है। जन-स्वास्थ्य और जन-सुरक्षा के मुद्दे पर प्राथमिक जिम्मेदारी नगर निगम, राज्य सरकार और केंद्र सरकार की है। कुत्तों का मामला लें—क़ानून पहले से मौजूद हैं। एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स के तहत नगर निकायों को आवारा कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और पुनर्वास करना है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि नसबंदी की दर बेहद कम है। प्रशिक्षित कर्मचारियों और पशु चिकित्सकों की कमी है। शेल्टर होम सीमित हैं और उनमें भी अक्सर उचित देखभाल के संसाधन नहीं। फंड की कमी और भ्रष्टाचार के कारण योजनाएं अधूरी रह जाती हैं। यही स्थिति आवारा गाय-भैंस और कबूतर नियंत्रण के प्रयासों में भी है।

हमारे समाज में पशुओं के प्रति गहरी भावनात्मक और धार्मिक संवेदनाएं जुड़ी हैं। गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, कबूतरों को दाना डालना पुण्य का कार्य माना जाता है, कुत्ते को वफादारी का प्रतीक समझा जाता है। मधुमक्खी शहद और परागण के लिए उपयोगी मानी जाती है। लेकिन जब भावनाएं व्यावहारिकता पर हावी हो जाती हैं, तो समस्याएं बढ़ने लगती हैं। उदाहरण के लिए—आवारा गायों को गौशालाओं में रखने के लिए पर्याप्त भूमि और संसाधन नहीं जुटाए जाते। कुत्तों को पकड़ने और नसबंदी करने की कोशिशों का विरोध स्थानीय स्तर पर हो जाता है। कबूतरों को दाना डालने की परंपरा के कारण उनकी संख्या असंतुलित रूप से बढ़ जाती है।

समस्या के समाधान के लिए संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। जन-सुरक्षा और पशु-कल्याण को एक साथ साधना असंभव नहीं है। इसके लिए कुछ ठोस कदम जैसे नगर निगमों को पर्याप्त फंड, स्टाफ और उपकरण देकर आवारा पशुओं की नसबंदी और टीकाकरण उठाने होंगे, बड़े निजी संस्थानों, एनजीओ और पशु कल्याण संगठनों को इस कार्य में शामिल किया जाए। लोगों को समझाया जाए कि बिना योजना के पशुओं को भोजन कराना उनके लिए भी हानिकारक हो सकता है। गाय, कुत्ते, भैंस, कबूतर—सभी के लिए प्रजाति-विशेष आश्रयस्थल बनाए जाएं। मधुमक्खियों या अन्य अचानक उत्पन्न होने वाली पशु-समस्याओं के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल हों, जो सुरक्षित तरीके से उन्हें हटाए या नियंत्रित करे।

बढ़ती पर्यावरण जागरूकता के साथ सह-अस्तित्व की आवश्यकता और स्पष्ट हो रही है, क्योंकि पशु भी हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न हिस्सा हैं। उनका अस्तित्व न केवल नैतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि व्यावहारिक दृष्टि से भी—मधुमक्खियां, गाय-भैंस ग्रामीण अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं, कुत्ते गार्ड और साथी हो सकते हैं, कबूतर भी जैव विविधता में योगदान करते हैं। लेकिन यह सह-अस्तित्व संतुलित होना चाहिए। जब किसी प्रजाति की बढ़ोतरी मानव और अन्य जीवों के लिए खतरा बने, तो उसका नियंत्रण जरूरी है।अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी का मानना था कि मनुष्यों को हानि पहुंचाने वाले सर्पों और बंदरों के विरुद्ध की जाने वाली कार्रवाई हिंसा नहीं है। यह नियंत्रण विज्ञान, नीति और समुदाय की सहभागिता से आना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का स्वत: संज्ञान एक चेतावनी है—कि हम समस्याओं को तब तक टालते हैं जब तक वे अदालत के दरवाजे तक न पहुंच जाएं। चाहे आवारा कुत्ते, सड़क पर गाय-भैंस, बालकनियों के कबूतर या उड़ते मधुमक्खियां—ये सब हमारी साझा जिम्मेदारी हैं। समाधान तभी संभव है जब सरकार, कार्यपालिका, न्यायपालिका, पशुपालक, और आम जनता सब मिलकर काम करें। हमें यह तय करना होगा कि हम केवल भावनाओं के आधार पर प्रतिक्रिया देंगे या विवेक और व्यावहारिकता के आधार पर निर्णय लेंगे। क्योंकि अंतत:, एक ऐसा शहर ही आदर्श है जहां इंसान न डर में जिए, न पशु भूख और असुरक्षा में। सह-अस्तित्व का अर्थ यही है—सम्मान और संतुलन, न कि टकराव और असहजता।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता और समाज सेवी हैं)

आपके पत्र

निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनियो के बीच समन्वय की कमी से इलाज में मुश्किलें

बीमा धारक उपभोक्ता यह सोचते हैं कि आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल में भर्ती होकर इलाज करवा लेंगे और उनके इंश्योरेंस का खर्च कम्पनी उठाएगी। लेकिन अब मरीजों की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही है। पहले मरीज निश्चिंत होकर अपना इलाज पैसे के अभाव में करा सकते थे। लेकिन प्राइवेट अस्पतालों में पहले पैसे डिपॉजिट करवा कर इलाज करवाना होगा। दरअसल भारतीय बीमा विनिमायक और विकास प्राधिकरण भी कैशलेस इलाज को बढ़ावा देता है। निजी अस्पतालों के संगठन और केयर हेल्थ इंश्योरेंस कम्पनियों द्वारा कैशलेस सुविधा उपलबन्ध नहीं कराने और सितम्बर महीने से कैशलेस सुविधा खत्म करने का नोटिस जारी किया है। हालांकि पैनल में शामिल अस्पतालों में इलाज जारी रहेगा। लेकिन इंश्योरेंस और निजी कम्पनियों के बीच चल रहे विवाद के बीच यह अनुमान लगाया जा रहा है कि निजी अस्पताल मुफ्त इलाज के लिए मरीज को मना भी कर सकते हैं। उस समय अस्पतालों पर आधारित मरीजो के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। चिकित्सक की फीस और कमरे के किराए पर सहमति बनती है तो निजी अस्पताल और बीमा कम्पनी के बीच बढ़ रहे झगड़े के स्वरूप को समाप्त किया जा सकता है। इंश्योरेंस कंपनियों का दावा है कि अस्पताल खर्च बढ़ा-चढ़ा कर पेश कर रहे हैं जिससे वित्तीय दबाव बढ़ रहा है। जबकि अस्पतालों का कहना है कि 14 प्रतिशत महंगाई दर बढ़ रही है। लेकिन इन्श्योरेंस कम्पनियां दर बढ़ाने के लिए सहमत नहीं है। निजी अस्पताल और इंश्योरेंस कम्पनियों के बीच विचारभेद और खर्च को लेकर छिड़े विवाद का समाधान नहीं होता है, तब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं। वैसे भी निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनियों के बीच इलाज का समझौता होता है। ऐसॉ कोई कानूनी प्रावधान नहीं है कि निजी अस्पताल इलाज करने से मना नहीं कर सकता है। निजी अस्पताल इलाज के लिए बाध्य नहीं है और अस्पताल अगर इलाज के लिए मरीजों को मना करता है तो गरीब वर्ग के लिए यह चुनौती से कम नहीं होगा। स्वास्थ्य बीमा एक बड़ा निवेश है। वितीय तंगी से परिवार को बचाता है। बीमा धारक अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद के खर्चों के लिए कवरेज प्रदान करता है। डेकेयर उपचार,अंग प्रत्यारोपण, नैदानिक और मातृत्व और नवजात शिशु देखभाल और मरीजों के भर्ती होने से पूर्व और बाद के खर्च कवरेज करते है। बीमा कम्पनियों के पास से खरीदा जाता है और लाभ पैकेज के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। लिहाजा,हर बीमारी के परीक्षण के बाद चिकित्सक यह कहते सुना गया है कि आपने मेडिक्लेम करवा रखा है? लेकिन निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनी के बीच खर्च को लेकर बढ़ते विवाद के बीच मरीज असहज महसूस करने लगा है। मरीजों के साथ अन्याय होने का भय सता रहा है। अगले महीने निजी अस्पताल इलाज के लिए मना करते हैं तो मरीजों के विश्वास को धक्का लगने की पूर्ण सम्भावना है। सरकारी योजनाओं में सेंध लगाने वाले हर समय ताक में रहते हैं। एजेंट को फायदा नहीं होता है तो मरीज को गुमराह कर देते हैं। गरीबों के लिए चलाई जाने वाली योजनाएं इसलिये लक्ष्य हासिल नहीं कर पाती है कि उसमें अनियमितता की दर सबसे अधिक देखी जाती है। सरकारें इस हकीकत से अंजान नहीं है। आयुष्मान योजना के शुरुआती दौर में एक पैन पर दो नाम पंजीकरण पाए गए। लेकिन उसके बाद विभाग भी सचेत हो गया था। लाभार्थियों के सत्यापन में पुख्ता तरीका नहीं अपनाया गया था। अब हर वर्ष व्यक्ति के आधार से सत्यापन किया जा रहा है। इसमें यह ज्ञात हो जाता है कि कार्डधारक ही सही व्यक्ति है जिसको सरकारी लाभ मिलना ही चाहिए।

कांतिलाल मांडोत,सूरत

ललित सुरजन की कलम से

लोकपाल की आड़ में

'लोकपाल विधेयक पर चर्चा चलते हुए तीन माह पूरे हो गए। इतने समय में जनता को शायद यह समझ आ गया होगा कि लोकपाल बनने या न बनने से उसका कोई भला होने वाला नहीं है।'

'यह सारा व्यायाम, उन दूसरे प्रश्नों से जो कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकते थे, उसका ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। पिछली जुलाई से अब तक के घटनाचक्र पर एक सरसरी निगाह डालें तो एक के बाद एक जुडी कड़ियां सामने आने लगती हैं। सबसे पहले राष्ट्रमण्डल खेलों का घोटाला सामने आया, उसे खूब उछाला गया। एक तरफ सुरेश कलमाड़ी और उनके कुछ सहयोगी जेल भेजे गए तो दूसरी तरफ देश की सर्वोच्च संस्था यानी संसद की व्यवस्था कैसे पंगु बनाई जा सकती है, यह भी समझ में आया। पहले तो लोकलेखा समिति और संयुक्त संसदीय समिति का विवाद चलते रहा, फिर लोकलेखा समिति में ही मतभेद अभूतपूर्व ढंग से सामने आए। समिति के अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी की रिपोर्ट को लोकसभा अध्यक्ष ने ही खारिज कर दिया। अब जेपीसी रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।'

(30 जून 2011 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/04/13_23.html

पावन प्रसंग

सबके प्रति मन में रखें सम्मान भाव

प्रत्येक व्यक्ति के मन में ध्यान प्राप्त करने की लालसा होती है। सम्भान न भी मिले तो भी कोई अपभान तो नहीं ही सहना चाहता। छोटे बच्चों का भी यदि बार-बार अपघात होता है. तो वे भी अत्यंत दु:खी हो जाते हैं. फिर बड़े एवं समझदार लोगों की बात ही क्या है? यदि किसी कारणवश या भूलवश किसी का अपमान हो जाता है. तो उसके मन में को दु:ख पैदा होता है, वह उसे हमेशा बिच्छू के डंक की तरह चुभता रहता है। अत: सच्चा सम्मान प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को शिष्टाचार के कुछ नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। इसके बाद भी यदि अपमान मिलता है, तो उसे भगवान की कृपा प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए क्योंकि उससे व्यक्ति का कोई अहित नहीं होगा, बल्कि उसमें भी कोई न कोई हित लिखा होगा। हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारा केवल कर्म पर अधिकार है, जो हमें मिल रहा है उस पर नहीं। हमारे जैसे पूर्व कर्म होंगे, उनका ही परिणाभ हमें भुगतना पड़ता है। अत: पूरे विश्वास के साथ सत्कर्म करना चाहिए।

दूसरों से सम्मान प्राप्त करने के लिए सबसे पहले बिना किसी कारण के ही सबके प्रति मन में सम्मान का भाव रखना चाहिए। किसी का कभी अपमान या तिरस्कार नहीं करना चाहिए, सबसे मीठा बोलना चाहिए। जो भी व्यक्ति स्वयं से उम्र. पद या अधिकार में छोटे हों. उनके साथ व्यवहार करने में भी उनके सम्मान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

हमेशा सत्य बोलना चाहिए, लेकिन अप्रिय सत्य एवं प्रिय झूठ नहीं बोलना चाहिए और ऐसा सत्य भी नहीं बोलना चाहिए, जिससे किसी का अहित हो। अनावश्यक झूठ तो कदापि नहीं बोलना चाहिए, लेकिन सामूहिक हित या किसी के गंभीर संकट को टालने के लिए बोला गया झूठ गलत नहीं होता। बोलते समय सोच-समझकर ही बोलना चाहिए या चुप रहना चाहिए। जब ऐसा प्रतीत हो कि परिस्थिति हमारे पक्ष में या हमारे हित में नहीं है, तो यथासंभव मौन रहना चाहिए। पलटकर जवाब देने से बात बिगड़ने की संभावना ज्यादा होती है। प्राय: ऐसी परिस्थिति में व्यक्ति का अपने ऊपर से नियंत्रण समाप्त हो जाता है और वह कुछ भी बोलने लगता है। अत: सावधानी रखनी चाहिए।

जहां तक संभव हो, वहां तक अपने वचन का पक्का होना चाहिए। इसलिए जिस किसी भी व्यक्ति से जो भी कहें, उसमें पूरी सतर्कता बरतें और जो कहें, उसका पालन करें। यदि किसी कारणवश अपनी कही गई बात को पूरा न कर सकें, तो उसे समय पर सूचित कर दें, क्योंकि इसी वचनबद्धता के माध्यम से दूसरे व्यक्तियों पर या स्वयं पर विश्वास पनपता है। बातचीत में एक बात यह भी ध्यान रखनी चाहिए कि जो कार्य करने की सामर्थ्य व्यक्ति में न हो, उसे पूरा करने का वचन नहीं देना चाहिए; विनम्रतापूर्वक उसके लिए अपनी असमर्थता स्वीकार कर लेनी चाहिए।

-युग निर्माण योजना

देशबन्धु संस्कारधानी
5 बिलासपुर
मंगलवार, 2 सितम्बर 2025

उल्टा पुल्टा

टीचर ने बच्चे की कॉपी पर नोट लिखकर भेजा- कृपया बच्चों को नहला कर भेजा करें। जवाब में बच्चे की माँ ने लिखा- कृपया बच्चों को पढ़ाया करें सूंघा न करें ।

संपादकीय

तेलवाहक टैंकरों से रहें दूर

वैसे तो विभिन्न तेल कम्पनियों द्वारा पेट्रोल-डीज़ल जैसे ज्वलनशील पदार्थों को लेकर जाने वाले टैंकरों पर इसकी सूचना साफ लिखी होती है तथा अन्य वाहन चालकों के लिये सुरक्षित दूरी बनाये रखने की स्पष्ट चेतावनी भी लिखी होती है, लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि रास्तों में इन टैंकरों के आसपास चलते अन्य वाहनों के चालक इस चेतावनी को नज़रंदाज़ कर देते हैं जो बड़े हादसों को आमंत्रण देने जैसा होता है।

देश के कई हिस्सों में ऐसा हुआ भी है कि इन तेलवाहक टैंकरों के किसी अन्य वाहन से टकराने अथवा पलटने से उनमें आग लग जाती है। इनकी चपेट में अन्य वाहन भी आ जाते हैं। ऐसी कई दुर्घटनाओं में लोग या तो झुलसते हैं अथवा मारे जाते हैं। छत्तीसगढ़ के या यहां से होकर दूसरे राज्यों में स्थित पेट्रोल पम्पों में ईंधन सप्लाई के लिये जाने वाले टैंकरों से सावधान रहने की आवश्यकता है। बेहतर है कि ऐसे टैंकरों से पर्याप्त दूरी बनाकर रखी जाये। राज्य में ऐसे हादसे हो चुके हैं जिनमें लोगों की जानें तक गयी हैं।

बलौदाबाजार जिले के पलारी विकासखंड के तहत आने वाले सेमरिया व ओडान के बीच लवन-खरतोरा हाईवे पर शनिवार की दोपहर को डीज़ल ले जाता हुआ एक टैंकर पलट गया। बताया गया है कि एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में टैंकर पलटी हुआ। इसके साथ ही उसमें आग लग गयी। ड्राइवर जान बचाने में कामयाब रहा लेकिन 12 हजार लीटर तेल जलकर स्वाहा हो गया जिसकी कीमत लगभग 12 लाख रुपये बतलाई गयी है। आग की भयावहता इतनी अधिक थी कि उसके नज़दीक जाने की कोई हिम्मत न कर सका तथा धुंवा चार किलोमीटर दूर से देखा गया। बाद में मलबे को जेसीबी से हटाना पड़ा। लगभग 6 माह पूर्व पलारी के ही कोदवा में एक टैंकर किसी वाहन से टकरा गया था। तब भी ऐसी भीषण आग लगी थी जिसकी लपट से तीन लोग जिंदा जल गये थे। उसके भी पहले गोड़ा के पास तेल के टैंकर में लगी आग से दो लोग मारे गये थे।

ज्यादातर टैंकर सम्बन्धी दुर्घटनाएं इसलिये होती हैं क्योंकि तरल पदार्थ से भरे ऐसे वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं। टैंकरों के ड्राइवर तो अपनी ओर से बेहद सावधानी बरतते हैं लेकिन पेट्रोल-डीज़ल से भरे टैंकरों का वजन तथा द्रव्य की हिलने की प्रवृत्ति उनके काम को बहुत मुश्किल बना देती है। अन्य वाहन चालक, चाहे बाइक सवार हों या कारें अथवा अन्य व्यवसायिक वाहन चालक- उनकी मुश्किलों से पर्याप्त अवगत नहीं होते। इसलिये कोई उनके नज़दीक चलता है तो कोई उन्हें ओवरटेक करता है। यदि सामने अचानक आये किसी वाहन को बचाने के लिये तत्काल ब्रेक लगाना पड़ जाये तो टैंकरों का पलटना लाजिमी है। इसलिये तेल के टैंकरों से दूरी बनाये रखें ताकि सभी सुरक्षित रह सकें।

मां का अपमान अब कांग्रेस की पहचान-धरमलाल कौशिक

कांग्रेस भाषा की मर्यादा खोती जा रही है,बिहार की जनता इसका जवाब देगी

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। बिहार में आयोजित राहुल गांधी कि सभा में एक शख्स द्वारा प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी किए जाने को लेकर भाजपा में आक्रोश है ।इसी संबंध में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा है कि दरभंगा की एक सभा में जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस और राजद की जनसभा में बिलोद बेल्ट जाकर अभद्र और अमर्यादित भाषा प्रधानमंत्री के सर्वोच्च पद पर बैठे श्री मोदी व उनकी स्वर्गस्थ माताजी को लेकर प्रयुक्त की गई, मंच से अश्लील गाली-गलौज की गई, उसकी पूरा देश कटु निन्दा कर रहा है। श्री कौशिक ने कहा कि दुनिया के किसी भी लोकतांत्रिक देश में अपने विरोधियों के प्रति इस तरह अभद्र भाषा व अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया जाता, जैसा भारत के विपक्षी दल कर रहे हैं।

लखीराम ऑडिटोरियम में में आहूत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि समय-समय पर कांग्रेस के अन्य नेताओं के भी मुख से इस तरह की अभद्र भाषा बोली गई है। उन्हें सोनिया गांधी ने मौत का सौदागर बताकर इस अभद्रता की शुरुआत की और अब वह इस निम्न स्तर पर आ पहुँची है। प्रधानमंत्री श्री मोदी पिछड़ा वर्ग से आते हैं और उनकी जाति का अपमान करने की दृष्टि से राहुल गांधी, और कई बार उनके नेताओं ने अपमानजनक बातें कही। हाल ही एक सभा में राहुल गांधी प्रधानमंत्री श्री मोदी को 'तू' कहकर संबोधित कर रहे थे। 'तू-तड़ाक' की भाषा का उपयोग करने से पहले राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि वह पहली बार लोकसभा में लीडर ऑफ अपोजीशन बने हैं। लेकिन अपने भाषणों में जिस तरह के शब्दों का चयन वह कर रहे हैं, राजनीतिक क्षेत्र में उन शब्दों के प्रयोग की कतई गुंजाइश नहीं है। श्री कौशिक ने कहा कि लोकतंत्र में जनता-जनार्दन सर्वोपरि होती है और बिहार की जनता निश्चित रूप से इस अभद्रता, अश्लीलता का माकूल जवाब देगी।

देश की सेना, संवैधानिक संस्थाओं, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, चुनाव आयोग से लेकर किसी भी संवैधानिक संस्थाओं को लेकर विपक्ष देश में विश्वास का संकट पैदा करके विदेशी ताकतों के इशारे पर अराजकता के अपने एजेंडे पर अमल कर रहा है। राजनीति का यह ट्रेंड राजनीति को कलुषित और दूषित करने का काम लगातार कर रहा है। यह अत्यंत निंदनीय है। कांग्रेस ने गलत नैरेटिव सेट करने की परंपरा बना रखी है।

लोकसभा से लेकर सड़क तक राहुल गांधी समेत कांग्रेस समर्थक दलों के आचरण को पूरा देश और दुनिया देख रही है। राजनीति को इतने नीचे स्तर पर ले जाकर देश की आने वाली पीढ़ी को राजनीति में अपशब्दों के प्रयोग और अव्यावहारिक बातें करने का संदेश देकर पूरे देश में कलुषित वातावरण तैयार करने का काम कांग्रेस व कांग्रेस समर्थक दल कर रहे हैं।

पत्रकार वार्ता में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा अभिकरण के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी बिलासपुर जिला ग्रामीण के अध्यक्ष मोहित जायसवाल बिलासपुर जिला शहर के अध्यक्ष दीपक सिंह भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष गुलशन ऋषि मीडिया के प्रभारी प्रणव शर्मा के के शर्मा सह प्रभारी दुर्गेश पांडे सोशल मीडिया संयोजक देवेश खत्री मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र यादव मौजूद थे।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हुईं बिलासपुर की दो गाइड्स

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रपति पुरस्कार वितरण समारोह में जिले की दो गाइड्स कु. बी. हर्षिणी बिलासपुर एवं मुस्कान मैत्री सेंट जोसेफ कॉन्वेंट कन्या उच्च.माध्य. को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह प्रमाण पत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर से जारी किया गया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा आयोजित इस समारोह में केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पुरस्कार वितरित किए। छत्तीसगढ़ के 20 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स का दल राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव के मार्गदर्शन में इस समारोह में सम्मिलित हुए।

छत्तीसगढ़ राज्य से 2016 से 2021 तक कुल 54 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ है। बिलासपुर जिले की उपलब्धि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय बनी। इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, सांसद एवं राज्य अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल तथा मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के.के. खंडेलवाल सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहे। गाइड्स की इस उपलब्धि पर जिला मुख्य आयुक्त श्री चन्द्र प्रकाश बाजपेयी, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार टांडे, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) विजय कुमार यादव, गाइड कैप्टन पुष्प शर्मा, बीना यादव एवं जिले के अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

सार-संक्षेप

प्रगतिशील युवा स्वर्णकार समाज ने तीज महोत्सव का किया आयोजन

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। प्रगतिशील युवा स्वर्णकार समाज बिलासपुर के द्वारा रविवार 31 अगस्त को तीजा के उपलक्ष्य में स्वजातीय मातृशक्ति को समर्पित तीज महोत्सव कार्यक्रम का बहुत ही शानदार और सफल आयोजन शिव- पार्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस में समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। समाज के सभी संरक्षक एवं कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने इसे सफल बनाने के लिए तन मन से अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार समाज के अध्यक्ष नंदू सोनी के द्वारा किया। इस अवसर पर महिलाओं के द्वारा भजन कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। जिसमें श्रेया सोनी , सुनीता सोनी, संगीता सोनी,ईश्वर सोनी दामोदर सोनी ने भाग लिया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं में श्रीमती पद्मा सोनी, श्रीमती कौशिल्या सोनी,श्रीमती संगीता सोनी, श्रीमती ममता सोनी, चंद्रिका सोनी, सुनीता सोनी, प्रतिमा सोनी, दुर्गा सोनी, रत्ना सोनी, सविता सोनी, अचला सोनी, कल्पना सोनी, नेहा सोनी, सुशीला सोनी, पार्वती सोनी, नीलेश्वरी सोनी, करूणा सोनी, कल्याणी पोद्दार, इंद्राणी सोनी, जमुना सोनी, रानी सोनी, रमा सोनी, उमा सोनी, स्मिता सोनी, श्रेया सोनी तथा कार्यकारिणी के डा अरूण पोद्दार,गुना राम सोनी, गोपाल सोनी, गोविन्द सोनी, पवन सोनी, वेद कुमार, शत्रुहन लाल सोनी,भरत सोनी, सी एल सोनी, ईश्वर सोनी, प्रेम सोनी, अनिल सोनी, दामोदर सोनी, पुरुषोत्तम सोनी आदि उपस्थित रहे।

देसी दिवाज़ ग्रुप ने किया तीज मिलन समारोह

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। देसी दिवाज़ ग्रुप की व्यवस्थापिकाएं सुनैना नायर और श्वेता पटेल द्वारा एक निजी होटल में ग्रुप की महिलाओं के साथ मिलकर तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। तीजा तिहार छत्तीसगढ के संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे महिलाएं अपने परिवार एवं समाज से जुड़ती है। इसी कड़ी में यह कार्यक्रम देसी दिवाज़ ग्रुप की तरफ से सभी तिजहारिन बहनों के लिए रखा गया जिसमें सभी ने साथ मिलकर फरहार कर स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम में तीज से जुड़े विभिन्न प्रकार के मनोरंजक गेम्स खेले गए तथा महिलाओं ने प्रभावशाली और आत्मविश्वास से भरा रैम्पवॉक भी किया। कार्यक्रम में विजेताएं समय की पाबंदी विजेता- मनिषा वैष्णव। गेम्स की विजेताएं-मनीषा वैष्णव, शिखा जांगड़े, शीतला चंद्राकर, मीना गुरनानी, निर्मला चंद्रा, स्नेहा श्रीवास्तव। हाउज़ी की विजेताएं- अल्का सिंह, प्रदीप कौर, निमिषा बाटव। दो तीज क्वीन का खिताब भी रखा गया जिनकी विजेताएं मंजू मगर और प्रियंका उपाध्याय रही।

जिला भाजपा शहर के जंबो कार्यकारिणी की घोषणा

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव व भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय की अनुशंसा पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष शहर दीपक सिंह ने अपने कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जिसमें 51 कार्यसमिति सदस्य,14 स्थाई आमंत्रित सदस्य और 30 विशेष आमंत्रित सदस्यों के नाम शामिल हैं जिलाध्यक्ष दीपक सिंह ने बताया कि इस घोषणा के बाद जिला बॉडी की मुख्य टीम बनकर तैयार हो गई इसके पश्चात सात मोर्चा और बीस प्रकोष्ठों की घोषणा शेष रह गई है स्थाई आमंत्रित सदस्यों में जिला के केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ,डिप्टी सीएम अरुण साव ,विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा अभिकरण के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी , महापौर पूजा विधानी,निगम सभापति विनोद सोनी, राजू सिंह क्षत्रिय ,श्रीमती ललिता संतोष कश्यप, वंदना जेन्डें डा माधवी संतोष वस्त्रकार, रामकुमार कौशिक, राकेश तिवारी के नाम शामिल हैं ।

पुजारी की हत्या करने वाले सभी आरोपी गिरफ्तार

मुख्य आरोपी को धमतरी पुलिस की मदद से पकड़ा

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। तखतपुर थाना अंतर्गत मंदिर के युवा पुजारी की हत्या करने वाले सभी आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है । एक आरोपी नाबालिग है। मुख्य आरोपी को धमतरी पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया । हत्या की मुख्य वजह अवैध संबंध था ।

पूरे घटनाक्रम के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्ष रजनेश सिंह ने बताया कि- मृतक जागेश्वर पाठक, पाठ बाबा मंदिर का पुजारी था। मंदिर के सामने खेत में अधिया खेती के दौरान आरोपी सुरेश धुरी की पत्नी के साथ उसका प्रेम संबंध हो गया था, जिससे आरोपी और एवं उसकी पत्नी का 6 महीने पहले सामाजिक तलाक भी हो गया था, आरोपी मृतक से इसी अवैध संबंध के कारण बैर रखता था और कल रात्रि में सही समय देखकर अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल की पूजा करने के बहाने उसे बाहर बुलाया और वाहन में उपलब्ध ईट और सस्पेंशन पाइप से वार कर हत्या कर दी और वहां से फरार हो गए।

एएसपी ग्रामीण अर्चना झा एवं एस डी ओपी कोटा और थाना तखतपुर टीम तथा एसीसीयू की टीम की सक्रियता से 12 घंटे के भीतर अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा कर, सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सभी अधिकारियों और स्टाफ ने लगातार अपराधियों की पतासाजी की और उनका काम सराहनीय और प्रशंसनीय रहा है।

धमतरी पुलिस की मदद से मुख्य आरोपी भी देर रात एसीसीयू की टीम ने पकड़ा। आरोपी मुकेश धुरी पिता चंद्रप्रकाश धुरी उम्र 23 वर्ष निवासी अमौरा थाना जरहा गांव जिला मुंगेली। आरोपी धनराज बंदे पिता जवाहर लाल बंदे उम्र 21 वर्ष बनाक चौक माता चौरा के पास सिरगिट्टी। एक आरोपी नाबालिग है।

विकसित भारत के निर्माण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति अहम- प्रो. चक्रवाल

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) नैक से ए.ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विकसित भारत 2047 के निर्माण में अहम योगदान है। यह वक्तव्य उन्होंने संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेकनालॉजी लोंगोवाल, संगरुरु पंजाब में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आयोजित विशेष व्याख्यान के दौरान दिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. एम.के. पासवान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण एवं तकनीकी उन्नयन के लिए विशेष प्रावधान किये गये हैं। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना को आत्मसात करते हुए स्वावलंबी छत्तीसगढ़ के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को विभिन्न सामाजिक सरोकार से प्रेरित योजनाओं को प्रसारित एवं जमीन पर साकार कर रहा है। कुलपति प्रो. चक्रवाल ने कहा कि इंक्यूबबेशन सेंटर, कौशल विकास केन्द्र एवं टेकनालॉजी इनेबलिंग सेंटर के माध्यम से विश्वविद्यालय में नवाचार की पहल भी की जा रही है। 250 से अधिक पेटेंट फाइलिंग एवं प्रदान किये जाने के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय में 35 से ज्यादा स्टार्ट अप कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में युवाओं को अधिक सक्षम एवं योग्य बनाने के लिए अनुभवजन्य शिक्षा के साथ ही लचीलेपन (फ्लेक्सिबिलिटी) पर जोर दिया गया है। संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेकनालॉजी लोंगोवाल के निदेशक प्रो. एम.के. पासवान ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर मंचस्थ अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न शिक्षक एवं अधिकारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भूमिहार ब्राम्हण समाज द्वारा आयोजित चिकित्सा परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर का सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया

शहर एवं अपोलों के प्रमुख चिकित्सको की उपस्थिति में हुआ शिविर

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। ग्राम महमंद स्थित भूमिहार ब्राम्हण समाज के भवन में रविवार को आयोजित सहजानंद सरस्वती भुमिहार ब्राम्हण समाज बिलासपुर के तत्वाधान में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परिक्षण शिविर में ग्राम महमद ढेका दर्रीघाट दोमुहानी के नागरिक बड़ी संख्या में पहुंचे लगभग 250 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया जिनकी चिकित्सा परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टरों की सलाह पर लिखे गये उपलब्ध दवाईयॉं नि:शुल्क प्रदान की गई। समाज द्वारा आयोजित इस शिविर में शहर एवं अपोलों के प्रसिद्ध डॉक्टर उपलब्ध रहे। प्रमुख रूप से शहर के चिकित्सक डॉ. रजनीश पाण्डेय प्रथम हास्पिटल, डॉ. मनोज मौर्य प्रथम हास्पिटल, डॉ. अभय शर्मा टिकरापारा ,डॉ. मनोज राय अपोलो, डॉ. राजकुमार शर्मा अपोलो, डॉ. श्रीमती रश्मि शर्मा अपोलो ,डॉ. दिवाकर अपोलो ,डॉ. श्रीमती शीला शर्मा अपोलो डॉ. के एन चौधरी सेवा निवृत सिम्स मेडिकल कॉलेज उपस्थित रहे। ग्रामीणों को दवाईयों के साथ फल का भी वितरण किया गया।

समाज के संयोजक आरपी सिंह एवं अध्यक्ष नवीन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य शिविर के प्रति ग्रामीणों का उत्साह ग्रामीणों की उपस्थिति देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि माह जनवरी में पुन: ग्रामीणों हेतु शिविर किया जावेगा जिसमें हड्डी रोग विशेषज्ञ नेत्र रोग विशेषज्ञ की भी उपलब्धता रहेगी। नवीन सिंह ने ग्राम पंचायत महमंद के पदाधिकारियों एवं नागरिकों का आभार प्रकट किया जिनका शिविर सफल बनाने हेतु योगदान रहा। समाज के सचिव राजीव कुमार ने समाज के पदाधिकारियों विशेषकर मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) ग्रुप के सभी सदस्यों और उपलब्ध तकनिशियनों का आभार प्रकट किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने गणेश उत्सव समिति के सदस्यों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

गणेश उत्सव के दौरान सुव्यवस्थित आवागमन एवं शांतिपूर्ण गणेश विसर्जन के संबंध में सभी समिति से किया गया विचार विमर्श

यातायात के नियमों एवं प्रावधानों से संबंधित बोर्ड, फ्लेक्सी, बैनर एवं प्रलेख तालिका लगाए जाने सभी समिति को दिए गये निर्देश

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के दिशा निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे के मार्गदर्शन में नगर के समस्त गणेश उत्सव समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। नगर के समस्त क्षेत्र से आए हुए गणेश उत्सव समिति के प्रत्येक सदस्यों ने एसएसपी रजनेश सिंह,एएसपी शहर राजेन्द्र जयससाल एवं एएसपी यातायात रामगोपाल करियारे के द्वारा दिए निर्देशों का दृढ़ता और अनिवार्य रूप से पालन करने हेतु अपनी प्रतिबद्धता जाहिर किये।

इस दौरान समस्त गणेश उत्सव समिति को गणेश उत्सव के दौरान कहीं पर भी यातायात व्यवस्था को बाधित नहीं करने हेतु पंडाल स्थल पर स्वयं ही उपस्थित होकर अपने-अपने वॉलिंटियरों के माध्यम से यातायात द्वारा दिये गए निर्देशानुसार व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु समझाइस दी गई। ताकि आम जन को आवागमन के दौरान किसी भी प्रकार की यातायात बाधा का सामना न करना पड़े। साथ ही नियत समय पर ही साउंड सिस्टम का उपयोग करने तथा निर्धारित समय के पश्चात पूर्ण रूप से साउंड सिस्टम (ध्वनि विस्तारक यंत्र) के संचालन को बंद करने हेतु निर्देश दिए गए। पंडाल पर लगे हुए इलेक्ट्रिक तारों को

व्यवस्थित तरीके से लगाए जाने एवं दक्ष इलेक्ट्रीशियन से उसका वेरीफाई एवं करेंट मुलाहिजा करने हिदायत दी गई ताकि कहीं पर भी किसी भी प्रकार की शार्ट, सर्किट या बिजली सप्लाई में किसी भी तरीके का असुरक्षा की स्थिति निर्मित ना हो। आगामी गणेश विसर्जन के दौरान अनिवार्य रूप से प्रत्येक गणेश उत्सव समिति के द्वारा प्रत्येक समिति में कम से कम दस व उससे अधिक की संख्या में अनिवार्य रूप से ड्रेस कोड के साथ गणेश उत्सर्जन व्यवस्था वॉलिंटियर बनाए जाने (नियुक्त किये जाने) हेतु हिदायत दी गई। साथ यातायात द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक गणेश पंडाल के समक्ष यातायात निर्देशो, नियमो और प्रावधान के पालन के संबंध में यातायात के विभिन्न प्रावधानों को उल्लेख करते हुए फ्लेक्सी, बैनर, पोस्टर एवं प्रलेख पटल लगाए जाएं ताकि यातायात के नियमों के बारे में समस्त जनमानस को जानकारी हो और सड़कों पर होने वाले आकस्मिक, अनायास एवं असमय होने वाले सड़क दुर्घटनाओं से आम नागरिकों को होने वाली मानवीय क्षति में कमी लाई जा सके। इस दौरान समस्त गणेश उत्सव समिति के सदस्यों को उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के निर्देशो के संबंध में भी अवगत कराया गया जिसके तहत गणेश विसर्जन के दौरान डीजे में तेज गति से आवाज को प्रतिबंधित की गई तथा अधिकृत वॉल्यूम के अनुसार ही नियमानुसार भारतीय संस्कृति के अनुसार समाज के मूल्यों, परम्पराओ और संस्कारों को दृष्टिगत रखते हुए ही साउंड सिस्टम का संचालन करने हिदायत दिया गया। किसी भी तरह के फूहड़, अमर्यादित, अश्लील, गैर वाजिब, असामाजिक और संस्कार विहीन गाने और बाजो से परहेज करने समझाइस दी गयी।

श्रमिकों से पूरा काम, आधा वेतन! कंपनी और ठेकेदार की मनमानी

रानी अटारी प्रोजेक्ट में एमजेएमएस कर रही शोषण

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की रानी अटारी विजय बेस्ट माइंस में कांटेक्ट वर्क्स के साथ खुलेआम लूट का खेल खेला जा रहा है। कोलकाता की एमजेएमसी कंपनी के अंतर्गत लेबर सप्लाई ठेकेदार और कंपनी प्रबंधन की मिलीभगत से मजदूरों को पूरा काम कराने के बाद भी उनका आधा पैसा हजम कर लिया जा रहा है।

शिकायत के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों से ठेकेदार द्वारा अनुबंधित दर पर कार्य लेने के बाद वेतन का बड़ा हिस्सा काट लिया जा रहा है। मजदूरों को प्रति दिन 1316 रुपए का भुगतान किया जा रहा है। यह काम रिकॉर्ड में हो रहा है लेकिन वेतन देने के बाद उनसे 650 रुपए प्रति दिन के हिसाब से वापस भी ले लिया जा रहा है। यही नहीं, जब वे विरोध करते हैं तो उन्हें धमकाकर चुप करा दिया जाता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार मिलकर मजदूरों के हक को हड़प रहे हैं। मजदूरों का पसीना सूखने से पहले उनका खून चूसने वाली यह व्यवस्था क्षेत्र में आक्रोश का कारण बन गई है।

अवैध शराब पर कोरबा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

15 दिनों में 646 लीटर महुआ शराब जब्त, 44 गिरफ्तार

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने को लेकर कोरबा पुलिस ने 16 से 31 अगस्त तक सघन अभियान चलाया। इस दौरान 44 आरोपी गिरफ्तार किए गए। उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में देसी विदेशी शराब जब की गई।

पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में 15 दिनों के भीतर पुलिस टीमों ने 646 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की। अनेक स्थानों पर सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने रेड कार्रवाई की पुलिस की ओर से बताया गया कि अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में कुल 44 प्रकरण दर्ज किए गए। इनमें प्रमुख रूप से थाना पाली से 10 प्रकरणों में 139 लीटर, हरदीबज़ार से 04 प्रकरणों में 109 लीटर, कटघोरा से 04 प्रकरणों में 102 लीटर, उरगा से 06 प्रकरणों में 98 लीटर और दीपका से 10 प्रकरणों में 44 लीटर शराब जब्त की गई। वहीं कोरबी, बाँकीमोंगरा, बांगो, करतला, सिविल लाइन, कोतवाली, मानिकपुर, जटगा और रजगामार से भी शराब की खेप पकड़ी गई।

सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जिले में इस प्रकार के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए आगे भी इसी तरह की सख्त कार्यवाही जारी रहेगी। भूमिका दर्ज की।

सार-संक्षेप

बॉलीवुड कलाकार ईश्वरलाल और रितु शिवपुरी आएंगी दीपिका

कोरबा। विश्वकर्मा पूजा समिति एसईसीएल दीपका परियोजना के तत्वाधान में विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर संगीत संध्या का आयोजन होगा जिसमें बॉलीवुड के कलाकार हिस्सा लेंगे। इसके लिए तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। बताया गया कि दीपका माइंस के वर्कशॉप सेक्शन में देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा पूजा अर्चना पूरे विधि विधान से की जाएगी। विश्वकर्मा पूजा आयोजन का मुख्य स्थल श्रमवीर स्टेडियम, प्रगति नगर रहेगा, जहां भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ।

इस अवसर पर म्यूजिकल ऑर्केस्ट्रा के साथ देश के मशहूर अभिनेत्री रितु शिवपुरी डुप्लीकेट सलमान खान के साथ स्टैंड अप कॉमेडी के बेताज बादशाह बेस्ट कॉमेडिय इश्वरलाल आकर्षण होंगे । वेअपने शानदार मिमिक्री और कॉमेडी से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगे।

उन्होंने ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज और कॉमेडी सर्कस जैसे मंचों पर अपना कार्यक्रम दिया हुआ है।

सुधार गृह से चार किशोर फरार, होगी मजिस्ट्रियल जांच

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। किोहडिया़ स्थित बाल सुधार गृह से चार बच्चों के फरार होने के मामले में प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच का आदेश जारी किया है। ज्वाइंट कलेक्टर कौशल तेंदुलकर को 30 दिन के भीतर जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अजीत वसंत ने शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) कोरबा में संस्थागत हुए चार अपचारी बालकों के 31 अगस्त 2025 को सुबह लगभग 08.10 बजे बाथरूम के वेंटिलेशन खिडकी को तोडकर संस्था परिसर से फरार होने को लेकर जांच आदेश जारी किए हैं।

जांच अधिकारी को कहा गया है कि वह निर्धारित समय पर इंक्वारी करने के साथ प्रतिवेदन कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जांच हेतु जो बिंदु निर्धारित किये गये हैं वे इस प्रकार हैं- घटना किन परिस्थितियों में घटित हुई?

बाल संप्रेक्षण गृह से फरार होने के क्या कारण थे? बाल संप्रेक्षण गृह से फरार अपचारी किशोरों को बाल संप्रेक्षण गृह दाखिल होने के पूर्व अथवा पश्चात किसी प्रकार की शारीरिक यातना तो नहीं दी गई? घटना की सूचना कब और किसके द्वारा पुलिस को दी गई? अन्य कोई बिन्दु जो जांच के दौरान आवश्यक हो?

साहित्य सदन में रचनाकारों ने मनाया अगस्त महोत्सव

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। पंडित मुकुटधर पांडेय संगीत प्रकोष्ठ द्वारा अगस्त महोत्सव मनाया गया। इस महोत्सव में देशभक्ति भजन सहित अन्य विधा के गीत प्रस्तुत किए गए।

पंडित मुकुटधर पांडे साहित्य समिति कोरबा के सभागार में संगीत प्रकोष्ठ द्वारा अगस्त महोत्सव मनाया गया। इस माह में

स्वाधीनता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी , तीज, रक्षाबंधन जैसे कई पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाए गए। सभी तरह के फिल्मी गीत प्रस्तुत कर कलाकारों ने खूब वाह वाही बटोरी ।

कार्यक्रम में समिति के संयोजक मोहम्मद यूनुस दनियालपुरी, कमलेश यादव, डॉक्टर के के चंद्रा, संयोजिका अर्चना साहू, सहसंयोजक हरपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में विशिष्ट जन ,कलाकार और श्रोता उपस्थित रहे।

महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कोर्स, अंतिम तिथि 13 तक

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। शासकीय महिला आईटीआई कोनी द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए रोजगार एवं स्वरोजगारमुखी शुल्क आधारित लघ्रु अवधि प्रशिक्षण कोर्स जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, ब्यूटी पार्लर, फैशन डिजाइनिंग एवं सिलाई में प्रवेश के लिए 13 सितम्बर तक आवेदन किये जा सकते है। प्रवेश आवेदन फार्म एवं विस्तृत जानकारी हेतु संस्था कार्यालय में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है।

मनमानी पार्किंग से मुश्किल, गाडियों को किया लॉक

ट्रैफिक पुलिस ने चेताया- अगली कार्रवाई करेगा कोर्ट

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्य शहर के रेलवे क्रासिंग व दर्री रोड ओवरब्रिज के आसपास भारी वाहनों को मनमाने ढंग से पार्क करने के कारण समस्याएं खड़ी हो रही है । ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे मामले में रायपुर पासिंग एक मॉलवाहक पर लॉक की कार्रवाई कर ढाई हजार रुपए की पेनाल्टी की। इसके साथ इस बात को स्पष्ट किया कि आगे ऐसे मामलों को सीधे सिर्त भेजेंगे।

ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी संख्या सीजी 04 एलजेड 2502 को इस इलाके मैं लॉक कर दिया जिसके कारण व्यवस्था बिगड़ी। चालक ने गलत जगह गाड़ी खड़ी की थी। रेलवे क्रॉसिंग बंद होने पर इस क्षेत्र में समस्याएं वैसे ही बढ़ जाती हैं और ऊपर से मनमाने ढंग से क्रॉसिंग से लेकर ओवरब्रिज के नीचे पार्किंग करने के कारण जनता परेशान होती है। बताया गया कि इस इलाके में भारी वाहन को पार्क करने से मुश्किलें हुई। उस पर 2500 का फाइन किया गया। इस गाड़ी के चालक के साथ-साथ अन्य सभी को अवगत कराया गया कि बार-बार कहने पर भी चीज सही नहीं हो रही है इसलिए आगे से ट्रैफिक पुलिस खुद फाइन नहीं करेगी और मामलों को कोर्ट भेजेगा। अगली कार्रवाई वहीं से होगी। बताया गया कि रेलवे क्रॉसिंग क्षेत्र में समस्याएं पहले से ही है और ऐसे में बड़ी गाडियों को यहां वहां खड़ा करने के साथ चालक लापरवाही का प्रदर्शन करते हैं। ऐसी स्थिति में छोटी बड़ी गाडियां पर नहीं हो पाती और लोगों को काफी समय तक परेशान होना पड़ता है। फेस्टिवल सीजन में वैसे ही कोरबा नगर की सडकों पर गाडियों का दबाव बना हुआ है और इसे नियंत्रित करने में काफी परिश्रम करना पड़ रहा है।

तालाब में युवक का शव मिला, पुलिस कर रही जांच

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिका के प्रतीक्षा बस स्टैंड के पास तालाब में सोमवार की सुबह एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिला ।जैसे ही लोगों को जानकारी हुई तालाब के पास बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई । मौके पर पुलिस भी पहुंची। मृतक की पहचान 25 वर्षीय संतोष सिंह उरांव निवासी बेलटिकरी बस्ती के रूप में हुई।

दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि घटना के सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पहचान कार्यवाही करने के बाद परिजनों का बयान दर्ज किया गया है आगे की कार्यवाही जारी है उसकी मौत कब कैसे और किन परिस्थिति में हुई है, यह अभी जांच का विषय है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल इस मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा के अंतर्गत मर्ग कायम किया गया है।

आसपास के लोगों से इस बारे में प्राथमिक जानकारी हासिल की गई है। आगे जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर जांच की दिशा सुनिश्चित की जाएगी।

खेल-योग शिक्षक चयन के लिए दावा आपत्ति 4 सितंबर तक

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के अंतर्गत जिले में संचालित 13 पीएमश्री विद्यालय में 31 मार्च 2026 तक के लिए अंशकालिक योग/ खेल शिक्षक / प्रशिक्षक की सेवायें लिये जाने हेतु विज्ञापन जारी किये गये थे। प्राप्त आवेदन के स्क्रूटनी उपरान्त पात्र व अपात्र आवेदकों की सूची जारी की गई है।

जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा जिला पंचायत भवन द्वितीय तल में अवलोकन किया जा सकता है। सूची पर 01 सितंबर से 04 सितंबर तक कार्यालयीन दिवसो में आवेदक लिखित दावा आपत्ति उचित दस्तावेज के साथ जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा (प्रा0) द्वितीय तल जिला पंचायत भवन बिलासपुर में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निर्धारित तिथि उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। पात्र एवं अपात्र आवेदकों की सूची जिले की आधिकारिक वेबसाइट में अवलोकन किया जा सकता है।

श्रमिकों से पूरा काम, आधा वेतन! कंपनी और ठेकेदार की मनमानी

रानी अटारी प्रोजेक्ट में एमजेएमएस कर रही शोषण

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की रानी अटारी विजय बेस्ट माइंस में कांटेक्ट वर्क्स के साथ खुलेआम लूट का खेल खेला जा रहा है। कोलकाता की एमजेएमसी कंपनी के अंतर्गत लेबर सप्लाई ठेकेदार और कंपनी प्रबंधन की मिलीभगत से मजदूरों को पूरा काम कराने के बाद भी उनका आधा पैसा हजम कर लिया जा रहा है।

शिकायत के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों से ठेकेदार द्वारा अनुबंधित दर पर कार्य लेने के बाद वेतन का बड़ा हिस्सा काट लिया जा रहा है।

मजदूरों को प्रति दिन 1316 रुपए का भुगतान किया जा रहा है। यह काम रिकॉर्ड में हो रहा है लेकिन वेतन देने के बाद उनसे 650 रुपए प्रति दिन के हिसाब से वापस भी ले लिया जा रहा है। यही नहीं, जब वे विरोध करते हैं तो उन्हें धमकाकर चुप करा दिया जाता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार मिलकर मजदूरों के हक को हड़प रहे हैं। मजदूरों का पसीना सूखने से पहले उनका खून चूसने वाली यह व्यवस्था क्षेत्र में आक्रोश का कारण बन गई है।

जनपद पंचायत के सदस्य संतोष मरावी ने जिला प्रशासन के साथ-साथ कोयला कंपनी से इस बारे में शिकायत की है । कहा गया कि इस गोरखधंधे पर तुरंत रोक लगाई जाए और मजदूरों को उनका पूरा मेहनताना दिलाया जाए।

पीजी कॉलेज में बनेगा अतिरिक्त कक्ष , चन्द्रलोक ने किया भूमिपूजन

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। शासकीय इंजीनियरिंग विश्वेश्वरैया स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण होगा। इस कार्य का भूमि पूजन जनभागीदारी समिति अध्यक्ष चंद्रलोक सिंह एवं समिति के सभी सदस्यों के द्वारा एवं कॉलेज के प्राचार्य के साथ मिल कर कॉलेज परिसर मे कक्ष निर्माण का भूमि पूजन किया गया।

भवन बनने के बाद कॉलेज के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। साथ ही साथ बच्चो को कक्ष से सम्बन्धित जो भी असुविधा हो रही थीं, वह कक्ष निर्माण के बाद अब काफी हद तक कम हो जायेगी । भवन निर्माण के संबंध में अध्यक्ष के द्वारा महाविद्यालय के प्रोफेसर से चर्चा की गई। आगे जो भी विकास कार्य के लिए चर्चा की गई और उसको पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि बेहतर सुविधा महाविद्यालय में पढ़ रहे छात्र छात्राओं को उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। भूमि पूजन में मुख्य रूप से जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष चंद्रलोक सिंह, डॉ. एस के गोभिल , सुशील कुमार गुप्ता , संदीप शुक्ला , के. एस. कंवर, डॉ. आर बी शर्मा मैडम, के. आर. टंडन , सांसद प्रतिनिधि रवि सोनी, पार्षद राकेश वर्मा, जनभागीदारी समिति सदस्य विवेक रजवाड़े, राम यादव, युराज चंद्रा, एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

ओडिशा की मुक्ता मेहर ने कथक नृत्य से बिखेरी सुर, ताल और भावों की अनूठी छटा

रायगढ़ 01 सितंबर (देशबन्धु)। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह के छठवें दिन ओडिशा के बरगढ़ जिले से आई 21 वर्षीय कथक नृत्यांगना मुक्ता मेहर ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुक्ता ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत भगवान शिव की स्तुति से की, जिसमें ताल और लय का सुंदर संगम देखने को मिला। इसके बाद उन्होंने रायगढ़ घराने के चुनिंदा बोल जैसे पक्षी परन और दरबदल परन प्रस्तुत किए। इसमें ताल की विविधता और लयकारी की अद्भुत छटा दिखाई दी।

प्रस्तुति के अंतिम चरण में उन्होंने एक कजरी प्रस्तुत कर ऋतु और लोकभावना का सुंदर चित्रण किया, जिसे दर्शकों ने तालियों की गडगड़ाहट से सराहा।

बता दे कि मुक्ता की कथक नृत्य सीखने की शुरुआत इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से हुई। पिछले तीन वर्षों से मुक्ता अपने गुरु डॉ. जीतेश गडपाले से कथक की शिक्षा प्राप्त कर रही है और उनके मार्गदर्शन में कथक की बारीकियों को सिख रही है।

मुक्ता ने कहा कि उन्हें चक्रधर समारोह जैसे प्रतिष्ठित मंच पर प्रस्तुति देने का अवसर पाकर गर्व और हर्ष की अनुभूति हो रही है।

रेशम उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा कोरबा जिले में

किसानों को डीएमएफ से एक करोड़ की घोषणा डिप्टी सीएम ने

कोरबा 01 सितंबर (देशबन्धु)। जिले मेंरेशम उत्पादन को बढ़ावा देने रेशम कृषि मेला उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने शुभारम्भ किया। उन्होंने रेशम उत्पादन से जुड़े किसानों को चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

श्री साव ने कहा कि मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम का उद्देश्य आपको आधुनिक मशीनों के संबंध में जानकारी प्रदान करना, प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हुए आपको रेशम उत्पादन से जोडना ही नहीं है बल्कि आपकी आमदनी को बढ़ाना और आपको आत्मनिर्भर बनाकर प्रदेश और देश को आर्थिक प्रगति की राह में आगे ले जाना भी है। अभी रेशम उत्पादन में छत्तीसगढ़ देश में दूसरे नंबर में है, इसे आप सभी के सहयोग से पहले पायदान पर ले जाना है।

कोरबा के पाली ब्लॉक में केंद्रीय रेशम बोर्ड-बुनियादी बीज का प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में केरेबो-बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार बिलासपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री

श्री साव ने रेशम उत्पादन को आमदनी का प्रमुख स्त्रोत बताते हुए कहा कि सरकार द्वारा आपको प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने प्रशिक्षण एवं रेशम उत्पादन से जुड़े हितग्राही श्रीमती सोनकुंवर बैगा, मुखीराम, शिवरात्रि, गनेश राम, रेशम बाई, सोमनाथ, शकुंतला यादव, कर्मा सिंह, रामकुमार, दिनेश पाल, कनकी दास, बरातू लाल सहित अन्य किसानों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा कि हमारे जिले में बड़ी मात्रा में रेशम का उत्पादन होता है। यह रेशम कीमती होने के साथ ही किसानों के आय का प्रमुख जरिया भी है। रेशम उत्पादन से बहुत से लोगों को रोजगार भी मिला है। प्रधानमंत्री की मंशा है कि किसानों की आमदनी भी दुगनी हो, ऐसे में स्थानीय किसानों को इससे जुडकर आमदनी अर्जित करना होगा। पाली-तानाखार क्षेत्र के विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने कहा कि कोरबा को पहचान पहले से ही कलेक्टर अजीत वसन्त ने इस अवसर पर कहा कि मेरा रेशम, मेरा अभिमान जैसे कार्यक्रम से आमनागरिको में जागरूकता आएगी और वे रेशम के महत्व को जानने के साथ इससे जुड़ेंगे। कलेक्टर ने कहा कि रेशम उत्पादन में वे किसान भी है जो समाज के कमजोर वर्ग से है। कलेक्टर ने रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। केंद्रीय रेशम बोर्ड रांची के निदेशक डॉ एन बी चौधरी और बिलासपुर के डॉ नरेन्द्र कुमार भाटिया ने देश प्रदेश में हो रहे रेशम उत्पादन और इससे जुड़े आजीविका के गतिविधियों को बताया।

सार-संक्षेप

एकेडेमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया

मनेन्द्रगढ़, 01 सितबर (देशबन्धु)। जिले के प्रतिष्ठित एकेडेमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल मनेन्द्रगढ़ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद की जन्मदिवस की वर्षगाँठ के उपलक्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विद्यालय के निदेशकगण एवं प्राचार्य द्वारा मेजर ध्यान चंद के चित्र पर पुष्प माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन किया गया। मंच संचालन विद्यालय के खेल प्रशिक्षक गुलशन मेरसा ने किया।

उन्होंने मेजर ध्यान चंद के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए भारतीय हॉकी में उनके योगदान और उपलब्धियों की जानकारी दी द्य उन्होंने बताया कि मेजर ध्यान चंद अत्यंत अनुशासन प्रिय थे। उन्होंने भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की द्य कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने भाषण में मेजर ध्यान चंद के बारे में कई जानकारियां दी तथा प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह बालक हो या व्यस्क उनके जीवन में खेल के महत्त्व को बताया। विद्यालय के प्राचार्य पी. रवि शंकर ने अपने संभाषण में विद्यार्थियों एवं सभी उपस्थित लोगों का अभिवादन किया एवं सभी से आग्रह किया कि वे अपनी दिनचर्या में कुछ समय खेल के लिए निकालें। जिससे उनके शारीरिक स्वास्थ्य के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहेगा द्य उन्होंने सबसे कहा कि खेल को खिलाडी भावना तथा अनुशासन के साथ खेलें। सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन प्रत्येक विद्यालय में तीन दिन 29 अगस्त से 31 अगस्त तक किया जाना है। एकेडेमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए फन गेम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों के मध्य वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता कराई गई। साइकिलिंग, योग, व्यायाम जैसे खेलों का भी आयोजन हुआ द्य कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशकों ने सभी विद्यार्थियों को आशीर्वचन देकर उन्हें अपने जीवन में नई ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

आदि कर्मयोगी अभियान-ब्लॉक स्तर मास्टर ट्रेनिंग का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

जनजाति परिवारों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना

कोरिया, 01 सितबर (देशबन्धु)। जिले के लाईवलीहुड कॉलेज बैकुंठपुर में, आदि कर्मयोगी अभियान के जिला प्रभारी अधिकारी श्री प्रमोद कुमार की मौजूदगी में, ब्लॉक स्तर मास्टर ट्रेनर का तीन दिवसीय रेस्पॉन्सिव गवर्नेस प्रोग्राम आयोजित किया गया।

सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, श्रीमती ऊषा लकड़ा ने बताया कि यह प्रशिक्षण 3 सितंबर 2025 तक चलेगा, जिसमें विभिन्न विभागों के 15 कर्मचारी और 2 एनजीओ को ब्लॉक स्तर के मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा।

आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत कोरिया जिले के 154 ग्रामों का चयन किया गया है, जहां बुनियादी सुविधाओं और सरकार की 25 योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जिला स्तर व ब्लॉक स्तर के मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, तत्पश्चात इसके बाद, ग्रामीण स्वयंसेवकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रत्येक चयनित ग्राम में 'आदि सेवा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे, जिला प्रभारी अधिकारी श्री प्रमोद कुमार ने मास्टर ट्रेनरों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन जनजाति परिवारों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने के यह अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि, आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य प्रशासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाना है। यह कार्यक्रम शासन का मूल आधार जनता की सेवा को स्थापित करता है। जनता का विश्वास बनाए रखना और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही कर्मयोग है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य गीता राजवाड़े, जिला एवं ब्लॉक स्तर के मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

दीदी के गोठ से गूँजी महिलाओं की सफलता की कहानियाँ

एमसीबी, 01 सितबर (देशबन्धु)। जिले में महिलाओं की आजीविका और सशक्तिकरण को नई दिशा देने वाले रेडियो प्रसारण दीदी के गोठ का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। यह कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की दीदियों की सफलता की कहानियों पर आधारित है, जिसका शुभारंभ रायपुर से किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, माननीय केंद्रीय मंत्री (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) शिवराज सिंह चौहान तथा छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को संदेश देते हुए उन्हें आजीविका संवर्धन और आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। नेताओं ने कहा कि ''बिहान'' की दीदियों ने अपने कार्यों से न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल की है, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण की मिसाल भी कायम की है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी संकुल संगठन एवं ग्राम संगठन स्तर पर ''दीदी के गोठ'' का प्रसारण सुनवाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूह की महिलाएं और कम्युनिटी कैडर शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने अपनी कहानियों से प्रेरणा ली और नई योजनाओं को आत्मसात कर भविष्य में और बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया।

जिले के जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों और जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों की भी सक्रिय भागीदारी रही। माहौल उत्साह और ऊर्जा से भरा रहा, जहां हर महिला ने यह महसूस किया कि उनकी मेहनत और संघर्ष को न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा जा रहा है।

पांचवें दिन जगह-जगह निकलीं गणेश विसर्जन यात्राएं

गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालुओं ने दी गणपति को विदाई

रायगढ़, 01 सितंबर (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय में गणेश चतुर्थी के पांचवें दिन रविवार से शहर के चैक-चैराहों के अलावा गली-मोहल्लों में विराजे गणपति की प्रतिमाओं का विर्सजन का दौर शुरू हो चुका है। इससे पहले शहर में कई जगह विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया था, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

शहर में 27 अगस्त से गणेश उत्सव धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। रविवार को पांचवे दिन से गणपति के विसर्जन की प्रक्रिया शुरू हो गई। शहर के अलग-अलग मोहल्लों और पंडालों में विराजे गणपति की प्रतिमाओं को श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे, डीजे की धुन और नृत्य के साथ विदाई दी। हर तरफ गणपति बप्पा मोरया के जयघोष गूंजते रहे और निगम प्रशासन द्वारा चिन्हांकित किए गए तालाबों में पूजा-अर्चना पश्चात प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं में जहां बप्पा के विदा होने का भावुक पल था, वहीं अगले बरस जल्दी आना के जयघोष भी गूंजते रहे। समिति के सदस्यों ने बताया कि रायगढ़ में 10 दिनों तक गणेश उत्सव मनाया जाता है, इस दौरान शहर चैक-चैराहों के अलावा कॉलोनियों में बड़े-बडे पंडालों में गणपति की प्रतिमा विराजित की जाती है। साथ ही रंगे-बिरंगी विद्युत झालरों से पंडालों को सजाया जाता है। कल सुबह से शाम तक शहर के कई गणेश पंडालों में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आज विसर्जन किया जा रहा है।

वन विभाग की मिलीभगत से जिले में हो रही अवैध पेड़ कटाई

कांग्रेस ने कलेक्टर से की उच्चस्तरीय जांच एवं कार्रवाई की मांग

एमसीबी, 01 सितबर (देशबन्धु)। जिले में लगातार अवैध पेड़ कटाई और लकड़ी तस्करी के मामले सामने आ रहे हैं जिस पर प्रतिबंध लगाने एवं अवैध कटाई में संलिप अधिकारियों एवं अन्य लोगों पर कार्यवाही कराने जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि उत्तर प्रदेश के बड़े गिरोह भाजपा नेताओं और वन विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में जंगलों को उजाड़ रहे है, कुछ समय से लगातार अवैध रूप से वनों की कटाई की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। जिले में राजकीय वृक्ष साल (सरई) सहित अन्य वृक्षों की अवैध कटाई गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़िता फूलमत बाई ने आवेदन देकर गंभीर आरोप लगाए हैं कि उनकी निजी भूमि में लगे वनों को अवैध रूप से बाहर ले जाने के लिए काटा गया, उसकी अनुमति और प्रशासनिक स्वीकृति के बिना जब्त कर लिया गया और लकड़ियों को डिपो ले जाने की बजाय तस्करों को बेचने की तैयारी की जा रही है। जिसकी शिकायत भी की गई है परंतु अब तक उसमें कोई कार्यवाही नहीं हुई है

जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने कहा कि हाल ही में 15 अगस्त की आधी रात स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने एक ट्रक पकड़ा जिसमें अवैध लकड़ी भरी हुई थी लेकिन वन विभाग इस पूरे मामले को दबाने में जुटा रहा, चिरमिरी के प्रभारी रेंजर का बयान भी हैरान करने वाला रहा उन्होंने कहा कि लकड़ी वन विभाग की है और मनेंद्रगढ़ डिपो जा रही थी, लेकिन रास्ता भटक कर अंबिकापुर की ओर चली गई। मिश्रा ने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि डिपो की विपरीत दिशा में स्थित उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाले मार्ग पर लकड़ी से भरा ट्रक आखिर कैसे पहुंच गया? लकड़ी परिवहन के लिए विभाग के पास अपने चार ट्रक मौजूद हैं, फिर भी निजी ट्रक क्यों मंगवाया गया? यदि लकड़ी डिपो के लिए जा रही थी तो उसे रात के अंधेरे में पन्नी से ढककर क्यों भेजा गया। ट्रक में विभाग का कोई कर्मचारी क्यों नहीं था और लकड़ी पर विभागीय सील क्यों नहीं अंकित की गई थी। यदि सील अंकित थी तो विभाग ने उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया। वाहन चालक या विभागीय अधिकारी मौके पर आवश्यक दस्तावेज क्यों नहीं दिखा सके, जिससे ट्रक को करीब 12 घंटे से अधिक थाना परिसर में खड़ा रहना पड़ा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू ने कहा कि जिले की वन संपदा लगातार उजड़ रही है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से जहां पर्यावरण और जलवायु पर बुरा असर पड़ रहा है, वहीं आदिवासियों और ग्रामीणों की जीवन-रेखा माने जाने वाले जंगल उजाड़े जा रहे हैं। यह केवल अवैध कारोबार नहीं बल्कि जिले की प्राकृतिक धरोहर के साथ सीधा अन्याय है। कांग्रेस पार्टी ने कलेक्टर और प्रधान मुख्य वन संरक्षक से मांग की है कि बीते एक वर्ष में हुई सभी पेड़ कटाई और लकड़ी परिवहन की घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। जब्त लकड़ी को सुरक्षित डिपो में रखा जाए और नियमानुसार नीलामी की जाए। साथ ही जिले में विशेष निगरानी दल गठित कर भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने की व्यवस्था की जाए।

सड़क सुरक्षा सप्ताह पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई नव्या गुप्ता ने हासिल की प्रथम स्थान

एमसीबी, 01 सितबर (देशबन्धु)। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय मनेंद्रगढ़ में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में विकासखंड स्तर पर चयनित छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

निर्णायकों द्वारा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रथम स्थान नव्या गुप्ता (वीएसएसएन विद्यालय भरतपुर), द्वितीय स्थान शिवेंद्र तिवारी (सेजेस भरतपुर) तथा तृतीय स्थान साक्षी सिंह (शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा) को प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता पर प्रकाश डालते हुए मृत्यु दर के आंकड़े प्रस्तुत किए और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों पर विस्तार से सुझाव दिए। उन्होंने सड़कों पर बैठे आवारा पशुओं, जगह-जगह गड्ढों और यातायात नियमों की अनदेखी जैसी समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया तथा दुर्घटना पीड़ितों को बचाने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त छात्रा को 7000 रुपए, द्वितीय स्थान को 5000 रूपये। और तृतीय स्थान को 3000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, वहीं सांत्वना पुरस्कार स्वरूप प्रत्येक प्रतिभागी छात्र-छात्रा को 2000 रुपए का चेक दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे, पुष्कर तिवारी, अनीता फरमानिया, अभिषेक पांडे, नीलम दुबे, मधुमिता चौधरी, रामाश्रय शर्मा, डॉ. विनोद पांडेय, द्वारिका मिश्रा और सूर्योदय सिंह सहित अनेक शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा ने उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। आभार प्रदर्शन जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया।

बबीता अग्रवाल को मिला राष्ट्रीय अग्र ज्योति अलंकरण सम्मान

छ ग प्रांतीय अग्रवाल संगठन अग्र अलंकरण समारोह में डॉक्टर रमन सिंह के हाथों मिला सम्मान

खरसिया, 2 सितबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन का नवम अग्र अलंकरण समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 18 विभूतियों का सम्मान किया जाएगा। इस राष्ट्रीय अलंकरण समारोह में पूरे देश में अपनी अलग पहचान बना चुकी प्रदेश की सबसे अग्रणी संस्था हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा रायपुर निवासी श्रीमती बबीता अग्रवाल को अग्र ज्योति अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन के अध्यक्षा के रूप में बबीता अग्रवाल ने अनेकों सामाजिक गतिविधियों में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है इनके इस दायित्व में इन्होंने पूरे प्रदेश में महिला समूहों में एक अलग अलख जगाई है। एवं आज के समय में हेल्पिंग हैंड्स क्लब की महिला विंग में हजारों की संख्या में महिलाएं शामिल है। विगत दिनों राखी विथ रक्षक का महा आयोजन राजधानी रायपुर के पुलिस ग्राउंड में किया गया था जो अपने आप में एक इतिहास के पन्ने में दर्ज हो गया। जिसमें हजारों रक्षक देश के जवानों को हेल्पिंग हैंड्स की बहनों ने रक्षासूत्र बांधा था। बबीता अग्रवाल शुरू से ही सामाजिक कार्यों में

निस्वार्थ भाव से लोगो की मदद करने में दूसरों का दर्द दूर करने में सामाजिक बुराइयों को नष्ट करने में आगे रहती है। वही बबीता अग्रवाल ने बताया कि यह सम्मान उनके जीवन में एक नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन के फाउंडर एवं प्रदेश अध्यक्ष अंकित अग्रवाल से उन्होंने बहुत कुछ सीखा है अंकित अग्रवाल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में मानवसेवा माधवसेवा का साक्षात् उदाहरण जीवन में उतारा है जिस वजह से आज वो इस मुकाम पर है। एवं हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन एक एनजीओ नहीं एक परिवार की तरह रहता है एवं कार्य करता है। उन्होंने आगे कहा कि अग्रवाल समाज के वरिष्ठ विधायक संपत अग्रवाल, अशोक सियाराम अग्रवाल,सुनील रामदास अग्रवाल,रमेश अग्रवाल , मनोज गोयल, अशोक मोदी , योगेश अग्रवाल हमेशा उनके प्रेरणाश्रोत रहे है। साथ ही उन्होंने आगे कहा कि हेल्पिंग हैंड्स महिला विंग की उनके साथीगण बहने हमेशा ही उनके साथ कंधे से कंधा मिला कर अग्रणी होकर कार्य करती है एवं यह मेरा नहीं मेरी पूरी टीम का सम्मान है यह सम्मान में अपनी पूरी टीम को समर्पित करती हु। साथ ही में छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन का इस पल के लिए इस सम्मान के लिए तहे दिल से आभार व्यक्त करती हु। हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन के प्रदेश संरक्षक डॉ रमेश अग्रवाल मनोज गोयल, अध्यक्ष अंकित अग्रवाल,उपाध्यक्ष विन्नी सलूजा तरुण अग्रवाल, अमित केडिया , रजत अग्रवाल , उदित अग्रवाल , विवेक श्रीवास्तव, रिंकू केडिया ,भारती मोदी,सुनीता पांडे, ज्योति अग्रवाल, पूजा छाबड़ा, एकता मलिक , अल्पना शर्मा , अंकुर अग्रवाल, मयंक जैन ,सुमित अग्रवाल,राकेश बोथरा,सुकुमार चटर्जी, अनामिका मिश्रा ,सेजल खंडेलवाल एवं अन्य सभी सदस्यों ने बबीता अग्रवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

भाजपाइयों का गुस्सा फूटा, राहुल तेजस्वी का पुतला दहन

खरसिया, 2 सितबर (देशबन्धु)। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मिथिला के मंच से प्रधानमंत्री की माँ को अपमानजनक शब्दों से संबोधित करने का विरोध लगातार पूरे देश में हो रहा है इसी क्रम में आज खरसिया नगर में बीजेपी नगर मंडल सभी ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य नगर पालिका उपाध्यक्ष जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नगर पालिका के पार्षदों के साथ अनेकों कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी का पुतला दहन कर माँ की गाली नहीं सहेंगे राहुल तेजस्वी होश में आओ के नारे लगाते हुए विरोध जताया।

आदि कर्मयोगी अभियान-ब्लॉक स्तर मास्टर ट्रेनिंग का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

जनजाति परिवारों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना

कोरिया, 01 सितबर (देशबन्धु)। जिले के लाईवलीहुड कॉलेज बैकुंठपुर में, आदि कर्मयोगी अभियान के जिला प्रभारी अधिकारी श्री प्रमोद कुमार की मौजूदगी में, ब्लॉक स्तर मास्टर ट्रेनर का तीन दिवसीय रेस्पॉन्सिव गवर्नेस प्रोग्राम आयोजित किया गया।

सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, श्रीमती ऊषा लकड़ा ने बताया कि यह प्रशिक्षण 3 सितंबर 2025 तक चलेगा, जिसमें विभिन्न विभागों के 15 कर्मचारी और 2 एनजीओ को ब्लॉक स्तर के मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत कोरिया जिले के 154 ग्रामों का चयन किया गया है, जहां बुनियादी सुविधाओं और सरकार की 25 योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जिला स्तर व ब्लॉक स्तर के मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, तत्पश्चात इसके बाद, ग्रामीण स्वयंसेवकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रत्येक चयनित ग्राम में 'आदि सेवा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे, जिला प्रभारी अधिकारी श्री प्रमोद कुमार

ने मास्टर ट्रेनरों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन जनजाति परिवारों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने के यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि, आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य प्रशासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाना है। यह कार्यक्रम शासन का मूल आधार जनता की सेवा को स्थापित करता है। जनता का विश्वास बनाए रखना और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही कर्मयोग है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य गीता राजवाड़े, जिला एवं ब्लॉक स्तर के मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता ओमप्रकाश गुप्ता ने पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव से की भेंट

चिरमिरी, 01 सितबर (देशबन्धु)। जिले के नगरपालिक निगम चिरमिरी में लगातार स्वास्थ्य सेवाओं की बिगड़ती स्थिति को लेकर कांग्रेस नेताओं और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता बढ़ी हुई है। इसी क्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी और सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश गुप्ता (बड़कू भैया) ने छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव से सौजन्य भेंट कर संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ चिरमिरी के जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

बड़कू भैया ने मुलाकात कर चिरमिरी क्षेत्र की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं पर चिंता जताते हुये उन्होंने कहा कि हाल ही में पीलिया से तीन लोगों की मृत्यु की घटना ने स्थानीय नागरिकों को झकझोर दिया है,वही स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और मौसमी बीमारियों को रोकने में नाकामी के कारण आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

यहां स्वच्छ पेयजल की अनुपलब्धता, आवश्यक दवाइयों की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं की अव्यवस्था जैसे मुद्दे चर्चा का मुख्य केंद्र रहे। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। शहर के नागरिकों को न तो पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल रही हैं, और न ही स्वच्छ सुरक्षित पानी ही उपलब्ध कराया जा रहा है। इन हालातों ने नगरवासियों के जीवन को संकट में डाल दिया है।

जिस पर बाबा (टी.एस. सिंहदेव) ने तत्काल संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी को चिरमिरी की समस्याओं के संबंध कहा कि जनहित से जुड़े इस मुद्दे को प्राथमिकता से निपटाया जाए और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे, जिस पर कांग्रेसी नेता एवम् सांसद प्रतिनिधि ने बाबा का आभार व्यक्त किया।

राशन कार्ड में एपीएल, बीपीएल पात्र-अपात्र निर्धारण पारदर्शी हो - कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक

स्कूल मरम्मत और निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने, स्कूल परिसर में लगे बिजली खंभों को हटाने और सुरक्षित बनाने के निर्देश

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुँचना चाहिए। उन्होंने राशन कार्ड संबंधी आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि एपीएल और बीपीएल पात्र एवं अपात्र का निर्धारण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी तरह की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए और न ही किसी प्रकार की अनियमितता होनी चाहिए।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के गरिमामय रूप से मनाने की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समारोह की सभी तैयारियाँ समय पर पूर्ण की जाए। महोत्सव का आयोजन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में किया जाएगा। पहले दिन मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा, दूसरे दिन प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष होने पर छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने जिले में सभी विभागों को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन निर्धारित समय में करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के दौरान जनता को लाभ पहुँचाने वाली योजनाओं और गतिविधियों का आयोजन करने कहा।

उन्होंने डिजीटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को ई ऑफिस प्रणाली के माध्यम से फाइलों का संधारण करने कहा साथ ही शासकीय खरीदी कार्य जीएसटी पंजीकृत विक्रेताओं के माध्यम से ही किए जाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में शासन की योजनाओं से संबंधित सभी जानकारी को अटल पोर्टल में दर्ज करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि पोर्टल में दर्ज की जाने वाली प्रत्येक प्रविष्टि सही अद्यतन होनी चाहिए। उन्होंने ऑनलाइन एंट्री से संबंधित कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्कूलों के मरम्मत एवं निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों के मरम्मत के निगरानी के लिए पोर्टल तैयार किया जा रहा है। जिसमे कार्य की प्रगति, गुणवत्ता व पारदर्शिता की मॉनिटरिंग की जाएगी।

उन्होंने स्कूल, आंगनबाड़ी परिसरों में लगे बिजली खंभों को नियमानुसार हटाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सुनिश्चित किया जाए कि स्कूल परिसर बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित रहे।

सार-संक्षेप

भा ज यु मो ने किया कचहरी चौक में राहुल गांधी का पुतला दहन

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। बिहार में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माता को अभद्र गाली गलौज किया गया था,जिसके विरोध में प्रदेश भर में युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं के द्वारा पुतला दहन किया गया।

भाजपा के जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने कहा कि भाजपा में युवा मोर्चा का सामान्य कार्यकर्ता भी अनुशासित पार्टी का कार्यकर्ता होने के नाते राजनीति में अभद्र भाषा का उपयोग नहीं करते लेकिन कांग्रेस का नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी के द्वारा हमेशा इस प्रकार के अपशब्द का प्रयोग निंदा के योग्य भी नहीं है। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मुकेश जायसवाल ने कहा कि अगर राहुल गांधी और उसके कार्यकर्ता इस प्रकार दुराचार करके,अपनी ही नैय्या डुबाएंगे और भाजपा का कांग्रेस मुक्त भारत का नारा साकार होगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष गुलाब सिंह चंदेल ,भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र देवांगन, महामंत्री नंद चौधरी, नंदिनी राजवाड़े की, जिला उपाध्यक्ष धनंजय सिंह,आशुतोष गोस्वामी, विकास शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष हितेश यादव,भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष योगेश राणा, जिला कोषाध्यक्ष सुधीर गर्ग , जांजगीर मंडल अध्यक्ष दिनेश राठौर,महामंत्री सोनू यादव,हरि सोनवानी,प्रदीप यादव,दिग्विजय सिंह,जांजगीर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह,चुन्नीलाल राठौर भूपेंद्र साहू,विवेक शर्मा,नवीन सोनी कालू सेन तथा बड़ी संख्या में ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दीनदयाल कालोनी गणेश उत्सव की धूम

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। दीनदयाल कालोनी जांजगीर में पिछले 14 वर्ष से भगवान गणेश उत्सव को बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता आ रहा है। श्री श्री गणेश उत्सव सेवा समिति का 14 वाँ वर्ष बड़ी धूमधाम के साथ गणेश भगवान् का पूजा अर्चना कर उत्साह के साथ बच्चों का कार्यक्रम कराया जा रहा है,जिसमें निबंध प्रतियोगिता ड्राइंग, पेंटिंग, रंगोली व शोडांस फेंसी ड्रेस का आयोजन रखा गया बच्चों व कॉलोनी वासियों मे काफी उत्साह बना हुआ है

कार्यक्रम का संचालन, अरुण तिवारी, महिपाल सिंह राठौर, रामशरण साहू द्वारा किया जा रहा है जहां कीर्तन भजन कर उत्साह बढ़ा रहे हैं समिति से अरूण तिवारी, महिपाल सिंह राठौर, रामशरण साहू, चंद्रहास चंदेल,विकेश केशरवानी, लेखराज धुव, शिव कुमार साव, अवधेश सिंह, संतोष कश्यप,मनीष राजपूत, धनंजय साहू, विष्णु साहू,नीरज तिवारी, बसंत सिंह ठाकुर,व सभी सदस्यों का सहयोग मिल रहा है। 31 अगस्त को मिनी आर्केस्ट्रा जैजैपुर की टीम द्वारा भक्ति भजन का आयोजन किया गया।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में समाज कल्याण विभाग द्वारा पीएम स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 01 जांजगीर में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, निबंध, रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता, शपथ कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

उप संचालक समाज कल्याण पवन कोसमा ने बताया कि नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में आर्यान वैष्णव एवं साथियों द्वारा नशापान के विरुद्ध नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में कु. वैभवी सिंह एवं उनकी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में परमेश्वर (कक्षा 11वीं) प्रथम, निशा साहू (कक्षा 12वीं) द्वितीय तथा उमाशंकर साहू (कक्षा 12वीं) तृतीय स्थान पर रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में जीतू श्रीवास (कक्षा 10वीं) प्रथम, खुशी देवांगन (कक्षा 9वीं) द्वितीय एवं लवली (कक्षा 10वीं) तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता पश्चात प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्त भारत बनाने, स्वयं नशापान से दूर रहने तथा नशा करने वालों को नशा छोड़ने हेतु प्रेरित करने की शपथ ली ।

महिला समन्वय सारंगढ़ खण्ड का परिचय वर्ग संपन्न हुआ

सारंगढ़, 01 सितबर (देशबन्धु)। महिला समन्वय खंड सारंगढ़ का परिचय वर्ग मरार धर्मशाला सारंगढ़ में संपन्न हुआ। जिसमें स्नेहा तिवारी विभाग संयोजिका रायगढ़ सुजाता साहू जिला संयोजिका रायगढ़ रत्नज्योति रात्रे जिला संयोजिका सारंगढ़ बिलाईगढ़ किरण चौहान जिला सह संयोजिका रायगढ़ का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।इस परिचय वर्ग में हिंदू संगठन के एवं भारतीय जनता पार्टी की महिला बहनों सरस्वती शिशु मंदिर की दीदियों को आमंत्रित किया गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूर्ण होने पर प्रत्येक गांव,प्रत्येक बस्ती हर घर पर जाकर गृह संपर्क अभियान चलाया जाना है जिसमें माताओं बहनों का सक्रिय भागीदारी पर प्रकाश डाला गया धर्मांतरण,महिला सशक्तिकरण, सामाजिक भागीदारी जैसे विषयों पर जागरूक किया गया मां संचालन रागिनी केसरवानी खंड संयोजिका सारंगढ़ द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन रत्नज्योति रात्रे जिला संयोजिका द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर साइकिल रैली, शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

शतरंज से निरंतरता और तार्किक शक्ति का होता है विकास- कलेक्टर

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिले में सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जो कचहरी चौक, नेताजी चौक, लिंक रोड होते हुए पुनः हाई स्कूल मैदान में संपन्न हुई। साइकिल रैली के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, फिटनेस और खेलों के महत्व का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया। इसके साथ ही जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का भी आयोजन हसदेव पब्लिक स्कूल में जिला प्रशासन एवं जिला शतरंज संघ के तत्वाधान में किया गया। जिसमें कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने पहुंचकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्राफी, मोमेंटो और मेडल से सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कहा कि बचपन से ही खेलों में सहभागिता से तार्किक शक्ति, मानसिक मजबूती और अनुशासन का विकास होता है। यह खेल न केवल बौद्धिक क्षमता को विकसित करता है, बल्कि धैर्य, निरंतरता और एकाग्रता बनाए रखने की प्रेरणा भी देता है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सभी विजेता एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर एचपीएस प्रिंसिपल एमके शर्मा ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर बधाई दी। इस अवसर पर वाइस प्रिंसिपल श्रीमती कमल अंववानी, जिला शतरंज संघ अध्यक्ष देवेंद्र कुमार राठौर, उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार यादव, कोषाध्यक्ष लोकेश यादव, श्रीमती जयंती यादव, मनीष सूर्यवंशी, मनोज कुमार सोनी, संजय बरगाह सहित एच पी एस, जिला शतरंज संघ सदस्य मौजूद रहे।

प्रथम बने शतरंज प्रतियोगिता के चैंपियन

जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में 86 खिलाड़ियों को हराकर प्रथम राठौर ने चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। द्वितीय स्थान परितोष साहू, तृतीय स्थान विवेक कुमार सोनी को मिला। इसके अलावा केटेगरी वर्ग में विजेता अंडर 09 वेदांश यादव, अनाया लकड़ा, अंडरङ्13 सिद्धार्थ ठाकुर,कुमारी रिमझिम केवट अंडर 15 अथर्व पालीवाल, कृतिका साहू, विशेष पुरस्कार के रूप में अंडर 7 वर्ग बालक बालिका में प्रद्युमन, आमंदी को किया गया पुरस्कृत। इसके साथ ही वेदांश यादव को इंटरनेशनल रेटिंग शुरू करने पर भी विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे लोगों ने बताई अपनी समस्याएं

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 70 आवेदन प्राप्त हुए।

आज जनदर्शन में ग्राम सलखन के बिसाहू राम कश्यप अपने स्वास्थ्य संबंधी इलाज हेतु आवेदन लेकर पहुंचे। इस पर कलेक्टर ने सिविल सर्जन को बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार तहसील अकलतरा के ग्राम तागा निवासी गेंदलाल ने फसल नुकसान की मुआवजा राशि दिलाने का आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम अकलतरा को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तहसील नवागढ़ के ग्राम सेमरा निवासी श्रीमती सुखीन मानिकपुरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, तहसील मुख्यालय अकलतरा के वार्ड क्रमांक 1 निवासी विवेकदास मानिकपुरी ने पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत लाभ दिलाने, तहसील शिवरीनारायण के ग्राम कुरियारी निवासी श्रीमती पांचों बाई ने निजी भूमि पर किये जा रहे अवैध कब्जा को हटाने, तहसील बलौदा के ग्राम पिसौद निवासी जागेश्वर प्रधान ने राशन कार्ड बनाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिक व पुलिसकर्मियों को किया गया सम्मानित

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 गणमान्य नागरिकों और 30 पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान हर माह की पहली तारीख को उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया जाता है।

सोनियापाठ के रमेश दास महंत और नवागढ़ के साधराम साहू ने सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को अपनी कार से अस्पताल पहुंचाया। सिलादेही के भूपेंद्र कुमार साहू ने एक लाख रुपये से भरा बैग उसके मालिक को लौटाया। वहीं, मुनीराम साहू ने बम्हनीडीह में सीसीटीवी लगाने में सहयोग किया। करूमहु के अमित बंजारे, विष्णु प्रसाद और अश्वनी लहरे ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। चांपा के अतुल शर्मा, जयेश साहू व प्रदीप यादव ने चोरी के मामले में पुलिस की मदद की। उत्कृष्ट पुलिस कार्यों में साइबर टीम के निरीक्षक सागर पाठक सहित 10 कर्मियों को लूट, चोरी और हत्या के मामलों में आरोपियों को पकड़ने पर सम्मानित किया गया। थाना शिवरीनारायण के निरीक्षक प्रवीण द्विवेदी और उनकी टीम, थाना बलौदा के निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव व टीम, तथा थाना चांपा के स्ढ्ढ अरुण सिंह और उनकी टीम को अपराधियों की गिरफ्तारी में सफलता पर प्रशंसा मिली। यातायात शाखा के निरीक्षक लालन पटेल व टीम को भी चालानी कार्रवाई हेतु सम्मान मिला।

यूरिया खाद की किल्लत और कालाबाज़ारी के खिलाफ आप का धरना

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश में यूरिया खाद की किल्लत और कालाबाज़ारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने आज 1 सितम्बर 2025 को प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन किया गया। आम आदमी पार्टी के संगठन मंत्री अभिषेक मिश्रा ने बताया है कि आज जांजगीर जिले के कचहरी चौक पर प्रदेश में किसानों की समस्यायों पर धरना प्रदर्शन किया गया।

उन्होंने कहा कि आधा खरीफ सीजन गुजर जाने के बाद भी राज्य में यूरिया की कमी किसानों के लिए चिंताजनक है। इस बार सरकार समय पर डीएपी खाद भी उपलब्ध नहीं करा पायी है। आज जो यूरिया और खाद की कमी हुई है इसमें सरकार की नाकामी है। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री जी ने खाद और यूरिया कि पर्याप्त आपूर्ति की बात कही थी लेकिन वो भी एक जुमला ही निकला? छत्तीसगढ़ में इस खरीफ सीजन के लिए किसानों ने करीब 1200 करोड रुपए का कर्ज लेकर धान और अन्य फसलों की जैसे तैसे खाद की कमी के बावजूद बुवाई की है लेकिन सही समय पर यूरिया की कमी से उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

आप के जिला अध्यक्ष डॉ हेमंत कश्यप ने बताया कि बारिश के इस महत्वपूर्ण समय में यूरिया की अनुपलब्धता से फसल उत्पादन पर असर पड़ने का भी खतरा मंडरा रहा है अब तक किसानों की जरूरत का आधा या उससे भी कम यूरिया मिल पाया है जिससे उनकी मेहनत और लागत पर संकट छाया हुआ है। आज किसानों को 266 रूपये में मिलने वाला यूरिया 1200 में लेना पड़ रहा है और पहले 1350 रुपए प्रति बैग वाली डीएपी को 2200 रूपये में निजी विक्रेताओं से मजबूरी में खरीदना पड़ा था। यूरिया की किल्लत और कालाबाज़ारी से राज्य के किसान परेशान हैं। जिला सचिव विनय गुप्ता ने सवाल किया कि प्रदेश सरकार की नाकामी से सबका पेट भरने वाला किसान आज परेशान है,जिले के कई क्षेत्रों में कम वर्षा के कारण खेतों में दरारे पड़ रहीं हैं उस पर किसानों को समय पर यूरिया और खाद कालाबाजारी और जमाखोरी के कारण नहीं किसानों तक नहीं पहुंचा है। इसी संबंध में आज आम आदमी पार्टी जिला जांजगीर और जिले के किसानों ने मिलकर एसडीएम को ज्ञापन दिया गया है। किसानों की परेशानियां दूर नहीं की तो आम आदमी पार्टी किसानों के साथ मिलकर सड़क पर उतरकर और बड़ा आंदोलन करेगी। इस धरना प्रदर्शन में लोकसभा सचिव राजेश पुरी गोस्वामी, जिला संगठन मंत्री अविनाश ठाकुर,जिला उपाध्यक्ष राहुल राय और रामकृष्ण कश्यप, ललित बघेल रमहैया रत्नाकर, प्रेम प्रकाश पाण्डेय डॉ रामराज कुर्रे, रामप्यारे साहू रामनाथ कश्यप, हेमंत कश्यप गणेश बिंद किसान विंग प्रभारी फ़िरतरम मनहर, साहेब लाल यादव, परदेशी कश्यप, बीना पटेल, अजय कश्यप,कृष्णा पटेल, राकेश विश्वकर्मा, ऋषि यादव, अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ड्रिंक एंड ड्राइव पर पुलिस की सख्त कार्रवाई

सड़क हादसों में 40 प्रतिशत की कमी का दावा

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन हेतु पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार के नेतृत्व में अगस्त माह में यह अभियान ज़ोरशोर से चलाया गया। जिसका परिणाम अगस्त माह की तुलना में इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 40 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

इस विशेष अभियान के तहत 121 शराबी वाहन चालकों को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध धारा 185 मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए वाहन ज़ब्त कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। तेज़ गति, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ट्रिपल सवारी, मालवाहक में सवारी बैठाने जैसे विभिन्न उल्लंघनों पर कुल 1697 चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। ओवरस्पीडिंग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लाइसेंस निलंबन की प्रक्रिया भी की जा रही है। इस अभियान की सफलता का परिणाम यह रहा कि पिछले वर्ष अगस्त माह की तुलना में इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 40 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। 2024 के अगस्त में जहां 20 लोगों की मृत्यु हुई थी, वहीं 2025 के अगस्त में यह आंकड़ा घटकर 13 रह गया। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

कुल 121 गिरफ्तारियाँ

ड्रिंक एंड ड्राइव के अंतर्गत 121 कार्यवाहियाँ एवं आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत 116 मामलों में कुल 121 गिरफ्तारियाँ की गईं हैं। इन सम्मिलित कार्यवाहियों के दौरान कुल 700 लीटर अवैध शराब ज़ब्त की गई है। यह उल्लेखनीय है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी का प्रत्यक्ष प्रभाव इन प्रभावी कार्यवाहियों से परिलक्षित हो रहा है। अगस्त माह में की गई ये कार्यवाहियाँ वर्ष 2025 में अब तक की सर्वाधिक हैं।

सेवा सहकारी समितियों में किसानों को नहीं मिल रहा है यूरिया खाद

डभरा, 02 सितबर (देशबन्धु)। तहसील डभरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोबरा एवं चुरतेला के सैकड़ों ग्रामीण किसानों ने 1सितंबर को एसडीएम डभरा कार्यालय पहुंच कर एसडीएम को लिखितआवेदन देकर तत्काल खाद उपलब्ध कराने की मांग किया गया। अगर एक दिवस के अंदर खाद नहीं मिला तो किसान सड़क पर उतरेंगे।हम आपको बता दें कि तहसील डभरा क्षेत्र के अधिकांश गांवों के किसानों को आज तक सेवा सहकारी समिति से यूरिया डीएपी खाद नहीं मिला है। खाद नहीं मिलने से किसानों कि खेती किसानी चौपट हो रही है। किसान खाद के लिए सोसायटी का चक्कर काट रहे है। अभी धान फसल में खाद की जरूरत है परंतु समय पर खाद नहीं मिलने से फसल उत्पादन कम होगी। ग्रामीण किसानों ने शासन प्रशासन से कई बार गुहार लगा चुके है इसके बाद भी आज तक प्रशासन द्वारा गंभीरता से नहीं लिया गया। किसान खाद के लिए भटक रहे हैं।

जबकि तहसील डभरा क्षेत्र के व्यापारियों के पास यूरिया डीएपी खाद अधिक दामों पर मिल रहा है। यूरिया 1000 एक हजार रूपये ब्लैक में व्यापारी बेच रहे है। भरपूर मात्रा में व्यापारियों के पास खाद मिल रहा है बल्कि सेवा सहकारी समितियों में खाद नहीं मिल रहा है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों द्वारा आज तक कालाबाजारी करने वाले व्यापारियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं किया गया है। न ही छापा मारा गया है दिखावे के लिए टीम गठित किया गया है जो हाथ पैर मार रही है।

देश विदेश

इंडोनेशिया ने शांति व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहराया

जकार्ता, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो ने देश भर के कई क्षेत्रों में हो रहे हालिया प्रदर्शनों के मद्देनजर सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा को बनाए रखने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों ने अपने उन सदस्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है जिन्होंने संसद में दुर्व्यवहार किया था। इसमें उनकी सदस्यता, भत्ते और विदेश यात्राएं रद्द करना शामिल है। उन्होंने प्रतिनिधि सभा के नेताओं से समुदाय के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों के समूह के साथ बातचीत शुरू करने का भी आह्वान किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि अगर प्रदर्शन अराजकता में बदलने लग जायें तो प्रशासन व जिम्मेदार एजेंसियों को मूक नहीं बने रहना चाहिए।

चीन-भारत रिश्तों के नई ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद

- **बेहद अहम मानी जा रही प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा**
- **मतभेदों को सहमति व सहयोग की राह में बाधा न बनने देने पर की चर्चा**

बीजिंग, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग सात साल बाद चीन के दौरे पर आए। उनका मुख्य मकसद शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेना है। लेकिन चीन-भारत संबंधों के लिहाज से भी पीएम मोदी की चीन यात्रा बेहद अहम मानी जा रही है। थ्येनचिन पहुंचने के बाद उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात की। पिछले वर्ष रूस के कज़ान में भेंट के बाद यह दूसरा मौका है जब दोनों नेता मिले हैं। जानकार कहते हैं कि चीन और भारत के नेताओं ने हाल के दिनों में जिस तरह से सकारात्मक कदम उठाए हैं। ऐसे में द्विपक्षीय रिश्तों के पटरी पर आने की काफी उम्मीद है।

बता दें कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ सम्मेलन के इतर बैठक की, जो कि लगभग एक घंटे तक चली। इस दौरान दोनों नेताओं ने हाल के समय में संबंध सुधारने को लेकर हुई कोशिशों और प्रयासों का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया कि चीन और भारत दो प्राचीन सभ्यताओं वाले देश हैं, दोनों विश्व के सबसे अधिक आबादी वाले राष्ट्र भी हैं। दोनों पड़ोसी देश हैं, जिनके बीच सहयोग बहुध्रुवीय दुनिया और स्थिरता के लिए बहुत अहम है। भारत और चीन साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं। ऐसे में दोनों के बीच सहमतियां मतभेदों से कहीं अधिक हैं।

31 अगस्त को दोनों नेताओं की मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर थी। भारत और अमेरिका के संबंधों में आई खटास के बाद शी और पीएम मोदी की भेंट का महत्व बढ़ गया है। चीनी राष्ट्रपति के शब्दों में, चीन और भारत ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्य हैं, साथ ही पड़ोसी भी। ऐसे में 'ड्रैगन और हाथी का साथ में डांस' साकार करना दोनों देशों के लिए अच्छा विकल्प रहेगा। दोनों प्राचीन सभ्यता वाले राष्ट्र हैं, जिनके बीच सदियों तक घनिष्ठ आदान-प्रदान रहा था। लेकिन हाल के दशकों में द्विपक्षीय संबंध उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। ऐसे में दोनों देशों की जिम्मेदारी है कि वे रिश्तों में गिरावट न आने दें, मतभेदों को सहमति और सहयोग की राह में बाधा न बनने दें।

पीएम मोदी-पुतिन की दोस्ताना मुलाकात द्विपक्षीय बैठक के लिए एकसाथ कार में पहुंचे

तियानजिन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के समापन के बाद द्विपक्षीय बैठक के लिए एक ही कार में सवार होकर मीटिंग में पहुंचे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर शेयर कर इस मुलाकात की जानकारी दी। पीएम मोदी ने फोटो शेयर करते हुए लिखा कि एससीओ शिखर सम्मेलन के बाद मैं और राष्ट्रपति पुतिन साथ में द्विपक्षीय बैठक के स्थान पर गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच मजबूत कूटनीतिक संबंधों को दर्शाती है। इससे पहले दिन में, पीएम मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति पुतिन के बीच अनौपचारिक बातचीत की तस्वीरें सामने आईं, जो एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान तीनों नेताओं के बीच हल्के-फुल्के पल को दर्शाती हैं। इन तस्वीरों में तीनों नेता मुस्कुराते और बातचीत करते नजर आए, जो रूस के कजान में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की एक समान तस्वीर की याद दिलाती हैं।

एससीओ के नेताओं ने थ्येनचिन घोषणा पत्र किया जारी

बीजिंग। शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के नेताओं ने 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद बैठक पर थ्येनचिन घोषणा पत्र जारी किया। इसके अलावा एससीओ के सदस्य देशों के नेताओं ने एससीओ की भावी दस साल (वर्ष 2026—2035) विकास रणनीति की मंजूरी की और दूसरे विश्व युद्ध की विजय और संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के बारे में बयान जारी किया। उल्लेखनीय बात है कि एससीओ के नेताओं ने बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के समर्थन पर भी बयान जारी किया। एससीओ के नेताओं ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, संस्कृति व लोगों की आवाजाही में सहयोग और संगठन के निर्माण को मजबूत करने पर 24 उपलब्धियों के दस्तावेज पारित किए।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 2 सितम्बर, 2025 भादो शुक्ल पक्ष 10

राशिफल

मेष - आज आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की जरुरत है। आपका क्रोध किसी भी काम या संबंध को बिगाड़ने का कारण बन सकता है। शरीर में स्फूर्ति का अभाव रहेगा।

वृषभ - काम में विलंब से सफलता मिलेगी। शारीरिक अस्वस्थता के कारण आप हताशा की भावना का अनुभव करेंगे। अत्यधिक काम के बोझ से थकान और मानसिक बेचैनी रहेगी। प्रवास में विघ्न आने की आशंका बनी रहेगी।

मिथुन - आपके दिन की शुरुआत ताजगी और स्फूर्ति के साथ होगी। आप मित्रों और मेहमानों के साथ भोजन या पिकनिक का आनंद उठाएंगे। आप नए परिधान, आभूषण और वाहन खरीदने की योजना बना सकते हैं।

कर्क - आज आपकी चिंताएं दूर होगी। आप खुशी अनुभव कर सकेंगे। परिजनों के साथ समय व्यतीत करके आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आपको काम में सफलता और कीर्ति मिलेगी। नौकरी में लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

सिंह - आज आप स्वयं को शारीरिक मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकेंगे। आपकी सृजनशीलता में अधिक निखार आएगा। लेखन और साहित्य में कुछ नई रचना कर सकेंगे। प्रियजन के साथ की मुलाकात आनंददायक रहेगी।

कन्या - आपको थोड़ी कठिन परिस्थिति के लिए तैयार रहना पड़ेगा। आपका स्वास्थ्य थोड़ा खराब होगा और किसी बात का डर मन में लगा रहेगा। मां के साथ मतभेद हो सकता है। सम्बंधियों के साथ मतभेद हो सकते हैं।

तुला - अभी आपका भाग्य आपके पक्ष में होने से आप कोई नया काम आसानी से शुरू कर पाएंगे। आज का दिन बहुत अनुकूल है। उचित ढंग से पैसे का निवेश करेंगे, तो निश्चित रूप से लाभ होगा।

वृश्चिक - आज आपके कुटुंब में सुख-शांति का माहौल रहेगा। सम्बंधियों और मित्रों से मिलेंगे, स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे। धार्मिक कार्यक्रम के पीछे खर्च हो सकता है। आप आभूषण और घरेलू वस्तुओं की खरीदारी कर सकेंगे।

धनु - आज के दिन आप अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखें। आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। किसी तीर्थयात्रा पर जाना हो सकता है। सगे संबंधियों और मित्रों के आने से मन खुश रहेगा।

मकर - आपका दिन धार्मिक कामों में व्यस्त होगा। किसी धार्मिक काम में आपके पैसे खर्च होंगे। परिजनों और सम्बंधियों के साथ बातचीत में ध्यान रखना पड़ेगा, अन्यथा आपकी वाणी से उनका मन दुखी हो सकता है।

कुंभ - आज आप नए काम हाथ में लेंगे। भाग्य आपके साथ रहेगा। नौकरी- धंधे में आय के नए स्रोत खड़े होंगे। आपको अपने मित्रों से लाभ हो सकेगा। समाज में आप मान- सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे।

मीन - आज का दिन आपके लिए अच्छा फलदायक रहेगा। आप कामकाज में सफलता प्राप्त करेंगे। उच्च अधिकारियों की तरफ से मिलनेवाला प्रोत्साहन आपके उत्साह में वृद्धि करेगा। व्यापार और आय में वृद्धि होगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1573-अकबर ने गुजरात फ़तह किया।
1775-पहले अमेरिकी युद्ध पोत 'हाना' का जनरल जॉर्ज वाशिंगटन ने जलावतरण किया।
1789-अमेरिका में राजस्व विभाग बनाया गया।
1926-इटली और यमन में हुए समझौते के तहत लाल सागर तट पर इटली का वर्चस्व कायम हुआ।
1930-'क्वेश्चन मार्क' नामक विमान ने यूरोप से अमेरिका के लिए बिना कहीं रुके पहली बार उड़ान भरी।
1941-प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री साधना का जन्म।
1945-पान द्वारा हार स्वीकार कर लिए जाने के बाद छह साल तक चला दूसरा विश्व युद्ध समाप्त हुआ।
1946-जवाहर लाल नेहरू के उप सभापतित्व में अंतरिम भारत सरकार का गठन।
1956-हैदराबाद से सौ किलोमीटर दूर जडचेराला और महबूब नगर के बीच पुल ढ़हने से 125 लोगों की मौत।
1962-सोवियत संघ क्यूबा को हथियार देने पर राजी हुआ।
1969-अमेरिका के न्यूयॉर्क में पैसे निकालने वाली मशीन ऑटोमैटिक टैलर मशीन (ए.टी.एम.) को पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया।
1970-कन्याकुमारी में विवेकानन्द स्मारक का उद्घाटन हुआ।
1971-भारतीय अभिनेता पवन कल्याण का जन्म।
1988-भारतीय क्रिकेटर इशांत शर्मा का जन्म।
1990-काला सागर में सोवियत यात्री जहाज के डूबने से 79 यात्री मारे गए।
1992-अमेरिका और रूस अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण के लिए संयुक्त उपक्रम बनाने पर सहमत हुए।

नेतन्याहू ने युद्ध के बाद बंधकों की रिहाई के लिए चरणबद्ध समझौते को किया खारिज

तेल अवीव, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को एक बार फिर बंधकों की चरणबद्ध रिहाई से इनकार कर दिया और कहा कि आंशिक युद्धविराम और बंधक-रिहाई समझौता मेज पर नहीं है। टाइम्स ऑफ इज़राइल की रिपोर्ट के अनुसार श्री नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम पर अपने रुख को दोहराया। उनका यह यह बयान युद्ध कैबिनेट के छह घंटे लंबे सत्र के बाद आया।

■ **नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम पर अपने रुख को दोहराया**

इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने कथित तौर पर किसी भी समझौते के लिए किसी भी आंशिक रूपरेखा को स्वीकार करने के खिलाफ आधिकारिक वोट के लिए दबाव डाला। श्री नेतन्याहू ने कहा कि वोट की कोई आवश्यकता नहीं है। यह मेज पर नहीं है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उनका रुख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी प्रभावित हो सकता है, जिन्होंने प्रधानमंत्री को फोन किया था और उन्हें बताया था कि हमास के साथ किसी भी आंशिक समझौते को स्वीकार करने के बजाय इज़रायल को आतंकवादी समूह से पूरी ताकत से लड़ना चाहिए।

एचआरसीपी ने की पाकिस्तान से जबरन गुमशुदगियों की प्रथा खत्म करने की अपील

जबरन गुमशुदगियों, हिरासत में प्रताड़ित करने व फर्जी मुठभेड़ों में शामिल व्यक्तियों और संस्थानों को जवाबदेह ठहराया जाए : एचआरसीपी

इस्लामाबाद, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सरकार से देश में जबरन गुमशुदगियों की प्रथा समाप्त करने की तत्काल अपील की है। आयोग ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मानवता के खिलाफ अपराध करार देते हुए कहा कि सभी पीड़ितों को सुरक्षित ढंग से बरामद कर अदालतों में पेश किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय जबरन गुमशुदगी पीड़ित दिवस पर एचआरसीपी ने कहा कि राज्य को इस अमानवीय प्रथा को खत्म करना चाहिए। हम मांग करते हैं कि सभी गुमशुदा व्यक्तियों को तुरंत सुरक्षित रूप से बरामद कर अदालत में पेश किया जाए। जिन पर कोई आरोप हैं, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई हो और उन्हें निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार दिया जाए। एचआरसीपी ने मांग की कि सरकार जल्द से जल्द जबरन गुमशुदगी को अपराध घोषित करने के लिए कानून बनाए और अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन 'इंटरनेशनल कन्वेंशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ ऑल पर्सन्स फ्रॉम एनफोर्स्ड डिसअपियरेंस' की पुष्टि और क्रियान्वयन करे। आयोग ने यह भी कहा कि जबरन गुमशुदगियों, हिरासत में प्रताड़ित करने और फर्जी मुठभेड़ों में शामिल व्यक्तियों और संस्थानों को जवाबदेह ठहराया जाए। साथ ही, जबरन गुमशुदगी जांच आयोग के नए अध्यक्ष की नियुक्ति और आयोग का पुनर्गठन किया जाए ताकि पीड़ित परिवारों को बेहतर तरीके से न्याय मिल सके।

एचआरसीपी ने पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए एक पारदर्शी मुआवजा तंत्र लागू करने की भी मांग की, खासकर उन महिलाओं के लिए जिन्होंने अपने परिवार के कमाने वाले सदस्य को खो दिया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान, विशेषकर बलूचिस्तान से, जबरन गुमशुदगियों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

अमेरिका को डाक सेवा निलंबित, पाकिस्तान समेत कई देशों ने पार्सल डिलीवरी रोकी

इस्लामाबाद, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा लगाए गए नए टैक्स और टैरिफ नियमों के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका को जाने वाली डाक सेवा अस्थायी रूप से निलंबित कर दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान पोस्ट ने अमेरिका के लिए बुक की गई डाक की डिलीवरी रोक दी है, क्योंकि आशंका है कि वाशिंगटन के नए नियमों के तहत यह वापस लौटा दी जाएगी।

अमेरिकी प्रशासन ने 25 जुलाई को जारी आदेश के तहत पहले से लागू ड्यूटी-फ्री सुविधा को समाप्त कर दिया है। नए फैसले से अमेरिकी डाक व्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है, क्योंकि अब अमेरिका जाने वाली सभी डाक पर टैक्स देना अनिवार्य होगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पोस्टल कम्युनिकेशन प्रभावित हुआ है। केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, स्वीडन, जर्मनी, इटली और डेनमार्क जैसे देशों ने भी अमेरिका को सामान भेजने पर रोक लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया पोस्ट ने 26 अगस्त से अमेरिका और प्यूर्टो रिको को डाक भेजने पर आंशिक निलंबन की घोषणा की। एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अमेरिकी सरकार द्वारा कस्टम और इंपोर्ट टैरिफ नियमों में हाल में किए गए बड़े बदलावों के चलते लिया गया है। अब 800 अमेरिकी डॉलर तक की वैल्यू वाले सामान पर भी ड्यूटी लगाई जाएगी, जबकि पहले यह टैक्स-फ्री होता था।

अमेरिका ने फिलिस्तीनी वीजा पर लगी पाबंदियों को बढ़ाया

वाशिंगटन, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका ने फिलिस्तीनी पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा पाबंदियों को बढ़ाते हुए वीजा की लगभग सभी श्रेणियों के अनुमोदन पर रोक लगा दी है।

न्यूयार्क टाइम्स ने रविवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि लगाई गई वीजा पाबंदी में चिकित्सा, विश्वविद्यालय अध्ययन, व्यावसायिक यात्रा, और मित्रों या परिवार से मिलने की श्रेणी के आवेदन भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के ये नियम केवल गाजा के निवासियों पर लागू होते थे पर अब नई नीति पश्चिमी तट और पूरे प्रवासी समुदाय में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों पर लागू हो जाएगी।

इससे पहले इसी महीने के शुरुआत में ट्रम्प प्रशासन ने फिलिस्तीन मुक्ति संगठन और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के सदस्यों के वीजा आवेदन रद्द कर दिए थे। जिससे उनके न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने से रोक लग गई थी। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर लिया गया है।

चिंताजनक *अवामी लीग ने की राजनीतिक पार्टियों के कार्यालय पर हुए हमले की कड़ी निंदा, कहा*

मुहम्मद यूनुस गुट ने बांग्लादेश को बनाया जीता-जागता नर्क

■ **अवामी लीग ने राजनीतिक रूप से जागरूक व देशभक्त नागरिकों से एकजुट होकर बांग्लादेश को बचाने का किया आह्वान**

ढाका, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। बांग्लादेश अवामी लीग ने सोमवार को देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में से एक जातीय पार्टी (जापा) के कार्यालय पर हुए हमले, तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की कड़ी निंदा की। मीडिया के मुताबिक, शनिवार शाम को ढाका के ककरैल स्थित जापा के केंद्रीय कार्यालय पर हमला किया गया और उसमें आग लगा दी गई। यह घटना उसी इलाके में पार्टी के कार्यकर्ताओं और गोनो अधिकार परिषद के कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झड़पों के एक दिन बाद हुई। हमले के बाद, जापा अध्यक्ष के प्रेस सचिव और संयुक्त महासचिव खांडेकर देलवर जलाली ने कहा कि हमलावरों ने ककरैल स्थित जातीय पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आग लगा दी।

उन्होंने ग्राउंड फ्लोर पर स्थित लाइब्रेरी की किताबें, महत्वपूर्ण दस्तावेज और फर्नीचर जला दिए। पार्टी का कहना है कि केवल एक लालची सरकार ही जिसमें लोगों के प्रति कोई जवाबदेही या जिम्मेदारी की भावना न हो, इतने लापरवाह तरीके से सत्ता पर काबिज हो सकती है। यूनुस गुट ने देश को एक जीता-जागता नर्क बना दिया है। खांडेकर देलवर जलाली ने कहा कि यह हमला जातीय पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा अपने निर्धारित कार्यक्रम समाप्त करने और कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुरोध पर ऑफिस खाली करने के बाद हुआ। इसके बाद आए लगभग 20 से 30 लोगों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ दिए और आगजनी की घटना को अंजाम दिया।

मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए अवामी लीग ने आरोप लगाया कि इस सरकार की शह पर बांग्लादेश में भीड़-आतंकवाद बेरोकटोक चल रहा है। लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं और अंतरिम सरकार चुप है। देशभर में एक के बाद एक अजीबो-गरीब और भयावह घटनाएं सामने आ रही हैं।अवामी लीग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि इन घटनाओं के पैटर्न को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि फांसीवादी यूनुस गुट जानबूझकर इन घटनाओं को अंजाम दे रहा है या इसमें पूरी तरह से उदासीनता दिखा रहा है।

सुडोकू 7022

7	9			5			2	
		2	7					4
	8							
				7	8	4		9
	6						7	
1		4	3	2				
							6	
6					7	3		
	3			4			9	2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 7022

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:-
१. जल सेना का प्रमुख
४. पवित्रता, शुद्धता (उर्दू)
६. निपुण, दक्ष (उर्दू)
७. प्राप्त लब्ध (उर्दू)
८. पदार्पण करना
१०. आचरण, प्रकृति
११. वर्षण, वर्षा होना
१३. जिसके बाल खड़े हों
१४. गंभीर, संवेदनशील
१५. नया पैदा
१७. विद्यमान रहना, निवास करना
१९. उदासी
२१. लौंग
२२. शत्रु, शिव
२४. सृजनात्मक

ऊपर से नीचे:-
१. छोटे बच्चे, नवजात शिशु
२. सामान, माल असबाब (उर्दू)
३. माफी मांगना
४. 'पासपोर्ट'
५. अवश्य (उर्दू)
९. पार लगना, नौकायन
११. आत्म-रक्षा
१२. चेतनायुक्त
१३. रहमदिल
१४. भरा-पूरा, समृद्ध
१५. नयापन
१६. जादू के खेल दिखाने वाला (उर्दू)
१८. रूपवती
१९ . प्रफुल्लित होना
२०. नक्षत्र, सितारा
२३. संग्राम, युद्ध

वर्ग पहेली-7021

१ च	टु	२ ला	ल	३ स	■	४ व	क्ष	५ स्थ	ल
र्म	■	भ	■	६ म	वे	शी	■	गि	■
७ का	रिं	दा	■	झ	■	८ क	ल्प	त	९ रू
र	■	य	■	१० दा	य	र	■	■	प
■	११ मि	क	१२ दा	र	■	■	१३ ब	ढ़ि	या
■	लि	■	खि	■	१४ वि	द्रो	ह	■	पै
१५ ब	द	१६ हा	र	■	वा	■	१७ स	१८ ह	सा
र	■	स्य	■	१९ ना	ह	२० क	■	ल	■
२१ सा	रं	गी	■	सू	■	२२ जा	य	फ	२३ ल
त	■	२४ त	त्प	र	ता	■	■	■	ज्जा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 7022 का हल

7	9	3	8	5	4	1	2	6
5	1	2	7	6	3	9	8	4
4	8	6	1	9	2	5	3	7
3	2	5	6	7	8	4	1	9
9	6	8	4	1	5	2	7	3
1	7	4	3	2	9	6	5	8
2	4	7	9	3	1	8	6	5
6	5	9	2	8	7	3	4	1
8	3	1	5	4	6	7	9	2

दुनिया को जानें

1985 में समंदर की गहराई से निकला था टाईटैनिक का राज

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। 1912 में डूबा टाइटैनिक जहाज दशकों तक रहस्य बना रहा। लेकिन 1 सितंबर 1985 को अमेरिकी वैज्ञानिक बॉब बैलार्ड और उनकी टीम ने आखिरकार अटलांटिक महासागर की गहराइयों में टाइटैनिक का मलबा खोज लिया। यह खोज विज्ञान के लिए बड़ी उपलब्धि थी।

रिसर्च जहाज नॉर पर लगी स्क्रीन पर अचानक धुंधली-सी तस्वीर आई, उसमें एक बड़ा धातु का सिलेंडर दिखा। टीम ने सोचा कि यह किसी जहाज का बॉयलर है। इसके बाद तुरंत बॉब बैलार्ड को बुलाया गया और जैसे ही उन्होंने तस्वीर देखी उनको समझ आ गया कि यह टाइटैनिक है। टाइटैनिक अपनी पहली यात्रा में 1912 में आईसबर्ग से टकराकर डूब गया था। उसके मलबे का मिलना एक बड़ा एतिहासिक क्षण था। इस खोज के बाद डॉक्यूमेंट्री, म्यूजियम प्रदर्शनी और यहां तक की 1997 की सुपरहीट फिल्म टाइटैनिक का जुनून भी दुनिया पर छा गया। बैलार्ड के लिए यह खोज आसान नहीं थी। 1977 में की गई एक कोशिश नाकाम रही थी, जब भारी पाइप टूट गया। इसके बाद बैलार्ड ने सीखा कि गहरे पानी में कैमरे और रोबोटिक वाहनों का इस्तेमाल ज्यादा असरदार होगा।

खेल जगत

विश्व कप 2027 की योजनाओं में शामिल हैं डेविड मिलर : बावुमा

नई दिल्ली। 36 वर्षीय डेविड मिलर ने मार्च में साउथ अफ्रीका के चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए भी टीम में शामिल नहीं किया गया, लेकिन कप्तान टेंबा बावुमा ने स्पष्ट किया है कि मिलर वर्ल्ड कप 2027 के लिए दक्षिण अफ्रीका की वनडे योजनाओं में शामिल हैं। डेविड मिलर ने क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) के साथ एक हाइब्रिड अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। मिलर ने हाल ही में संपन्न 'द हंड्रेड' में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के साथ खेलने के लिए अगस्त में ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे को छोड़ दिया था। भले ही मिलर इंग्लैंड में वनडे टीम से भी बाहर हैं, लेकिन 10 सितंबर से शुरू होने जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में वापसी करेंगे।

आईसीसी ने महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए पुरस्कार राशि में चार गुना वृद्धि की

दुबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारत में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्वकप के लिए पुरस्कार राशि में चार गुना से अधिक की वृद्धि की है।

आईसीसी द्वारा आज की गई घोषणा के अनुसार, न्यूजीलैंड में 2022 में खेले गए इस टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में कुल पुरस्कार राशि 35 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 30.80 करोड़ रुपये) थी। जिसे इस बार बढ़ाकर कुल 138.8 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 117.74 करोड़ रुपये) कर दिया है। यह राशि 2023 में होने वाले पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए निर्धारित पुरस्कार राशि एक करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 88 करोड़ रुपये) से भी अधिक है। आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है, महिला क्रिकेटरों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे इस खेल को पेशेवर रूप से चुनेंगी तो उनके साथ पुरुषों के समान व्यवहार किया जाएगा। आईसीसी ने टूर्नामेंट के प्रत्येक चरण के लिए पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की है। विश्वकप विजेता को अब 44.8 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 39.42 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह 2022 में ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को मिली 13.2 लाख अमेरिकी डॉलर (11.62 करोड़ रुपये) की राशि से दोगुना से अधिक है। उपविजेता टीम को 22.4 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। हारने वाले दोनों सेमीफाइनलिस्टों को 11.2 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। ग्रुप-स्टेज में प्रत्येक जीत के लिए विजेताओं को 34,314 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को सात लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 2,80,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

> यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है : जय शाह

विमेंस वर्ल्ड कप में प्राइज मनी बढ़ने से युवा क्रिकेटर्स को प्रोत्साहन मिलेगा : झूलन

नई दिल्ली। पिछले संस्करण की तुलना में इस बार विमेंस वर्ल्ड कप 2025 की प्राइज मनी में करीब 297 प्रतिशत इजाफा हुआ है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के इस फैसले पर खुशी जताई है। झूलन गोस्वामी ने आईसीसी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोमवार को पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि यह बहुत अच्छी बात है। मैं इसके लिए आईसीसी को धन्यवाद देना चाहूंगी। जिस तरह से उन्होंने इस बारे में सोचा, मुझे लगता है कि निश्चित रूप से महिलाओं के क्रिकेट को इससे काफी बढ़ावा मिलेगा। इससे उभरते हुए युवा क्रिकेटर्स को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इससे खिलाड़ियों के माता-पिता को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुझे लगता है कि यह महिलाओं के क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी खबर है। निश्चित रूप से यह सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के लिए कुल प्राइज मनी 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर निर्धारित की गई है।

टेनिस प्रीमियर लीग का ऐतिहासिक सातवां सीजन अहमदाबाद में

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का सातवां सीजन नौ से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय टेनिस स्टेडियम आयोजित होगा।

महाराष्ट्र के बाहर पहली बार आयोजित होने वाले टीपीएल के सातवें सीजन में लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, महेश भूपति, रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे जैसे दिग्गजों द्वारा समर्थित आठ-फ्रैंचाइजी प्रतियोगिता में एटीपी रैंकिंग में 30 से 50 के बीच रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारे, दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना सहित भारत के शीर्ष खिलाड़ी शामिल होंगे।

टीपीएल के सह-संस्थापक, कुणाल ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि हमें टीपीएल को पहली बार गुजरात में लाकर खुशी हो रही है। शहर की ऊर्जा, बुनियादी ढांचा और खेलों के प्रति जुनून इसे एक आदर्श मेजबान बनाते हैं। सातवां सीजन अहमदाबाद के प्रशंसकों के लिए विश्व स्तरीय टेनिस एक्शन प्रदान करते हुए एक विशेष संस्करण होने का वादा करता है। गुजरात टेनिस संघ के सचिव श्रीमल भट्ट ने कहा कि गुजरात के इतिहास में पहली बार, 30 से 50 वर्ष की आयु के शीर्ष एटीपी रैंकिंग वाले खिलाड़ी हमारे राज्य में आ रहे हैं। यह गुजरात में टेनिस के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा।

चीनी ताइपे को 15-0 से हराकर मलयेशिया पूल बी में शीर्ष पर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

राजगीर (बिहार), 1 सितम्बर (देशबन्धु)। स्ट्राइकर अखिमुल्लाह अनुर के पांच, अशरान हमसानी के चार तथा सुमंत्री नूरफायक की हैट्रिक की बदौलत मलयेशिया ने सबसे कमजोर चीनी ताइपे को 12 वें पुरुष हॉकी एशिया कप में पूल बी में आखिरी मैच में सोमवार को 15-0 से हरा कर मौजूदा टूर्नामेंट की सबसे बड़ी और लगातार तीसरी जीत के साथ कुल नौ अंक ले शीर्ष पर रह कर सुपर 4 में स्थान पा लिया। जेता मलयेशिया की ओर से आइमन रोजमी, एंडी वलिफायन, अबुलकमल अजराय ने भी एक गोल दागा। मलयेशिया को दो पेनल्टी स्ट्रोक मिले और इनमें मात्र एक पर अखिमुल्ला अनुर ने गोल किया। मलयेशिया ने मौजूदा टूर्नामेंट में सबसे बड़ी जीत दर्ज कर 15 में 14 मैदानी गोल किया और एक गोल पेनल्टी स्ट्रोक पर किया। मलयेशिया को मैच में तीन और चीनी ताइपे को चार पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन कोई भी टीम इस पर गोल नहीं कर पाई।

दक्षिण कोरिया भी दूसरी जीत से सुपर 4 में

स्ट्राइकर देन सन के एक मैदानी और पेनल्टी कॉर्नर दागे एक सहित दागे दो तथा था सियोंगवू ली, सियोंग हो तथा आखिरी क्षण में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर जिहुन यांग के एक एक गोल की बदौलत दक्षिण कोरिया ने बांग्लादेश को 12 वें पुरुष हॉकी एशिया कप में 5 -1हराकर पूल बी में तीन मैचों से छह अंक हासिल कर दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 4 में स्थान बना लिया। पराजित बांग्लादेश की ओर से इकलौता गोल शाहनुर ने दागा। दोनो टीमे को तीन तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले और दोनो ने ही एक एक को गोल मे बदला। मैच में शुरू 22 मे ही 4-1 की बढ़त हासिल कर ली। दक्षिण कोरिया ले शुरू के 22 वे मिनट में ही चार गोल दाग कर बढ़त ले ली थी लेकिन इसके ठीक बाद बांग्लादेश ने एक गोल किया और मैच खत्म होने से मात्र एक सेकंड पहले जिहुन यांग ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल मे बदल कर दक्षिण कोरिया को जीत दिलाई। दक्षिण कोरिया अपने पूल के सबसे अहम मैच बढ़त लेने के बाद मलयेशिया से 1-4 से हार गई थी। दक्षिण कोरिया ने तीन मैचों में दो जीत के साथ छह अंक हासिल करने के साथ 13 गोल किए और पांच गोल खाए और उसका गोल अंतर +8 रहा।

आकर्शी कश्यप को मिला एनटीपीसी कोरबा का समर्थन

रायपुर। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार आकर्शी कश्यप को एनटीपीसी कोरबा ने अपनी सीएसआर पहल के तहत समर्थन दिया है। आकर्शी ने लागोस इंटरनेशनल क्लासिक्स 2025 में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। आकर्शी ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि एनटीपीसी कोरबा और मेरे शुभचिंतकों के निरंतर समर्थन के बिना संभव नहीं थी। यहां का अनुभव मुझे और कड़ी मेहनत करने और बड़ी सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित करता है। आकर्शी की अगली चुनौती वियतनाम इंटरनेशनल सीरीज़ है जो नौ से 14 सितंबर 2025 तक खेली जाएगी।

वेस्ट दिल्ली लायंस ने जीता डीपीएल 2025 का खिताब

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। नितीश राणा (एक विकेट/79रन) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत वेस्ट दिल्ली लायंस ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को छह विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 का खिताब अपने नाम किया। अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात हुए रोमांचक फाइनल मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 173 रनों का स्कोर खड़ा किया। युगल सैनी ने 48 गेंदों में 65 रन बनाये। प्रांशु विजयरन ने 25 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली। आर्यन राणा (21), सिद्धार्थ जून (10) और जोंटी सिद्धू ने 10 रनों का योगदान दिया। मैच की शुरुआत में ही किंग्स का शीर्ष क्रम दबाव में लड़खड़ा गया और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। एक समय तो वे 78/6 के स्कोर पर लड़खड़ा रहे थे और वेस्ट दिल्ली लायंस पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थी। जब युगल सैनी और प्रांशु विजयरन क्रीज पर आए तो कहानी नाटकीय रूप से बदल गई। दोनों ने धैर्य, संयम और चतुराई भरे शॉट चयन का परिचय देते हुए सातवें विकेट के लिए 78 रनों की शानदार साझेदारी की। युगल ने 48 गेंदों पर 65 रनों की दृढ़ पारी खेलकर पारी को संभाला, जिसमें लगातार रन बनाने के साथ-साथ समय पर चौके भी शामिल थे। दूसरे छोर पर, प्रांशु ने शानदार आक्रामक खेल दिखाया और सिर्फ़ 24 गेंदों पर नाबाद 50 रनों की शानदार पारी खेली। अंतिम ओवरों में उनके निडर स्ट्रोक्स ने सुनिश्चित किया कि किंग्स न केवल वापसी करें, बल्कि लायंस के शुरुआती दबदबे को कम करते हुए शानदार लय भी बनाए रखें।

केरल पर्यटन मंत्री आज सीताथोडे कयाकिंग उत्सव का करेंगे उद्घाटन

पथनमथिट्टा, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। केरल के पर्यटन मंत्री पी ए मोहम्मद रियास मंगलवार को सीताथोड़े में राज्य पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित कोडियेरी बालकृष्णन मेमोरियल सीताथोड कयाकिंग महोत्सव के पहले संस्करण का उद्घाटन करेंगे। सुबह 9.30 बजे शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विधायक केयू जनीश कुमार करेंगे जबकि उपाध्यक्ष चित्तयम गोपकुमार कोन्नी में सीताथोड़े अग्निशमन केंद्र के पास कक्कट्टार नदी में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं को हरी झंडी दिखाएंगे। पर्यटन विभाग के अंतर्गत केरल एडवेंचर टूरिज्म प्रमोशन सोसाइटी (केएटीपीएस) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को तकनीकी रूप से केरल कयाकिंग सोसाइटी और कैनोइंग एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त है। प्रतियोगिताओं का आयोजन पुरुष, महिला, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित श्रेणियों में किया जाएगा जो 15 वर्ष से अधिक आयु के कयाकरों के लिए खुली है। कुल 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है जिनमें पुरुष एकल में 40, महिला एकल में 14, पुरुष युगल में 34, महिला युगल में आठ और मिश्रित युगल में 14 प्रतिभागी शामिल हैं।

हम यहां जीत-हार गिनने नहीं, बल्कि ट्रॉफी उठाने आए हैं : मनप्रीत

> हम अपनी गलतियों को सुधारेंगे और जोरदार वापसी करेंगे : मनप्रीत सिंह

विशाखापट्टनम, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग 2025 (पीकेएल) के छठे मुकाबले में हरियाणा स्टीलर्स को बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ 44-54 से शिकस्त झेलनी पड़ी। हालांकि, सीजन का पहला मैच गंवाने पर हेड कोच मनप्रीत सिंह ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि टीम जीत-हार गिनने नहीं, बल्कि ट्रॉफी उठाने के मकसद से इस सीजन में उतरी है। मनप्रीत सिंह ने कहा कि हमने बहुत अच्छा खेला। हमारी रेडिंग मजबूत थी। हमारा डिफेंस भी मजबूत था, लेकिन मैच जीतने और ट्रॉफी जीतने में बहुत अंतर होता है। कोच के मुताबिक, टीम अभी भी अपनी लय हासिल कर रही है। पहले मैच में शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल होता है। हर लीग में टीम को जमने में एक या दो मैच लगते हैं। एक बार टीम जम जाए, तो आपको हरियाणा स्टीलर्स बिल्कुल अलग नजर आएगी मनप्रीत सिंह ने कहा कि यह बस पहला कदम है। हम यहां जीत-हार गिनने नहीं आए हैं, हम यहां अंत में ट्रॉफी उठाने आए हैं। कोच ने कहा कि हम अपनी गलतियों को सुधारेंगे और जोरदार वापसी करेंगे। जब यह टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी, तो सभी पर इसका असर महसूस होगा। हरियाणा स्टीलर्स सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं करेगी। हम यहां विपक्षियों पर हावी होने आए हैं। स्टार रेडर नवीन कुमार ने हार पर कहा कि हम मैच इसलिए हार गए क्योंकि हमने वो नहीं किया जो कोच ने हमें करने को कहा था। खिलाड़ियों ने संघर्ष किया, लेकिन हमने सुपर रेड जैसी कुछ गलतियां की, जिनका बंगाल वॉरियर्स ने फायदा उठाया। यह छोटी-मोटी गलतियां हैं। हम इन्हें जल्दी ठीक कर लेंगे। बंगाल वॉरियर्स की टीम ने पहले हाफ में 23-19 से लीड बना रखी थी। इस दौरान रेड प्वाइंट्स के मामले में हरियाणा स्टीलर्स 17-14 से आगे थी, लेकिन टैकल प्वाइंट्स के मामले में बंगाल वॉरियर्स के पास तीन अंकों की बढ़त थी।

सार संक्षेप

उत्तर मुंबई में होगा सांसद खेल महोत्सव

मुम्बई। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयुष गोयल ने हॉकी, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल, जेवलिन, शूटिंग, तीरंदाजी खेलों से खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए कांदिवली पश्चिम स्थित एमसीए क्लब में सोमवार को उत्तर मुंबई में सांसद खेल महोत्सव की घोषणा की। श्री गोयल ने आज यहां मुम्बई स्पोट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद खेल महोत्सव की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव 21 सितंबर से 25 दिसंबर के बीच व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम खेल को हर घर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य लगभग एक लाख खिलाड़ियों को जोड़ने और भारत में खेले जाने वाले सभी खेलों जैसे हॉकी, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल, जेवलिन, शूटिंग, तीरंदाजी आदि को प्रोत्साहन देने का है।

शेफील्ड यूनाइटेड ने मिडफील्डर एलेक्स माटोस को अपने साथ जोड़ा

नई दिल्ली। शेफील्ड यूनाइटेड ने मिडफील्डर एलेक्स माटोस को अपनी टीम में शामिल कर लिया है। यह करार तीन वर्षों के लिए है। शेफील्ड यूनाइटेड फ्रेंचाइजी चेल्सी को एक ऐसे खिलाड़ी की सेवाओं के लिए भुगतान करेगा, जो अलग-अलग पोजीशन पर खेल सकता है। फिलहाल, यह पता नहीं लग सका है कि इसके लिए शेफील्ड यूनाइटेड ने कितनी रकम चुकाई है। 3 अक्टूबर 24 को बेडफोर्ड में जन्मे एलेक्स माटोस ने ल्यूटन टाउन से फुटबॉल करियर की शुरुआत की। इसके बाद साल 216 में नॉर्विच सिटी गए। नॉरफॉक में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से पहचान बनाई। वह कैनरीज की अंडर-18 टीम के नियमित खिलाड़ी बने। इसके साथ ही अंडर-21 टीम तक भी पहुंचे। जुलाई 223 में मैटोस चेल्सी से जुड़े और अपने 19वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर प्रीमियर लीग में डेब्यू किया।

पीकेएल 12 : यू मुंबा ने तमिल थलाइवाज को 36-33 से हराया

विशाखापत्तनम। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में यू मुंबा ने रविवार को तमिल थलाइवाज के खिलाफ 36-33 से रोमांचक जीत दर्ज की। विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में अर्जुन देशवाल के सुपर 1 ने थलाइवाज को पूरे मुकाबले में मजबूती दी, लेकिन अजीत चौहान और अनिल मोहन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले का रुख पलट दिया। एक समय था, जब यू मुंबा नौ अंकों से पिछड़ रही थी, लेकिन टीम ने शानदार वापसी करते हुए तीन अंक से मुकाबला अपने नाम किया। अजीत चौहान ने सफल रेड के जरिए मुंबई को सीजन के पांचवें मुकाबले की शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन 16वें मिनट में अर्जुन देशवाल की 'डू ऑर डाई' रेड ने मुकाबले का रुख थलाइवाज के पक्ष में मोड़ दिया।

इंटर मियामी को हराकर सिएटल साउंडर्स ने जीता खिताब

लीग्स कप

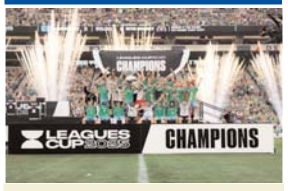

■ इंटर मियामी को दूसरे हाफ में बराबरी करने के कई सुनहरे मौके मिले

सिएटल, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। सिएटल साउंडर्स एफसी ने लीग्स कप के फाइनल में मियामी सीएफ को 3-0 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया है। यह मुकाबला सोमवार को लुमेन फील्ड में खेला गया। इंटर मियामी पर इस जीत के साथ साउंडर्स एमएलएस की इकलौती ऐसी टीम बन गई, जिसने उत्तरी अमेरिकी फुटबॉल की सभी बड़ी ट्रॉफियां जीत ली हैं। क्लब इससे पहले चार यूएस ओपन कप, दो एमएलएस कप, एक कॉनकाकाफ चैंपियंस कप और एक सपोर्टर्स शील्ड जीत चुका है। साउंडर्स ने 26वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। फॉरवर्ड ओसाजे डी रोजारियो ने विंगर पॉल रॉथरॉक के क्रॉस को शानदार हेडर से गोलपोस्ट में पहुंचाया। इसके बाद 84वें मिनट में डिफेंडर एलेक्स रोल्डन ने पेनाल्टी किक पर गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी। रॉथरॉक ने 89वें मिनट में गोलपोस्ट के सामने से एक खूबसूरत शॉट लगाकर मियामी पर सिएटल साउंडर्स की जीत पक्की कर दी। इंटर मियामी को दूसरे हाफ में बराबरी करने के कई सुनहरे मौके मिले। लुइस सुआरेज ने मौके बनाए, लेकिन लियोनेल मेसी (50वें मिनट) और तादेओ अलेंदे (60वें मिनट) इसका फायदा नहीं उठा सके। सिएटल ने अपनी ट्रॉफी कैबिनेट में उत्तरी अमेरिका की सभी बड़ी ट्रॉफियां शामिल कर ली हैं। इस जीत ने साउंडर्स को 2026 कॉनकाकाफ चैंपियंस कप के अंतिम 16 के राउंड में बाई दे दी है।

केरल क्रिकेट लीग 2025
त्रिशूर टाइटंस ने अलेप्पी रिपल्स को 4 विकेट से हराया

तिरुवनंतपुरम, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। त्रिशूर टाइटंस ने अलेप्पी रिपल्स के खिलाफ केरल क्रिकेट लीग 2025 के 23वें मुकाबले को चार विकेट से अपने नाम किया। इस जीत के साथ टाइटंस प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर पहुंच गई है। ६ ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी अलेप्पी रिपल्स ने 9 विकेट खोकर 128 रन बनाए इस टीम ने पहली गेंद पर ही कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का विकेट गंवा दिया था। यहां से अभिषेक नायर ने जलज सक्सेना के साथ दूसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी की, लेकिन अभिषेक का विकेट गिरते ही टीम लड़खड़ा गई। अभिषेक नायर ने 17 गेंदों में दो छक्कों और एक चौके की मदद से 22 रन की पारी खेली, जबकि श्रीरूप एमपी ने 24 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

जेमी ने टेस्ट क्रिकेट से लिया ब्रेक

लंदन, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑराउंडर जेमी ओवरटन ने सोमवार को शारीरिक क्षमता का हवाला देते हुए टेस्ट क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने की घोषणा की। जेमी ओवरटन ने आज सोशल मीडिया मंच पर अपनी पोस्ट में लिखा, काफी सोच-विचार के बाद, मैंने लाल गेंद वाले क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट मैचों सहित 99 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि लाल गेंद वाले प्रथम श्रेणी क्रिकेट ने मेरे पेशेवर करियर की नींव रखी है और अब तक मुझे खेल में मिले हर अवसर का प्रवेश द्वार रहा है। यहीं से मैंने खेल सीखा और इसने मेरे लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं को बल दिया जो मुझे इतने लंबे समय तक प्रेरित करती रहीं। हालांकि, मेरे करियर के इस पड़ाव पर, 12 महीने के कैलेंडर में क्रिकेट की मांगों के साथ, अब हर स्तर पर सभी प्रारूपों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होना, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से, संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आगे मेरा ध्यान सफेद गेंद वाले क्रिकेट पर रहेगा और मैं उच्चतम स्तर पर खेलने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखूंगा। 2022 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले ओवरटन ने अब तक केवल दो टेस्ट मैच खेले हैं, उनका आखिरी मैच हाल ही में समाप्त हुई घरेलू श्रृंखला में भारत के खिलाफ ओवल में था। इस ऑलराउंडर ने टेस्ट की दो पारियों में केवल दो विकेट लिए और नौ रन बनाए।

सबालेंका, जोकोविच, अल्काराज यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में

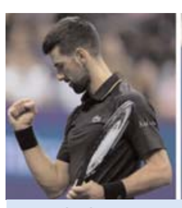

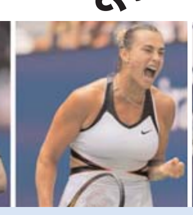

■ जोकोविच का अगला मुकाबला अमेरिकी नंबर 4 सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा

■ इस जीत के साथ जोकोविच ने रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी को भी पीछे छोड़ दिया

न्यूयॉर्क, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में एकल वर्ग के मुकाबले में सबालेंका ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अपने शुरुआती तीन राउंड में कड़ी परीक्षा दे चुकी गत चैंपियन को फ्लशिंग मीडोज में विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी को हराने और लगातार पाँचवीं बार अंतिम-आठ में जगह बनाने में केवल 73 मिनट लगे। सबालेंका का अगले दौर में मुकाबला कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना और चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार रात नोवाक जोकोविच ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को हराकर एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वहीं अल्काराज ने ओपन युग में 13 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की उपलब्धि हासिल की। एक घंटे 49 मिनट तक चले मुकाबले 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने करियर के 14वें यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच का अगला मुकाबला अमेरिकी नंबर 4 सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा, जिन्होंने इससे पहले चेक गणराज्य के टॉमस मचाक को सीधे सेटों में हराया था। मैच के बाद साक्षात्कार में जोकोविच ने कहा कि अगर आप अच्छी सर्विस करते हैं तो यह निश्चित रूप से मददगार होता है। मुझे लगता है कि पिछले राउंड में और आज भी मेरी सर्विस बहुत अच्छी रही। शायद मुझे उतनी मेहनत करने की ज़रूरत नहीं है।

अपने करियर के ज़्यादातर समय मैं बेसलाइन से दौड़ता, फिसलता और घिसटता रहा हूं। लेकिन जब सही समय आता है, तो मैं आक्रामक होने का प्रयास करता हूं। रात भी ऐसा ही हुआ। इस जीत के साथ जोकोविच ने रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी को भी पीछे छोड़ दिया, जो दोनों 13-13 यूएस ओपन क्वार्टर फ़ाइनल में पहुँचे थे, और अब वह 14-14 के साथ अकेले खड़े हैं। ओपन एरा रिकॉर्ड बुक में अब वह केवल कॉनर्स से पीछे हैं, जो 17 क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके हैं। एक अन्य मुकाबले में स्पेन के सनसनीखेज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने दर्शकों को एक बार फिर चकित कर करते हुए फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को सीधे सेटों में हराकर 2025 यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में सोनी बेकर करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच 2 सितंबर से तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज शुरू होगी। 22 वर्षीय तेज गेंदबाज सोनी बेकर हेडिंग्ले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में इंग्लैंड के लिए डेब्यू करने जा रहे हैं। 22 वर्षीय सोनी बेकर ने 'द हंड्रेड' में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की ओर से खेलते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया। माना जा रहा है कि सोनी इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के लिए इंग्लैंड की टीम का हिस्सा बन सकते हैं। हैम्पशायर के बेकर ने जनवरी 2025 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंग्लैंड लायंस की ओर से खेलते हुए अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। सोनी बेकर के करियर को देखें, तो उन्होंने 7 फर्स्ट क्लास मुकाबलों की 13 पारियों में 33.90 की औसत के साथ 22 विकेट अपने नाम किए।

[अर्थ जगत]

अमेरिकी शुल्क की घोषणा से एमएसएमई पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क की घोषणा से खतरा मंडराने लगा है। देश के कुल निर्यात में 45 प्रतिशत से अधिक योगदान करने वाले इस क्षेत्र के सामने बड़ी आफत आ खड़ी हुई है। एमएसएमई उद्योग संगठनों ने अमेरिकी कदम का बड़ा असर होने की चिंता जताई है और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। इंडिया एसएमई फोरम के अध्यक्ष ने कहा कि शुल्क बढ़ने से सालाना 30 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार खटाई में पड़ने की आशंका है।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	3.65 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	3.17 प्रतिशत
ट्रेंट	2.71 प्रतिशत
इटरनल	2.23 प्रतिशत
एशियन पेंट्स	2.13 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

सनफार्मा	1.87 प्रतिशत
आईटीसी	0.99 प्रतिशत
हिंद युनिलीवर	0.44 प्रतिशत
टाइटन	0.28 प्रतिशत
रिलायंस	0.24 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,05,880
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,26,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7976.62
मसूर काली	8149.15
उड़द दाल	10458.20
मूंग दाल	10084.23
अरहर दाल	10781.09

2026 में भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी रहेगी : क्रिसिल

- वित्त वर्ष 2026 में निजी खपत जीडीपी वृद्धि का मुख्य चालक बनने की ओर अग्रसर
- बैंक ऋण व जमा दरों में कटौती का मिल रहा लाभ

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी गति के कारण नकारात्मक जोखिमों के बावजूद, मजबूत घरेलू निजी खपत और सहायक सरकारी खर्च की उम्मीदों को देखते हुए भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी रहेगी। यह जानकारी सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। क्रिसिल के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में निजी खपत जीडीपी वृद्धि का मुख्य चालक बनने की ओर अग्रसर है।

क्रिसिल का अनुमान है कि इस वित्त वर्ष में जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिसमें कुछ गिरावट के जोखिम भी हैं। रिपोर्ट का मानना है कि चार प्रमुख कारक भारत में निजी खपत को बढ़ावा देंगे। क्रिसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि एक अच्छा मानसून कृषि क्षेत्र और ग्रामीण आय को बढ़ावा देगा। 28 अगस्त तक मानसून की प्रगति अच्छी रही है, जो दीर्घावधि औसत का 106 प्रतिशत है। 22 अगस्त तक खरीफ की बुवाई पिछले वर्ष की तुलना में 3.4 प्रतिशत अधिक है।

अनुकूल मानसून के कारण कृषि उत्पादन में तेजी से वृद्धि से खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में मदद मिलेगी, जिससे घरेलू बजट में विवेकाधीन खर्चों के लिए जगह बनेगी। इस वित्त वर्ष (अप्रैल-जुलाई औसत) में अब तक मुद्रास्फीति पिछले वित्त वर्ष के 4.6 प्रतिशत की तुलना में काफी कम होकर 2.4 प्रतिशत पर आ गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई द्वारा 2025 में अब तक रेपो दर में 100 आधार अंकों की कटौती और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में सितंबर और दिसंबर के बीच चार चरणों में की जाने वाली कटौती से शहरी क्षेत्र में खपत को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बैंक ऋण और जमा दरों में कटौती का लाभ मिल रहा है। आयकर में राहत के रूप में राजकोषीय नीति समर्थन और प्रमुख ग्रामीण योजनाओं पर अपेक्षित खर्च में वृद्धि से भी निजी खपत को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने नई कर व्यवस्था के तहत आयकर दरों में कमी की है, जिससे मध्यम वर्ग की प्रयोज्य आय में वृद्धि होगी। जीएसटी संरचना में प्रस्तावित बदलाव, जो कुछ उपभोक्ता क्षेत्रों में कर को कम कर सकता है, इस वित्त वर्ष में विकास को भी बढ़ावा दे सकता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रस्तावित बदलाव कब लागू होते हैं।

जीएसटी में कटौती से मांग बढ़ने की उम्मीद : मॉर्गन

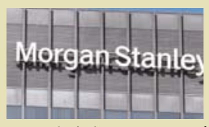

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली ने अप्रैल-जून तिमाही में भारत की मजबूत जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत के मद्देनजर 2025-26 में देश की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ा दिया है। साथ ही, उम्मीद है कि जीएसटी में आगामी कटौती से घरेलू मांग बढ़ेगी, जो अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के कारण निर्यात में आई गिरावट की भरपाई कर देगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें उम्मीद है कि जीएसटी कर में आगामी कटौती, आगामी त्योहारी सीजन और ग्रामीण मांग में मजबूत रुझान घरेलू मांग को बढ़ावा देंगे। इसलिए, हम उम्मीद करते हैं कि सार्वजनिक खर्च में कमी, बाहरी मांग में कमी (मुख्य रूप से वस्तुओं का निर्यात) और निजी क्षेत्र की मांग में तेजी के साथ विकास की संरचना में बदलाव आएगा। इसमें आगे कहा गया है कि हमारा अनुमान है कि बाहरी मांग से लगभग 50 आधार अंकों (बीपीएस) की वृद्धिशील गिरावट की भरपाई संभावित रूप से जीएसटी में कटौती से हो सकती है, जिससे विकास को लगभग 50 बीपीएस तक बढ़ावा मिल सकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मजबूत मानसून और खरीफ की बुआई कृषि क्षेत्र में मजबूती का संकेत देती है और आगे चलकर कृषि क्षेत्र की तेज वृद्धि को बढ़ावा देने की संभावना है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रियल जीडीपी वृद्धि दर को पहले अनुमानित 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही के 7.4 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई। आंतरिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि सरकारी और निजी खपत दोनों में सालाना आधार पर क्रमशः 7.5 प्रतिशत और 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सकल स्थिर पूंजी निर्माण पिछली तिमाही के स्तर की तुलना में स्वस्थ रहने के बावजूद 7.8 प्रतिशत पर आ गया है।

अगस्त में और तेज हुई विनिर्माण की रफ्तार

- नए ऑर्डरों में भी 57 महीने की सबसे तेज बढ़ोत्तरी दर्ज

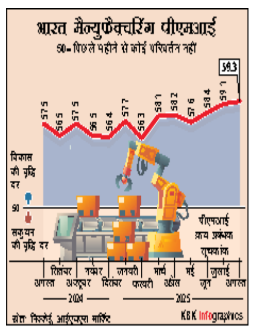

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी अगस्त में भी बरकरार रही तथा सोमवार को जारी एचएसबीसी की रिपोर्ट के अनुसार इसकी रफ्तार और तेज हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र के खरीद प्रबंधकों के बीच सर्वेक्षण पर आधारित पीएमआई सूचकांक जुलाई के 59.1 से बढ़कर अगस्त में 59.3 पर पहुंच गया जो 17 साल से अधिक की सबसे तेज रफ्तार को दिखाता है। साथ ही उत्पादन की मात्रा में लगभग पांच साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गई। नए ऑर्डरों में भी 57 महीने की सबसे तेज बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

पीएमआई सूचकांक माह-दर-माह आधार पर जारी किया जाता है। इसका 50 प्रतिशत से ऊपर रहना वृद्धि को और इससे कम रहना गिरावट को दर्शाता है। वहीं, सूचकांक का 50 पर रहना स्थिरता को दिखाता है।

भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि उत्पादन में तेज वृद्धि के दम पर भारत का विनिर्माण पीएमआई अगस्त में एक और नयी ऊंचाई पर पहुंच गया। अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क का विदेशों से मिलने वाले ऑर्डर में हल्की कमी में योगदान रहा होगा।

आईएमसी 2025 किसानों, छात्रों, एमएसएमई के बारे में भी होगा : सिंधिया

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 केवल 5जी, 6जी, एआई, आईओटी और मशीन-टू-मशीन संचार जैसी तकनीकों पर चर्चा का मंच ही नहीं होगा, बल्कि यह समझने का भी एक मंच होगा कि ये तकनीकें किसानों, छात्रों, एमएसएमई और समग्र समाज के जीवन को कैसे बदल सकती हैं।

8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले आईएमसी 2025 के लिए एआई-पावर्ड मोबाइल एप्लिकेशन के लॉन्च के अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस वर्ष के आयोजन का उद्देश्य इनोवेशन और परिवर्तन है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता के लिए 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारा उद्देश्य इनोवेशन और परिवर्तन है, जो कि अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता और 2047 तक भारत को विजय की ओर अग्रसर करने को बहुत महत्व दिया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आईएमसी को संभावनाओं का एक मंच बताया।

जीएसटी संग्रह अगस्त में 1.86 लाख करोड़ रुपए हुआ

- जीएसटी परिषद की बैठक 3-4 सितम्बर को प्रस्तावित

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर 1.86 लाख रुपए हो गया, यह जानकारी सोमवार को सरकार की ओर से दी गई। जीएसटी संग्रह में तेजी से इजाफा हो रहा है और यह लगातार आठवां महीना है जब जीएसटी संग्रह 1.8 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े से ऊपर बना हुआ है, जो देश में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों को दर्शाता है।

अगस्त में सकल घरेलू राजस्व 9.6 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि आयात से टैक्स 1.2 प्रतिशत घटकर 49,354 करोड़ रुपए रह गया। जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 20 प्रतिशत घटकर 19,359 करोड़ रुपए रह गया। अगस्त 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.67 लाख करोड़ रुपए रहा, जो सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत अधिक है। ये आंकड़े केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद की बैठक से ठीक पहले जारी किए गए हैं। जीएसटी परिषद की बैठक 3-4 सितंबर को प्रस्तावित है।

जीएसटी परिषद ज्यादातर वस्तुओं पर 5 और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी दरें लागू करने पर विचार-विमर्श करेगी, जबकि इस युक्तिकरण प्रक्रिया के तहत सिगरेट, तंबाकू और मीठे पेय पदार्थों जैसी हानिकारक वस्तुओं पर 40 प्रतिशत का अलग से हाई टैक्स लगाया जाएगा। हाल के महीनों में जीएसटी संग्रह में तेजी से वृद्धि ने देश की राजकोषीय स्थिति और व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचों को मजबूत करने में मदद की है।

जीडीपी के आंकड़ों से शेयर बाजार में उत्साह

- सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत ऊपर 80,364.49 अंक पर रहा
- निफ्टी 0.81 प्रतिशत चढ़कर 24,625.05 अंक पर बंद

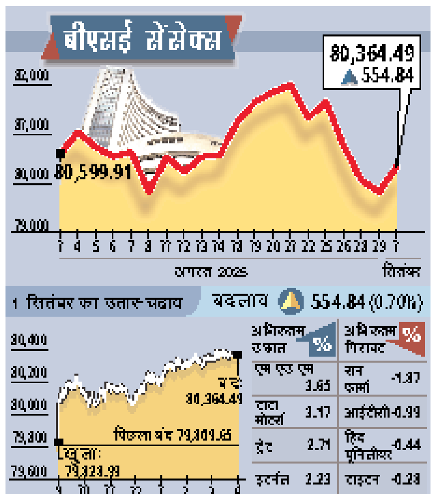

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में उम्मीद से ज्यादा वृद्धि के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों में उत्साह रहा और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक करीब 555 अंक की बढ़त से साथ बंद हुआ।

बाजार में सुबह से ही तेजी रही। सेंसेक्स 19.34 अंक की मजबूती के साथ 79,828.99 अंक पर खुला और अंत में 554.84 अंक (0.70 प्रतिशत) ऊपर 80,364.49 अंक पर बंद हुआ। इसका दिन का निचला स्तर 79,818.38 अंक और उच्चतम स्तर 80,406.84 अंक रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 5.85 अंक ऊपर 24,4342.70 अंक पर खुला और पूरे दिन हरे निशान में रहने के बाद 198.20 अंक यानी 0.81 प्रतिशत चढ़कर 24,625.05 अंक पर पहुंच गया। पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जारी किया गया है। इससे बाजार में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।

फार्मा को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों की कंपनियों में लिवाली का जोर रहा। बिक्री के मजबूत आंकड़े आने से ऑटो क्षेत्र की कंपनियों में जमकर लिवाली हुई। एनएसई में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3.52 प्रतिशत, बजाज ऑटो से 4.01 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प के 3.18, टाटा मोटर्स से 3.09, हीरो मोटोकॉर्प के 3.18 प्रतिशत चढ़े। इसके अलावा, आईटी, रियलिटी, बैंकिंग, धातु, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस क्षेत्र में निवेशकों ने खूब पैसा लगाया। एनएसई में 3,156 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 2,133 के शेयरों में तेजी और 935 में गिरावट रही। वहीं, 88 कंपनियों के शेयरों के भाव अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की 30 से 23 कंपनियों से शेयर हरे निशान में रहे। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3.65 प्रतिशत चढ़े। टाटा मोटर्स में 3.17 फीसदी, ट्रेंट में 2.71, इटरनल में 2.23, एशियन पेंट्स में 2.13 और इंफोसिस में 2.04 फीसदी की तेजी देखी गयी। टेक महिंद्रा का शेयर 1.71 प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स का 1.68, पावर ग्रिड का 1.63 और एक्सिस बैंक का 1.52 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, बीईएल, अल्ट्राटेक, टाटा स्टील और एनटीपीसी के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक चढ़े।

सनफार्मा 1.87 प्रतिशत, आईटीसी 0.99 प्रतिशत, हिंद युनिलीवर 0.44 प्रतिशत, टाइटन 0.28 प्रतिशत व रिलायंस 0.24 प्रतिशत की गिरावट में रही। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा लिवाली हुई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 2.03 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 में 1.57 प्रतिशत की तेजी रही। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 1.24 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुआ।

बीएसएनएल ने 'फ्रीडम प्लान' की समय सीमा 15 दिन बढ़ाया

- 1 अगस्त को लांच किया गया था प्लान

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने सोमवार को जानकारी दी कि कंपनी ने अपने 'फ्रीडम प्लान' की समय सीमा 15 दिन बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है। संचार मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए, बीएसएनएल अपने 'फ्रीडम प्लान' की समय सीमा 15 दिन बढ़ा रहा है।

यह प्लान 1 अगस्त को लॉन्च किया गया था, जिसमें नए एक्टिवेशन पर 1 रुपए के टोकन शुल्क पर 30 दिनों के लिए मुफ्त 4जी मोबाइल सेवाएं दी जा रही हैं।

मूल रूप से, यह योजना 31 अगस्त तक एक्टिवेशन के लिए उपलब्ध थी, हालांकि अब प्लान की अवधि 15 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। इस योजना के लाभों में अनलिमिटेड वॉयस कॉल (नियम और शर्तों के अनुसार), प्रतिदिन 2जीबी हाई-स्पीड 4जी डेटा, प्रतिदिन 100 एसएमएस और एक मुफ्त सिम कार्ड शामिल हैं।

बीएसएनएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ए. रॉबर्ट जे. रवि ने कहा कि बीएसएनएल ने हाल ही में देश भर में मेक-इन-इंडिया, स्टेट-ऑफ द आर्ट 4जी मोबाइल नेटवर्क स्थापित किया है, जो आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ा रहा है। फ्रीडम प्लान, जो पहले 30 दिनों के लिए बिल्कुल मुफ्त सेवा शुल्क वाला है, ग्राहकों को हमारे स्वदेशी रूप से विकसित 4जी नेटवर्क का अनुभव करने का एक गौरवपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

सार संक्षेप

अगस्त में पहली बार यूपीआई लेनदेन 2 अरब के पार

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने अगस्त में अपने इतिहास में पहली बार 2 अरब लेनदेन को पार कर लिया। अगस्त में यूपीआई ट्रांजेक्शन की संख्या 2.1 अरब के आंकड़े तक पहुंच गई, जो बीते महीने जुलाई के आंकड़े 19.47 अरब की तुलना में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वार्षिक आधार पर, यह 34 प्रतिशत की वृद्धि है। मूल्य के संदर्भ में, यूपीआई ने अगस्त के दौरान 24.85 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन दर्ज किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार, औसत दैनिक लेनदेन संख्या बढ़कर 64.5 करोड़ हो गई, जो कि जुलाई में 62.8 करोड़ दर्ज की गई थी। हालांकि, अगस्त में औसत दैनिक लेनदेन मूल्य 8,177 करोड़ रुपए रहा, जो कि जुलाई में 8,919 करोड़ रुपए था।

ओला इलेक्ट्रिक के वाहनों का पंजीकरण अगस्त में गिरा

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक के वाहनों का पंजीकरण अगस्त में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 31 प्रतिशत गिर गया है। यह जानकारी सरकारी पोर्टल वाहन पर दी गई। अगस्त में ओला इलेक्ट्रिक के 18,972 यूनिट्स वाहनों का पंजीकरण हुआ है, जो अगस्त 224 के 27,624 यूनिट्स से कम है। हालांकि, मासिक आधार पर ओला ने वापसी की और जुलाई की तुलना में पंजीकरण में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सुधार के कारण ओला इलेक्ट्रिक फिर से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बाजार में दूसरे नंबर की कंपनी बन गई है। आंकड़ों के अनुसार, दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री का कुल पंजीकरण अगस्त में 1,4,36 यूनिट्स का रहा है, जो कि जुलाई के मुकाबले 1.4 प्रतिशत है। ओला इलेक्ट्रिक ने अगस्त में बाजार में 18.19 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की, और इसके मासिक आंकड़ों में वृद्धि ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। दोपहर करीब 3 बजे ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 16.23 प्रतिशत बढ़कर 62.8 रुपए पर था।

दिल्ली हवाई अड्डे पर दो साल में बढ़ा अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट

नई दिल्ली। दिल्ली के रास्ते विदेश के एक शहर से दूसरे शहर जाने वाले हवाई यात्रियों की संख्या वित्त वर्ष 224-25 में दो साल पहले के मुकाबले करीब साढ़े तीन गुना हो गई है। एयरपोर्ट की संचालक कंपनी दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने सोमवार को यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि वित्त वर्ष 222-23 में दिल्ली के रास्ते विदेश के दो शहरों के बीच यात्रा करने हवाई यात्रियों की संख्या 3.88 लाख थी, जो वित्त वर्ष 224-25 में बढ़कर 13.4 लाख पर पहुंच गई। यह 244 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दुनिया के 15 शहरों के लिए उड़ानों का संचालन होता है।

चावल-चीनी महंगी, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घटबढ़, दालों के भाव चढ़े

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल की कीमत में उछाल देखा गया जबकि गेहूं में नरमी रही। दालों के दाम बढ़ गये। चीनी भी मजबूत हुई जबकि खाद्य तेलों में घट-बढ़ रही। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज अवकाश रहा।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 118 रुपए बढ़कर 3,848.88 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं तीन रुपए फिसलकर 2,849.43 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी छह रुपए सस्ता हुआ और 3,300.30 रुपए प्रति क्विंटल बोला गया। सरसों तेल औसतन 101 रुपए प्रति क्विंटल टूट गया। पाम ऑयल में 40 रुपए और सोया तेल में 68 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सूरजमुखी तेल की कीमत करीब 41 रुपए और मूंगफली तेल की 20 रुपए बढ़ गई। वनस्पति 83 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में तेजी का रुख रहा। तुअर दाल की औसत कीमत 208 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 134 रुपए और मूंग दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत में 146 रुपए और उड़द दाल में 40 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में गुड़ की औसत कीमत करीब 75 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ी। चीनी भी करीब 22 रुपए महंगी हुई।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** दाल चना 7980.86 रुपए, मसूर काली 8153.63 रुपए, मूंग दाल 10105.84 रुपए, उड़द दाल 10446.71 रुपए, अरहर दाल 10759.71 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

एशिया में काम करने के लिए टॉप 1 बेहतरीन जगहों में से 48 भारत में मौजूद

- कर्मचारियों का निरंतर सकारात्मक अनुभव बेहतरीन वर्कप्लेस कल्चर को करते है परिभाषित

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। एशिया में काम करने के लिए बेहतरीन जगहों में भारत शीर्ष स्थान पर है। सोमवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष 100 संगठनों में से 48 भारत में संचालित होते हैं। वर्कप्लेस कल्चर के वैश्विक सर्वेक्षणकर्ता, 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मौजूद ये 48 कंपनियां बड़ी कंपनियों की कैटेगरी में आती हैं, जबकि मिड-साइज कैटेगरी में भारत में 12 कंपनियां संचालित होती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वर्कप्लेस कल्चर और कर्मचारी अनुभव में देश के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल कंपनियों में एशिया के सामान्य वर्कप्लेस की तुलना में वर्कप्लेस पर सकारात्मक अनुभव बताने वाले कर्मचारियों की संख्या भी अधिक है। जब कंपनियां कर्मचारियों के साथ उच्च स्तर का विश्वास बनाती हैं तो उनके जनरेटिव एआई के उदय सहित, व्यवधानों के लिए तैयार रहने की संभावना अधिक होती है।

ग्रेट प्लेस टू वर्क के सीईओ माइकल सी. बुश ने कहा कि ये अग्रणी कंपनियां रास्ता दिखा रही हैं, ऐसे वर्कप्लेस बना रही हैं जो समुदायों को मजबूत, राष्ट्रों को अधिक समृद्ध और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाते हैं।

बुश ने आगे कहा कि एशिया में 2025 के बेस्ट वर्कप्लेस के विजेताओं को जो चीज अलग बनाती है, वह है उन सभी कारकों में कर्मचारियों का निरंतर सकारात्मक अनुभव, जो वास्तव में एक बेहतरीन वर्कप्लेस कल्चर को परिभाषित करते हैं।

इस वर्ष की सूची में भारत में कार्यरत जिन कंपनियों को शामिल किया गया है, उनमें नोवार्टिस, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, एरिक्सन, वीजा और एनवीडिया जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। 32 लाख से अधिक व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं वाले गोपनीय सर्वेक्षण आंकड़ों पर आधारित यह रिपोर्ट पूरे क्षेत्र के लगभग 75 लाख कर्मचारियों के अनुभवों को दर्शाती है।

समस्याओं को लेकर कोटा में चक्का जाम,धरना प्रदर्शन

खाद्य बिजली सड़क की समस्या एवं राजस्व विभाग के रवैये के खिलाफ कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुआ आंदोलन

किसान नागरिक पंचायत जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल रहे

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। कोटा के जयस्तंभ नाका चौक पर बड़ी संख्या में किसानो पंचायत के जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेस पदाधिकारियों ने विधायक अटल श्रीवास्तव एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेंटी कोटा बेलगहना रतनपुर के नेतृत्व में चक्का-जाम एवं धरना आंदोलन किया। आंदोलन में ब्लॉक अध्यक्ष कोटा आदित्य दीक्षित रतनपुर ग्रामीण यासीन खान विधायक प्रतिनिधि कुलवंत सिंह श्रीमती वीना मसीह शिवदत्त पाण्डेय कन्हैया गंधर्व प्रकाश जायसवाल जिला पंचायत जयकुमारी प्रभु जगत रजनी पिंटू मरकाम जनपद सदस्य धर्मेन्द्र देवांगन अलीबाबा कश्यप मनोज मरावी राधवेन्द्र रघवई सचीन साहू पार्षद देवेन्द्र कौशिक कान्हा गुप्ता जब्बार खान सहित पंचायत के सरपंच एवं जनपद सदस्य उपस्थित थे।

पूर्व घोषित समस्याएं प्रमुख रूप से खेती किसानी के सीजन में खाद की विशेषकर यूरिया डीएपी एवं किट नाशक दवाओं की कमी, कालाबाजारी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़को की खस्ता हालत विशेषकर ग्राम अमाली बिल्लीबंद और श्रीपारा, राजस्व विभाग के तहसीलदार आरआई और पटवारी की कार्य प्रणाली, नामांतरण नही करना लगातार अपने आफिस पर अनुपस्थित रहना आदि को लेकर चक्का-जाम किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों, कोटा नगरपालिका क्षेत्र के आम नागरिक एवं पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

मौके पर उपस्थित अनुविभाग स्तर के अधिकारियों ने विधायक से मांगो पर बातचीत करने की पेशकश की। चक्का-जाम से जनता को हो रही परेशानियों को देखते हुए विधायक ने अधिकारियों के साथ बैठकर बातचीत करना स्वीकार किया और चक्का जाम स्थगित कर दिया गया। जनपद पंचायत के कार्यालय में विधायक की उपस्थिति में जिला पंचायत जनपद पंचायत सदस्यों के साथ ब्लॉक कांग्रेस के प्रमुख पदाधिकारियों ने बैठक की समस्याओं पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने विधायक को आश्वस्थ किया कि समस्याओं का निराकरण जल्द किया जावेगा।

चक्का जाम के दौरान बड़ी सख्या में पुलिस बल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अर्चना झॉ एसडीओपी नुपुर उपाध्याय सहित प्रशासनिक टीम उपस्थित रही।

विधायक श्री श्रीवास्तव ने राजस्व विभाग के अधिकारियों के रवैये को लेकर भी चेतावनी देते हुए कहा कि तहसीलदार आरआई व पटवारी किसानों को नामांतरण के लिए सीमांकन के लिए लगातार चक्कर कटवा रहे है परेशान कर रहे है। समय रहते अधिकारी ध्यान दे अन्यथा आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहे।

चक्का जाम एवं धरना आंदोलन में प्रमुख रूप से श्री अरूण त्रिवेदी सुरेश सिंह चौहान मनोज बाजपेयी कपिल जायसवाल दिलीप श्रीवास फुलचंद अग्रहरी संतोष बघेल अजय चौहान ईश्वर सिदार राजू श्याम जायसवाल अशोक अनंत परमेश्वर मिरी चिंता राम बाबा सोनी रवि राज सहित युवा कांग्रेस एनएसयूआई महिला कांग्रेस किसान कांग्रेस आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी जिला कांग्रेस के पदाधिकारी पूर्व पार्षद पूर्व जनपद सदस्य पूर्व जिला पंचायत सदस्य सहित सैकड़ो किसान शामिल रहे।

भाजयुमो ने कांग्रेस और राहुल गांधी का फूंका पुतला

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। बिहार के दरभंगा में हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माता जी पर किए अपशब्दों के प्रयोग को लेकर आज भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पुराना बस स्टैंड स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक पर इकठ्ठा होकर नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का पुतला फूंका।

इस अवसर पर दीपक सिंह,मोहित जायसवाल,निखिल केशरवानी,कृष्णकुमार कौशिक,प्रणव शर्मा,रितेश अग्रवाल,जयश्री चौकसे,चंद्रप्रकाश सूर्या,ऋषभ चतुर्वेदी,महर्षि बाजपेई,नितिन छाबड़ा,मोनू रजक, इन्शु गुप्ता,तुषार चंद्राकर,ज्ञानेंद्र कश्यप,सन्नी केशरी,अंचल दुबे,केतन वर्मा,अंकित गुप्ता,अनिल सूर्या,अभिषेक चौबे,जय वाधवानी,रामा गुप्ता,संध्या चौधरी,नीरज सिन्हा,रोशन राशि,मो.बरकाती,यश गोरहा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

सड़क निर्माण स्वीकृति के लिए राज्य शासन को भेजा गया प्रस्ताव

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। लोक निर्माण अनुविभाग कोटा के अंतर्गत दो सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति की कार्रवाई तेजी से चल रही है। कार्यपालन अभियंता वी एन के शास्त्री ने बताया कि इनमें से कोटा पंडरा पथरा से श्रीपारा पहुंच मार्ग वर्ष 2024- 2025 के विभागीय बजट में शामिल है। सड़क निर्माण के लिए 3 करोड़ 56 लाख का प्राक्कलन स्वीकृति के लिए राज्य शासन को भेजा गया है। तब तक के लिए आवागमन की सुगमता को ध्यान में रखते हुए जरूरी रैन कट और पैच रिपेयर के काम कराए जा रहे हैं। इसी तरह रतनपुर कोटा मुख्य मार्ग से अमाली बिल्ली बंद पहुंच मार्ग निर्माण के लिए वर्ष 2025 26 के पीडब्ल्यूडी विभाग के बजट में शामिल किया गया है। मार्ग का विस्तृत सर्वे कार्य कर लिया गया है और इसका प्राक्कलन राज्य शासन को प्रेषित किया जा रहा है। तब तक के लिए लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेन कट और पेच रिपेयर के काम कराया जा रहे हैं । लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री हर्ष कबीर ने जल जीवन मिशन के कामों को अधूरे छोड़े जाने के संबंध में बताया कि नवागांव सलका एवं अमाली सहित अन्य गांव में जल जीवन मिशन का काम चल रहा है। किसी भी ठेकेदार ने काम बंद अथवा अधूरा नहीं छोड़ा है। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों को त्वरित गति से काम करते हुए जल प्रदाय योजनाओं के शेष काम को पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पाइप फिटिंग के कार्यों को जल्द पूरा करने और खोदे गए गड्ढों को पाटकर समतल बनाने के कड़े निर्देश दिए हैं।

कारीगरों और उद्यमियों को मिलेगा डिजिटल मार्केटिंग का ज्ञान

एक दिवसीय कार्यशाला कल

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा 3 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से मंगला चौक स्थित निजी होटल में रैम्प योजना अंतर्गत ई-मार्केटप्लेस एवं डिजिटल मार्केटिंग से सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम के लिए बाजार विकास विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य एमएसएमई महिला उद्यमियों एसएचजी सदस्यों एवं पारंपरिक कारीगरों का ई-कामर्स प्लेटफार्म के माध्यम से अपने उत्पादों की बाजार पहुँच बढ़ाने, विपणन सहायता प्राप्त करने नेटवर्किंग के अवसर समझने उत्पादों की दृश्यता में वृद्धि तथा लॉजिस्टिक समर्थन के बारे में जानकारी देना है।

यह कार्यशाला विशेष रूप से सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, महिला उद्यमी एवं स्वयं सहायता समूह, हस्तशिल्प हथकरघा खाद्य प्रसंस्करण वनोपज आधारित उद्यम एवं ऐसे कारीगर एवं उत्पादक जो ऑनलाइन बिक्री के इच्छुक है उनके लिए उपयोगी रहेगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के मुख्य महाप्रबंधक ने जिले के सभी इच्छुक उद्यमियों एवं लाभार्थियों से आग्रह किया है कि कि वे इस नि: शुल्क कार्यशाला में भाग लें। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बिलासपुर में प्रबंधक श्री श्रीधर राव, मो.नं. 7587097969 से संपर्क कर सकते है।

ब्रह्माकुमारीज ने एक माह में महाभियान चलाकर 50 हजार लोगों तक नशा मुक्ति का पहुँचाया संदेश-बीके स्वाति

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार रूप देने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ बिलासपुर की मुख्य शाखा टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित राजयोग भवन ने एक माह पूर्व मेरा बिलासपुर-नशा मुक्त बिलासपुर का भव्य शुभारंभ किया था। इस महत्वपूर्ण अभियान का जिलाधीश भ्राता संजय अग्रवाल तथा पुलिस अधीक्षक भ्राता रजनेश सिंह ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था जो युवाओं और समाज के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके स्वाति दीदी ने एक माह से चल रहे महा अभियान के बारे में बताया कि नशा एक सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक और मानसिक अभिशाप है। भारत सरकार के साथ मिलकर ब्रह्माकुमारी संस्था पुरे भारत देश में नशा मुक्ति अभियान का आयोजन कर रहे हैं। इसी अभियान के अंतर्गत पिछले एक माह से बिलासपुर जिले में मेरा बिलासपुर - नशा मुक्त बिलासपुर महा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के हर तहसील, गांव, समाज के हर वर्ग युवा, वृद्ध, बच्चे, स्त्री, पुरुष सभी तक पहुंच कर उन्हें नशे से होने वाले दुष्परिणाम से अवगत करा कर नशा छुड़ाना है। नशा मुक्ति महा अभियान में रतनपुर, चपोरा,बेलतरा, नेवसा, लखराम, अकलतरी, खैरा, डागनिया, सेमरा, खुटाघाट, उसलापुर, कानन पेंडारी, करगी रोड, गनियारी, सकरी, हांफ़ा, सकर्रा, भरनी, परसदा, अमेरी, घुरू, सिरगिट्टी, चकरभाठा, बिल्हा के साथ गौरेला,पेंड्रा, मरवाही जिले में एक माह में 50000 से अधिक लोगों ने नशा मुक्ति के संदेश द्वारा लाभान्वित होकर नशा मुक्त रहकर दूसरों को नशा मुक्त बनाने का संकल्प किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने कलेक्ट्रेट में किया जोरदार प्रदर्शन

प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ की सैकड़ों पदाधिकारी और सदस्य सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे । उन्होंने अपनी मांगों को लेकर ज़ोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री के नाम जिला प्रशासन को विस्तृत मांगपत्र सौंपा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम भी इस देश की नागरिक हैं। महिला मतदाता हैं। पिछले 50 वर्षों से केंद्र और राज्य सरकारों की हर योजना को घर-घर तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। इसके बावजूद हमें न तो कर्मचारी का दर्जा मिला है, न ही न्यूनतम मजदूरी, पेंशन, ग्रेच्युटी, समूह बीमा और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि 2 अक्टूबर 1975 को आईसीडीएस ,एकीकृत बाल विकास सेवा योजना शुरू हुई थी। तब से देशभर में करीब 27 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं कार्यरत हैं। छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या लगभग लाख में है।

सहायिका और कार्यकर्ता संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार केवल नाममात्र का पारिश्रमिक देती है।, जो जीवनयापन के लिए पर्याप्त नहीं है। महंगाई भत्ता, पेंशन, चिकित्सा सुविधा या पदोन्नति का लाभ भी हमें नहीं मिलता। केंद्र और राज्य सरकारें एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालती रहती हैं। लेकिन वर्तमान में दोनों ही जगह एक ही पार्टी की सरकार है, इसलिए हमारी पीड़ा को गंभीरता से समझा जाना चाहिए।

स्कूलों में पढ़ाया जा रहा है स्वच्छता का पाठ

छात्रों को जागरूक करने निगम चला रहा अभियान

छात्रों की सहभागिता से बदलेगी तस्वीर,गंदगी ना करेंगे और ना ही करने देंगे

शिक्षक और प्राचार्य भी निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ रखने और सर्वेक्षण में नंबर वन बनने के लिए विभिन्न स्तर पर प्रयास किए जा रहे है। फील्ड में साफ-सफाई को चुस्त रखने के साथ ही लगातार जन जागरूकता के अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में शहर के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों में स्वच्छता के संदर्भ में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा सभी छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए शहर को स्वच्छ रखने के अभियान में सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा हैं,जिसके तहत छात्रों को खुद भी कचरा नहीं फैलाने और घर तथा अपने आस-पास किसी को भी कचरा फैलाने से रोकने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

स्वच्छता में आम नागरिकों की सहभागिता और जागरूकता के उद्देश्य से निगम कमिश्नर अमित कुमार के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है,जिसमें शिक्षा विभाग भी अपना योगदान दे रहा हैं। अभियान के तहत स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के संदर्भ में जानकारी दी जा रही है और अभियान से जोड़ा भी जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से गीला और सूखा कचरे के पृथककरण की जानकारी और अपने आस-पास सफाई रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम में छात्रों को बताया जाता है की घर से निकलने वाले सूखे और गीले कचरे को अलग- अलग करके हरे तथा नीले डिब्बे में कचरा कलेक्शन करने वालों को दें।

कचरा इधर उधर फेंकने के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कचरे के स्रोत पर पृथक्करण करने पर जोर दिया गया। स्कूलों में निगम की टीम के अलावा शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए बताया जा रहा है कि अस्वच्छता के खिलाफ इस जंग को हम तब तक नहीं जीत सकते जब तक इसमें आमजन की सहभागिता ना हों, इसलिए आप सभी छात्र-छात्राएं इस अभियान के साथ जुड़े और लोगों को जागरूक करते हुए अपने शहर को आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में नंबर वन बनाने में अपनी सहभागिता दें।इसके अलावा हर शनिवार को स्कूलों में प्रार्थना के समय छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से स्वच्छता की नई नई जानकारियों से अवगत कराया जा रहा है।

प्राथमिक सहायता और आपदा प्रबंधन के संबंध में रेडक्रॉस सोसायटी का प्रशिक्षण कार्यक्रम, कलेक्टर ने किया शुभारंभ

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आज कलेक्टर संजय अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर्स का सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी विजय टांडे द्वारा की गई । आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से सहायक कलेक्टर अरविन्थ कुमारन उपस्थित रहे। साथ में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती मीता मुखर्जी एवं रेडक्रॉस सोसायटी की सचिव डॉ. शुभा गरेवाल उपस्थित थे।

प्रशिक्षण सत्र में स्वास्थ्य विभाग से 10 डॉक्टर, उच्च शिक्षा विभाग से 15 रेडक्रॉस प्रभारी सहायक प्राध्यापक, स्कूल शिक्षा विभाग से 25 रेडक्रॉस प्रभारी शिक्षक एवं होमगार्ड तथा अन्य पांच लोगों ने प्रशिक्षण हेतु अपनी उपस्थिति दी। प्रशिक्षण हेतु बालमुकुंद दुबे राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं डॉ आशुतोष तिवारी, मानसिक रोग चिकित्सा विशेषज्ञ के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कलेक्टर ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। डॉ शुभा गरेवाल सचिव रेडक्रॉस ने स्वागत उद्बोधन दिया । सौरभ सक्सेना जिला समन्वयक ने 02 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को सहायक कलेक्टर द्वारा भी संबोधित किया गया।

संजय अग्रवाल मुख्य अतिथि द्वारा प्रशिक्षार्थियों से अपेक्षा की गई की सभी प्रशिक्षार्थी पूरा मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे एवं उनके द्वारा दिनांक 10 से 13 सितंबर मध्य लगभग 350 लोगों को प्रशिक्षित किया जाना है जो कि अपने-अपने विद्यालय एवं महाविद्यालय में छात्राओं एवं शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। कलेक्टर ने सभी को मास्टर ट्रेनर बनने के लिए शुभकामनाएं दी तथा साथ ही जानकारी दी की रेडक्रॉस द्वारा यूवोदय कार्यक्रम भी जल्दी संचालित किया जाएगा, जिसमें गांव से इच्छुक युवाओं को जोड़कर शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाया जा सके। कार्यक्रम में डॉ राजीव अवस्थी ने आभार प्रदर्शन किया । कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी प्रबंध समिति के सदस्य सर्वश्री सुरेंद्र गुम्बर श्रीकांत सहारे, सैयद जफर अली उपस्थित रहे साथ ही डॉ. एम ए जीवनी नोडल अधिकारी रेडक्रॉस के साथ-साथ श्री आदित्य पांडे लक्ष्मी नारायण मिश्रा सुशील राजपूत गीतेश्वरी चंद्रा लेमा देवांगन अन्नू पटेल नौरीश जेहरा अली ममता लहरे पूजा केवट मुस्कान ठाकुर अशोक यादव एवं महाविद्यालय के आचार्य गण आदि उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता संपन्न

स्कूली बच्चों ने यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के विविध कार्यकमों में की सहभागिता

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन शनिचरी बाजार स्थित पं. देवकीनंदन दीक्षित सभाभवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु किया गया।

कार्यक्रम की थीम सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा रही, जिसमें हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग, तेज रफ्तार से बचाव, नशे एवं मोबाइल पर बात करते हुए वाहन न चलाने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

यह वाद-विवाद प्रतियोगिता पाँच स्तरों पर आयोजित की जाती है-विद्यालय, विकासखंड, जिला, संभाग, राज्य स्तर। जिला स्तर पर विभिन्न विकासखंडों से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीमों ने भाग लिया।

विजेता प्रतिभागी- प्रथम स्थान-सेजेस लालबहादुर शास्त्री विद्यालय, बिलासपुर, द्वितीय स्थान-शासकीय मिनी माता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिकरी मस्तूरी, तृतीय स्थान-शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिठ्ठू नवागांव कोटा।

सांत्वना पुरस्कार-हा.से. विद्यालय, सेमरताल, सेजेस डीकेपी कोटा, सेजेस सकरी तखतपुर, कन्या हा.से. विद्यालय, कोटा, हा.से. हिंदी माध्यम सेजेस सकरी।

पुरस्कार वितरण- प्रथम स्थान 7000 नगद, द्वितीय स्थान 5000 नगद, तृतीय स्थान 3000 नगद, पाँच सांत्वना पुरस्कार-प्रत्येक को 2000 नगद।

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दल आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।निर्णायक मंडल में डॉ. एस.एल. निराला, प्राचार्य, शासकीय अग्रणी महाविद्यालय, डॉ. (श्रीमती) पलक जायसवाल, चेयरपर्सन, एनजीओ कमल सिंह डहरिया, वरिष्ठ नागरिक श्रीमती नीलम चौधरी, वरिष्ठ व्याख्याता, गोपाल मिश्रा, प्राचार्य प्रतिभागियों ने सड़क दुर्घटनाओं के कारणों एवं उनकी रोकथाम के उपायों पर विचार प्रस्तुत किए।आयोजकों और अतिथियों ने सभी से यातायात नियमों का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा के लिए जनभागीदारी बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बिलासपुर के महापौर श्रीमती पूजा विधानी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने दीप प्रज्वलित कर किया साथ में चंद्र प्रकाश सूर्या जिलाध्यक्ष भाजपा अजजा मोर्चा एवं जिलापंचायत सदस्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सायकल मिलने से स्कूल की दूरी कम लगेगी-राजेश सूर्यवंशी

कक्षा 9 वी की 68 छात्राओं की मिली सायकल

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय पंधी में सत्र 2025-26 के अंतर्गत सरस्वती निशुल्क साइकिल योजना के तहत कक्षा 9 वीं की छात्राओं को साइकिल वितरित की गई, इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजेश सूर्यवंशी, अध्यक्ष जिला पंचायत एवं चंद्रप्रकाश सूर्या अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य संजय शर्मा ने की।

अतिथियों में चंद्र प्रकाश सूर्या प्रतिनिधि (सदस्य जिला पंचायत बिलासपुर एवं अध्यक्ष जिला अनु.जा.मोर्चा भाजपा), रेवाशंकर साहू (जनपद सदस्य पंधी मस्तूरी), राधेश्याम मिश्रा (अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति), यदुराम साहू जी जिला महामंत्री, मंडल महामंत्री श्यामलाल पटेल, समिति सदस्य श्रीमती ममता वस्त्रकर, लव यादव, जोहान वस्त्रकर, नीरज श्रीवास, कृष्ण कुमार भट्ट, बसंत पुरी गोस्वामी, यशवंत गोस्वामी पंधी सरपंच वीरेंद्र साहू, देवरी सरपंच श्रीमती रीता रात्रे तथा ग्राम नागरिक संतोष सिंह चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सायकल वितरण कार्यक्रम के अवसर पर कुल 56 छात्राओं को साइकिल का लाभ प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाएं बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैं। उन्होंने विद्यालय में दी जा रही उत्कृष्ट शिक्षा की सराहना की और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को भविष्य में पूरा करने का आश्वासन भी दिया।

सूर्या ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार शिक्षा के प्रति जागरूक सरकार है, शिक्षा बजट को भी बढ़ाया है 2004/5 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे डॉ रमन सिंह ने सरस्वती साइकिल योजना का शुभारंभ किया जिसके कारण बेटियां दूर जाकर भी पढ़ाई कर पा रही है, प्राचार्य संजय शर्मा ने योजना की उपयोगिता बताते हुए कहा कि शासन की यह पहल छात्राओं की पढ़ाई को सुगम बनाती है, 56 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया कुल 68 छात्राओ को सायकल प्रदान किया जाएगा।

राधेश्याम मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि पहले छात्राओं को दूर-दराज से विद्यालय आने में कठिनाई होती थी जिसके कारण वे पढ़ाई छोड़ देती थीं, किंतु शासन की इस योजना से अब होनहार बेटियों को शिक्षा जारी रखने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

रेवाशंकर साहू ने कहा कि छात्राओ को आगे पढ़ने में सायकल वितरण कारगर साबित हुआ है आवश्यकताओं को भविष्य में पूरा करने का आश्वासन भी दिया

कार्यक्रम में विद्यालय की व्याख्याता हेमलता वर्मा, रोमा सरकार, माधुरी कौशिक, मॉली गुइन, तिशू शुक्ला, हेमंत शर्मा, केशनी साहू, सुरेश टाइगर, सुभाश्री साहू, अपर्णा त्रिपाठी, मनोज गुरुदीवान, ओमप्रकाश दुबे, कमला चंद्रा, माधवी यादव पूर्व माध्यमिक शाला प्रधानपाठक सुनील पोपटानी तथा शिक्षक आरती शुक्ला, संकुल समन्वयक धर्मेंद्र कुमार गौरहा सहित समस्त स्टाफ व शाला के छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता प्रीति पाण्डेय ने किया तथा अंत में व्याख्याता हेमलता वर्मा ने आभार व्यक्त किया।

NECC

02.09.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	560	90	185
चिल्हर	7.00	120	200
डिलीवरी	575 सैकड़ा		

मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.

CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771